Hitch an Ishual The Gazette of India

NUMBER & STATES

सं० 36]

नई विल्ली, शनिवार, सितम्बर 5, 1987 (भाद्रपव 14, 1909)

No. 36]

NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 5, 1987 (BHADRA 14, 1909)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it m y be filed as a separate compilation)

भाग III --खण्ड 1 [PART III--SECTION 1]

उन्त न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखावरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीनस्य कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं [Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the ¡Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by attached and Subordinate Offices of the Government of India]

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरी

नई दिल्ली-110003, विनांक 11 भगस्त 1987

सं 3/9/87-प्रशासन-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एतक्द्वारा श्री एम० करणाञ्चण, ग्राभियोजन निरीक्षण आर० पी० एफ०, वक्षिण रेलवे, मद्रास को 16-7-87 पूर्वाह्म. के ग्राम श्रादेश होने तक के० ग्र० ब्यूरो में, प्रतिनियुक्ति पर, लोक ग्रभियोजक के रूप में नियक्त करते हैं।

> प्रताप नारायण श्रार्य प्रशासन श्रधिकारी (लेखा) के० श्र० ब्युरो

गृष्ट मजालय

महानिदेशालय के० रि० पु० बल

नई दिल्ली-110003, दिनाक 7 ग्रगस्त 1987

सं० ग्रो० दों 1417/77-स्था० 1—सरकारी मेवा से निब्दि होने के फलस्वरूप श्री राय सिंह ने पुलिस उप ग्रिधीक्षक कम्पनी कमाण्डर 88 बटा० के० रि पु० बल के 1—22601/87

पद का कार्य भार दिनांक 31-7-1987 (भ्रपराह्म) को त्याग दिया।

> भ्रशोक राज महीपति सहायक निदेशक (स्वापना)

महनि दे शालय

केन्द्रीय श्रीद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 4 अगस्त १९७

सं० ई०-16014(2)/10/81-कार्मिक-1/73---प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति होने पर, श्री एम० एस० प्रग्रवाल, सहायक कमांडेट, के० रि० पु० ब० ने 15 जुलाई, 1987 के पूर्वाह्म से कमांडेट, केश्रोसुब यूनिट, बी० सी० एल०, _ क्रारिया, के पद का कार्यभार मम्भाल लिया।

दिनांक 6 अगस्त 1987

सं० $\frac{1}{4}$ - $\frac{1}{4}$ -

(8081)

26-3-87 से केमोसुब में स्थानान्तरण पर कमाछेट के रूप में नियुक्त करते हैं।

महानिदंशक केश्रोसुब

वित्त मंद्रालय

(भाधिक कार्य विभाग)

अतिभूति कागज कारखाना

ष्ठीर्मगाबाद, विनांक 5 श्रगस्त 1987

सं कमांक सी 5 / 3183—श्री के के के गीयल, निरंक्षिक (नियंत्रण) को हु 2000-60-2300-द श्र 75-3200-100-3500 के वंतनमान में श्री जगदीश प्रसाद के श्रवकाश संविध में दिनांक 31-5-87 से 10-7-87 तक तदर्थ श्राधार पर सहायक मुख्य नियंत्रण श्रिधकारी के पद पर नियंक्ष किया जाता हैं।

विनांक 10 ग्रगस्त 1987

क्रमांक : एम-6/3/33—श्री बी० एल० शर्मा, फोरमैन (यांग) की ६० 2000-60-2300-द० ध्र०-75-3200-100-3500 के बेतनमान में सहायक ध्रभियन्ता (यां) का पद पर दिनांक 2-1-1987 से 31-12-1987 तक, तदर्थ आधार पर नियुक्त किया जाता है।

प्र० च० पन्त उप-महाप्रबंधक

भारसीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग कार्यालय, निदेशक लेखा परीक्षा,

केन्द्रीय राजस्व-1

नई दिल्ली-110002, दिनांक 14 ग्रगस्त 1987

सं० प्रशासन-1/127—इस कार्यालय की सहायक लेखा परीक्षा श्रधिकारी श्रीमती लीला श्रीनहीं की दिनांक 1 श्रगस्त 1987 से मूल नियम के नियम 56 (के) के श्रन्तगंत सरकारी सेवा सेस्बेध्छा से सेवा निवस हो गई हा।

उनकी जन्म तिथि 23-9-1933 तथा सेवारम्भ की तिथि 14-7-1953 है।

हु० अपठनीय उप-निदेशक (प्रशासन)

भारत के नियंत्रक-महालेखा परोक्षक वा कार्यालय नई दिल्ली-110002 दिनांक 17 अगस्त, 1986

मं 1832-स्था एवं प्रशा 1190-83--भारत के उपनियतक-महालेखा परीक्षक के मुभाष चन्दर जो इस कार्यालय के गंड-II झाशुलिपिक थं, को दिनांक 11-2-87 के पूर्वाह्म से झगले आदेश तक के लिए, आशुलिपिक ग्रेड 'ख' (वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक) के वेतनमान 2000-60-27300-द० झब० 75-3200 में, स्थानापन्न-नियुक्ति की है। उनकी प्रोन्नति की तिथि, झाशुलिपिक ग्रेड "ख" (वरिष्ठ)

वैविभितक सहायक) के पद पर फिर भी, 25-3-85 होगी जिस दिन से उनसे कनिष्ठ की प्रोन्नति हुई थी।

> राकेश जैंन उप-निदशक (पी०)

महालेखाकार (लेखा परीक्षा का) कार्यालय केरल, तिरुवन्तपुरम-39, दिनांक 10 ध्रगस्त 1987

सं० प्रशासन लंखापरीक्षा 3/9-1—निम्नलिखत कर्मचारियों को रुपये 2375-75-3200 ई० बी० 100-3500 के वेतनमान में उनके नाम के सामने लिखित तारीख से लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में पदोन्नति देने के लिये महालेखाकार संतुष्ट हुए हैं। ये पदोन्नतियां सिविल विविध अर्जी संख्या 24851/84 पर केरल के माननीय उच्च न्यायालय द्वारा जो आवेग जारी किया जाए, उसके अध्यधीन अगले आदेश तक अस्याई हैं।

क्रम नाम भार सं०	. ग्रहण की तारीख
सर्वेश्री/श्रीमती	,
1. एन० रामचन्द्रन नायर (सं० 4)	9-4-1987
2. पी० बी० राम चन्द्रन (उपचारार्य)	9-4-1987
3. सी० पी० विश्वम्बरन	9-4-1987
 एस० चन्द्रशेखरन नायर 	6-5-1987
5. के० यु ० पौ लोस	17-7-1987

सं० प्रशासन/लेखा परीक्षा/3/9/1 — निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों को सपये 2000-60-2300-ई० बी० 75-3200 के बेतनामन में उनके नाम के सामने लिखित तारीख से सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में पदोन्नति देने के लिए महालेखाकार संतुष्ट हुए हैं। ये पदोन्नतियां सिबिल विविध अर्जी संख्या 24851/84 पर केरल के माननीय उच्च न्यायालय द्वारा जी आदेश जारी किया जाए, उसके अध्यधीन अगले ावेश तक श्रस्थाई है।

सं०	नाम		भार ग्रहण की तारीख
1	2		3
सर्वश्री/	श्रीमती		
1. वे	o जे o जैम्स	•	31-1-1987
2. ए	अहाम वर्गीस .	4	30-1-1987
3. Ų	म० उण्णिकष्णन नायर		31-1-1987
4. 🕏	।।र० गोविन्दराजन	•	30-1-1 98 7
5. উ	ी० सोमनाथ पनि क् कर		30-1-1987

1 2			3			ाम क स्नाग प्रागामी ध्रादेश		कार्यभार प्रहुप किया है।
6. पी० जोसफ जोण	•		31-1-1987	———— क्रमांक	 नाम	 स्थाई	 कार्यभार	पदस्थापना
7. पी० क्रुष्णन नायर (सं०:	3)		30-1-1987	सं०		क्रमॉक	ग्रहण करने	,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,
8. पी० शिवदासन (सं० 2)			30-1-1987		,		का दिनांक}	
9. एस० नवीन कुमार	•	•	30-1-1987 (भ्रपराह्म)				पदोन्नति कां दिनांक	
10. एस० सोमशेखरन नायर	•		30-1-1987	1	2	3	4	5
11. पोल जोर्ज .		•	12-2-1987			,		
12. सी० एस० सदानन्दन	٠	•	12-2-1987 (स्पराह्म)	सर्वश्री 1. वी० र	पी० सक्सेना	01/424	24-7-87	कार्यालय
13. वी० के० रामन			12-2-1987				पू०	महालेखाका र
14. ए० रामचन्द्रन (सं०्2)			12-2-1987					ले० प० प्रथम म०
15. के० रवीन्द्रन .	•		13-2-1987					प्रवन मण प्रवन्तालयाः
16. के ० वी ० दिनमणी			13-2-1987	2. স্ত্রী ১ ছ	प्रार० सुमन	01/1332	27-7-87	कार्वासय
17. फिलिप थोमस			12-2-1987		_	•	पू०	महालेखाकार
18. के०पी० केशवन नायर		•	12-2-1987				_	ले० प०-
19. ग्रो०वी० सिसिली			12-2-1987				ĺ	द्वितीय म० प्र०ग्वालियर
20. एम० टी० श्रान्टणी			13-2-1987					शाखा ग्वा०

ध्राई० वैकटरामन वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

तिरुवमन्तपुरम, दिनांक 11 ग्रगस्त 1987

सं० हक/1/10-3/87-88/127--- महालेखाकार परीक्षा) का कार्यालय, केरल, तिरुवन्तपुरम के लेखा परीक्षा ग्रिधिकारी श्री के० के० नारायण मेनन 31-7-1987 के भ्रपराह्न में सरकारी सेवा से वार्धक्य-निवृक्त हो गये हैं।

> धानन्व शंकर महालेखाकार (लेखा परीक्षा)

कार्यालय, महालेखाकार (लेखापरीक्षा) प्रथम, मध्य प्रदेश ग्वालियर, दिनांक 10 अगस्त 1987

II/समुह-1-पदो/ले० प० **प्र**०/144--ऋमांक/प्रशासन महालेखाकार (ले॰ प॰) प्रथम ने निम्निलिखित सहायक लेखा-परीक्षा अधिकारियों को स्थानापन्न लेखापरीक्षा अधिकारी के पद पर वेतनमान रूपये 2375-75-3200 द० रो०-100-

[प्राधिकार: महालेखाकार (लॅ० प०) प्रथम के आदेश दि० 23-7-87 एवं 29-7-1987]

> ह० अपरुनीय उपमहालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) कार्यालय, उड़ीसा भुवनेष्वर, दिनांक 11 ग्रागस्त 1987

21—उड़िसा के महालेखाकार (संखा एवं हकदारी) ने हर्ष के साथ भारतीय लेखा सथा लेखा परीक्षा विभागीय (प्रशासनिक प्रधिकारी, लेखा प्रधिकारी और लेखा परीक्षा भिधकारी) नियुक्ति नियमावली, 1969 के म्रनुसार इस कार्यालय के भ्रनुभाग अधिकारी श्री एम० जगन्नाधम को वैतनमान 2375-75-3200 द० रो० 3500 परं विनांक 11-8-1987 (पूर्वाह्म से अगले आदेश तक लेखा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न के तौर पर नियक्त किया है। यह पदोन्नति ग्रस्थायी तौर पर है भौर उच्च न्यायालय/ उच्चतम न्यायालय के विचाराधीन मामलों के भ्रन्तिम निर्णय के शर्तपर है भ्रौर उनके वरिष्ठ कर्मभारियों केदावों को पक्षपात किये बिना है।

> पी० नारायण मृति वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) प्रथम, उसर प्रदेश इलाहाबाद, विनांक 10 प्रगस्त 1987

सं० प्रशा० II-144/ ग्रधि०/1818—महालेखाकार (लेखा एवं हकवारी) प्रथम, उ० प्र० इलाहाबाद ने निम्नलिखित ग्रनभाग अधिकारियों को उनके नाम के सम्मुख ग्रक्ति तिथियों से ग्रागामी आवेश पर्यन्त इस कार्यालय में स्थानापन्न लेखा ग्रिकारी के पद पर रू० 2375-75-3200 द० रो०-100-3500 वेतनमान पर नियुक्त किया है:—
सर्वेश्री

1. प्रभु नाथ विपाठी

22-07-1987 (पूर्वाह्र)

2. बेजन राम

3-8 1987 (भ्रपराह्न)

सं प्रशा ा 11-144/प्रधि । 1818—निम्नलिखित स्थायी लेखा प्रधिकारी, कार्यालय महालेखाकार (लेखा एवं हकवारी, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद, प्रधिवर्षता की प्रायु प्राप्त कर लेने पर उनके नाम के सम्मुख प्रंकित तिथि से सेवा निवृत्त हो गये हैं।

1. मोहम्मद फ़ाजिल अन्सारी

31-7-1987 (भ्रपराश्च)

सं प्रशा ा II-144/प्रधि । 1818— निम्नलिखित लेखा प्रधिकारी, कार्यालय महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद उनके नामों के सम्मुख श्रृंकित तिथि से विवंगत हो गये हैं।

श्री बदी प्रसाद शुक्ला श्री भन्दुश सलाम

7~6-1987

18-7-1987

एस० बी० पिल्ली

वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रणासन)

कार्यालय निवेशक लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं,

नई दिल्ली-110001, दिनांक 4 प्रगस्त 1987

सं 394/ए० प्रशासन/5/87—निदेशक लेखापरीक्षा रक्षा सेवाएं, नई दिल्ली निम्नलिखित वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक, ग्रुप, ''गं' ग्रराजपत्रित को उनके सामने ग्रंकित तिथि से अग्ले ग्रादेश तक ग्रुप ''खं' राजपत्रित के रूप में, सहर्ष नियुक्त करते हैं:—

फम सं०	नाम एवं पदनाम	ा कार्यालय जहां नियुक्ति की गई है	ग्रुप ''ग'' श्राराज- पद्मित की नियुक्ति तिथि	ग्रुप "ख" राजपनित की नियुक्ति तिथि
1	2	3	4	5
सर्वश	नी एस० एन० इ०० ब्रुट वै० स०		13-11-86 श्रपराह्म	4-7-87

कलकसा ।

1 2		3	4
2. एस० के० बोस व० वै० स०	निदेशक लेखा परीक्षा (वायु नौ सेना) नई दिल्ली।	13-11-86	4-7-87
3. रविषत्ता, विष्यै०स०	निदेशक लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं, नई दिल्ली।	वही	य ही

विनांक 10 भगस्त 1987

सं 1634/ ए० प्रणा०/130/86---श्री पी० भास्करन श्रस्थायी सहायक लेखा परीक्षा श्रधिकारी रक्षा सेवाएं दिनांक 23-6-1987 (पूर्वाह्न) को स्वेच्छा में सेवा निवृत हो गए। के० के० शर्मा उप निदेशक लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं, नई दिल्ली

रक्षा मंत्रालय भारतीय <mark>भार्डन</mark>ैन्स फैक्ट्रीया सेवा श्रार्डनैन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकता-1, विनांक 5 भगस्त 1987

सं० 20 /जी० /87—श्री एस० एन० दे० उप निवेशक, श्रो० ई० एफ० समूह मुख्यालय, कानपुर (मौलिक एवं स्थायी सहायक प्रबन्धक) दिनांक 30 जून, 1987 (भ्रपराह्म) से स्वेच्छापूर्वक सेवा निवृत्त हुए। तदानुसार उनका नाम दिनांक 1-7-87/प्रातः में भारतीय भ्रायुष्ठ निर्माणी सेवा से हटाया जाता है।

> एम० ए० <mark>ग्रलहन</mark> संयुक्त निदेशक/जी

वाणिष्य मन्द्रालय

मुख्य नियंद्रक, भ्रायात-निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, विनांक 7 भ्रगस्त 1987 भ्रायात एवं निर्यात क्यापार नियंद्रण (स्थापना)

सं० 6/850/68-प्रशा० (राजपन्नित)/6329--सेवा निवृत्ति की भाय होने पर श्री एस० एम० हल्दर, केन्द्रीय सचिवालय संवा के प्रवण वर्ग के स्थानापन्न श्रधिकारी भीर इस कार्यालय में संयुक्त मुख्य नियंत्रक, भायात-निर्यात, दिनांक 31 जुलाई, 1987 के श्रपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए है।

सं० 6/607/60-प्रशासन (राज०)/6344——सेवा निवृत्ति की मायु प्राप्त कर लेने पर, मुख्य नियंत्रक, मायात-निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में श्री एस० के० बत्ता, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, मायात-निर्यात (केन्द्रीय व्यापार सेवा के वर्ग 1) 30 जून, 1987 के भ्रपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

> शंकर चन्द उप मुख्य नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात कृते मुख्य नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात

वस्र मंत्रालय

वस्र म्रायुक्त का कार्यालय बम्बई-20, दिमांक 3 म्रगस्त 1987

सं० 37 (9) बी/87/स्था-I/3035—भारत के राष्ट्रपति श्री पी० ग्रार० सरकार को उप-निदेशक (ग्रतकनीकी) के रूप में दिनांक 17 जून, 1987 के पूर्वीह्म से अगले ग्रादेशों तक क्रम ग्रायुक्त के कार्याख्य, बस्बई में स्थानापन्न रूप से सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री सरकार दिनांक 17-6-87 से दो वर्ष की परिवीक्षा भवधि पर रहेगे। नियुक्ति करने वाले प्रधिकारी की इच्छा के अनुसार परिवीक्षा भवधि कम की/बढ़ाई जा सकती है।

ग्ररूण कुमार वस्न ग्रायुक्त

पूर्ति तथा निपटान महानिवेशालय (प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 10 अगस्त 1987

सं० ए-17011/99/76-प्र०-6—मुख्यालय के निरीक्षण स्कन्ध में स्थायी सहाँयक निरीक्षण प्रधिकारी (क्स्न) श्री बी० रूद्रा को 29 जुलाई, 1987 के प्रपराह्म से सेवा से निकाल दिया गया है।

> आर० पी० शाही उप-निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इंस्पात ग्रीर खान मंत्रालय (खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकला-700016,दिनांक 29 ग्रगस्त 1987

सं० 40418/ए. 19011 (1 एम० जे० बी०)/86-19 ए---राष्ट्रपति जी श्री मिरजा जाबेद बेग को भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ) के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 2200-75-2800 द० रो०-100-4000 रु० के वेतनमान के न्यूनतम वेतन पर, स्थानापश्च क्षमता में मागामी भादेण होने तक 1-3-1987 के पूर्वाह्म से नियुक्त कर रहे हैं।

दिनांक 30 जुलाई 1987

सं० 4070 बी/ए-19011(1-बी० के० एस०)/86-19ए-राष्ट्रपति जी श्री विजय कुमार साहूं को भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ) के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 2200-75-2800-व० रो०-100-4000 रु० के वेतनमाम के न्यूनतम वेतन पर, स्थानापन्न क्षमता में, श्रागामी भादेश होने तक 24-4-1987 के पूर्वाह्म से नियुक्त कर रहे हैं।

दिनांक 31 जुलाई 1987

सं० 4123 बी/ए०-19011 (1-के० बी० के०)/86-19ए — राष्ट्रपति जी श्री कमल बी० खलखो को भूवैज्ञानिक (किनिष्ठ) के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण मे 2200-75-2800-द० रो०-100-4000 र० के वेतनमान के न्यूनतम बेतन पर, स्थानापन्न क्षमता में, ग्रागामी ग्रादेश होने तक 24-3-87 के पूर्वाह्म से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 4167 बी/ए-19012(3-वी० के० एस०)/85-19बी—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक श्री वी० के० जोशी को सहायक रसायनक के पद पर उसी विभाग में वेतन नियमानुमार 2000-60-2300-द० रो० 75-3200-10-3500 र० के वेतनमान के वेतन पर अस्थायी क्षमता मे आगामी आदेश होने तक 1-5-87 के पूर्वाह्म से नियुक्त कर रहे हैं।

दिनांक 3 ग्रगस्त 1987

सं० 4179 बी/ए०-19012 (1-एन० के० एम०)/
86-19ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिवेशक श्री
नीरोज कुमार सरकार को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में
भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण मे 2000/- क० प्रांत माह
के प्रारंभिक वेतन पर 2000-60-2300-द० रो०-75-3200100-3500 रु० के वेतनमान के वेतन मे, स्थानापन्न क्षमता
मे, आगामी आवेश होने तक 22-5-1987 के पूर्वाह्न से
नियुक्त कर रहे हैं।

दिनांक 4 भ्रगस्त 1987

सं० 4268 बी/ए-19011 (1-पी० के० डी०)/86-19ए---राष्ट्रपति जी श्री प्रणांत कुमार वास को भूबैज्ञानिक (कनिष्ठ) के पद पर भारतीय भूबैज्ञानिक सर्वेक्षण में 2200-75-2800-द० रो०-100-4000 ६० के वेतनमान के न्यूनतम बेंतन पर स्थानापन्न क्षमता में श्रागामी श्रादेण होने तक 1-5-1987 के पूर्वाह्न से नियुक्त कर रहे हैं।

विनांक 12 ग्रगस्त 1987

स० 4450 बी/ए-32013 (3-रसा० वरि०) 84-19बी— राष्ट्रपति जी भारतीय भूवेज्ञानिक सर्वेक्षण के रसायनज्ञ (कनिष्ठ) डा० एन० के० राय को रसायनज्ञ (वरिष्ठ) के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 3000-4500 रु० के वेतनमान के वेतन पर, स्थानापन्न क्षमता में म्रागामी म्रादेश होने तक 26-5-87 के पूर्वाह्म से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 4463 वी/ए-19012(3 यू० सी० टी०)/85-19वी-भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वक्षण् के महानिदेशक, श्री उत्तम चन्द जैन को सहायक रसायनज्ञ के पद पर उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 2000-60 2300-द० रो० 75-3200-100-3500 ६० के वेतनमान के वेतन पर श्रस्थाई क्षमता में, श्रागामी श्रादेश होने तक 26-6-87 के पूर्वाह्म से नियुक्त कर रहे हैं।

> डी० के० गुप्ता उप महानिदेशक (कार्मिक) भारतीय भूवज्ञानिक सर्वेक्षण

भारतीय खान ब्यूरी

नागपुर, दिनांक 7 अगस्त 1987

ं सं० ए-19011 (323)/83-स्था० ए०-विभागीय पर्वोन्नित समिति की सिफ़ारिण पर, श्री बी० एस० मोरोने रसायनज्ञ की भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न रूप में विरिष्ठ रसायनज्ञ के पद पर दिनांक 17-7-1987 के पूर्वाह्म से पदोन्नित की गई।

पी० पी० वाबी प्रशासन श्रधिकारी भारतीय खान ब्यूरो कृते महानियन्त्रक

नागपुर, दिनांक 13 ग्रगस्त 1987

सं० ए-19011/280/76-स्था० ए०--विभागीय पदोन्नित समिति की सिफारिश पर, श्री एन० एन० देशकर किनष्ठ खनन भूविशानी की भारतीय खान ब्यूरो में, स्थानापन्न रूप में वरिष्ठ खनन भूविशानी के पद पर दिनांक 4 ग्रगस्त, 1987 के पूर्वाह्र से पदोन्नित की गई।

जी० सी० शर्मा सहायक प्रशासन घ्रधिकारी कृते महानियन्त्रक भारतीय खान ब्यूरी

स्वास्थ्य सेवा महानिवेशालय

नई दिल्ली, विनांक 7 जुलाई 1987

सं० ए० 19019/2/78-सी० जी० एच० एस०-I— सेवा निवृत्ति की ग्रायु हो जाने के फलस्वरूप डा० (कुमारी) राजमहरा ने 1 जून, 1987 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, इलाहाबाद के ग्रधीन होमियोपैधिक काय चिकित्सक के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।)

पी० एन० ठाकुर उप निदेशक प्रशासन (सी० जी० एच० एस०-1

नई विल्ली, विनांक 7 भगस्त 1987

स० ए० 12015/23/79-प्रशा०1/पी० एच०/(सी० डी० एल०)—इस कार्यालय के प्रधीन राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के क्षेत्रीय निदेशक (स्वास्थ्य एव परिवार कल्याण), ग्रहमदाबाद में कार्य कर रहे श्री एस० पी० श्रीवास्तवा, सहायक निदेशक (कीट विज्ञान) के सेवा निवृत्ति की ग्रायु हो जाने के फलस्वरूप 30 जून, 1987 के ग्रपराह्म से सरकारी सेवा से निवत हो गए हैं।

विनांक 11 प्रगस्त 1987

सं० ए० 31014/1/81-प्रशा०-2/प्रगा०-1/पी० एच० (सी० डी० एल०)--स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री ए० सी० जोहरी को 20 मार्च, 1976 से श्रविल भारतीय स्वास्थ्य एवं जनस्वास्थ्य संस्थान, कलकशा में श्रव्य एवं दृश्य प्रचार श्रविकारी के स्थायी पद के स्थान पर मूल रूप से सहर्ष नियुक्त कर दिया है।

श्रीमित जैस्सी फासिस उप निदेशक प्रशासन (पी० एच०)

क्रिषि मंत्रालय

क्रुषि तथा सहकारिता विभाग

बिस्तार निदेशालय

नई विल्ली, विनांक 31 जुलाई 1987

मि० सं० 5-45/87-स्थापना-I-विस्तार निदेशालय की विभागीय पदीन्नित समिति (ग्रुप "बी") की सिफ़ारिश पर श्री भरत सिह को सहायक प्रशासक प्रधिकारी, सामान्य केन्द्रीय सेवा ग्रुप "बी" (राजपित्रत) के स्थायी पद पर दिनांक 1 मई, 1986 से मूल रूप से नियुक्त किया जाता है।

म्रार० जी० बनर्जी निदेशक प्रशासन

भामा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400085, दिनांक 29 जुलाई 1987

संज्ञी ए० 79/(17)/84-म्रार—III/1673—— नियन्त्रक भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, स्थायी महायक कार्मिक म्रिधिकारी श्री प्रभाकर रामचन्द्र कीलंबेकर की जुलाई 21, 1987 के पूर्वाह्न से म्रागामी म्रादेश तक इस केन्द्र में इ० 2375—75—3200—द० रो०—100—3500 के बेतन क्रम पर प्रशासन म्रिधिकारी II के पद पर स्थानापन्न के रूप में नियुक्त करते हैं।

जे० राममूर्ति उपस्थापना श्रधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग क्रय घौर भंडार निवेशालय

बम्बई- 400085, दिनांक 31 जुलाई 1987

सं० कभिनि/41/3/85-प्रणा०/31462-इस निदेशालय की दिनांक 19 मार्च, 1987 की समसंख्यक अधिसूचना के कम में परमाणु ऊर्जा विभाग, कय भौर भड़ार निदेशालय के निदेशक ने अस्थाई लेखापाल (तदर्थ श्री जगन्नाथ गौपाल साठ को इसी निदेशालय में दिनांक 25-6-1987 (प्रपराह्न) तक रुपए 2000-60-2300-द० रो०-75-3200 के वेतनमान में सहायक लेखा अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप नियुक्त किया है। यह नियुक्त श्रीमती एस० एस७ क्लवी, सहायक लेखा अधिकारी के स्थान पर की गई है जिन्हें उक्त अविध तक छुटी प्रवान की गई है।

दिनाँक अगस्त 1987

सं० कभिनि/41/2/85—प्रशा०/4148—परमाणु ऊर्जा विभाग, क्रय ग्रीर भड़ार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी भंडारी श्री के० डी० ग्ररवारी को इसी निदेशक में दिनांक 06-05-1987 (पूर्वाह्न) से 26-06-1987 (ग्रपराह्न) तक रुपए 2000-60-2300-द० रो०-75-3200-100-3500 के वेतनमान में महायक भंडार ग्रधिकारी के पद पर तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन रूप से नियुक्त किया है। यह नियुक्त जीमती एली मैथ्यू सहायक भंडार ग्रधिकारी, के स्थान पर की गई है जिन्हें उक्त ग्रविध के लिए छुट्टी प्रदान की गई है।

दिनांक 5 ग्रगस्त 1987

सं० ऋभिनि०/सी-6/स्था०/87-प्रशा०/31566: निवर्तन की आप्रुप्राप्ति के फलस्वरूप इस निदेशालय के केन्द्रिय भड़ार एकक के सहायक अंडार ग्रिधकारी श्री आर० चोधरी दिनांक 31-7-1987 (श्रपनाह्र) की सरकारी सेवा से सेवा निवृत हो गए।

> सी० बी० गोपालकृष्णन प्रशासन भ्रधिकारी

बम्बई-400 085, दिनांक 12 अगस्त 1987

सं० क्रभिति०/12/(4)/84-प्रशा०/31687:—परमाणु ऊर्जी विभाग, क्रथ ग्रीर भंडार निदेशालय के निदेशक ने भारी पानी परियोजनाएं, बबई के लेखा ग्रिधकारी JI श्री एल० एच० इसरानी को दिनांक 1-1-1980 से सहायक लेखा ग्रिधकारी के स्थाई पद पर मूल रूप से नियुक्त किया है।

कय धौर भंडार निदेशालय में सहायक लेखा ग्रिधिकारी का उपलब्ध पद जिस पर श्री इसरानी की स्थाई रूप से नियुक्त किया है परमाणु ऊर्जा विभाग के केन्द्रित प्रशासनिक ग्रीर लेखा सवर्ग में शामिल है।

सं० कभिन | 41 | 9 | 85 प्रशा० | 31720 — परमाणु ऊर्जी विभाग, कय और भड़ार निवेशालय के निवेशक ने क्रय सहायक श्री एस० सी० गुहा ठाकुरता को इसी निवेशालय में दिनांक 1-6-87 (पूर्वाह्न) से 15-7-87 (ग्रपराष्ट्र) तक रुपए 2000-60-2300-द० रो० 75-3200-100-3500 के वितनमान से सहायक क्रय ग्रधिकारी के पद पर तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है। यह नियुक्ति श्री ग्रार० सामीनायन, सहायक क्रय ग्रधिकारी, के स्थान पर की गई है जिन्हें उक्त ग्रवधि के लिए छुट्टी प्रदान की गई है।

बी० जी० कुलकर्णी, प्रशासन ग्रधिकारी

इन्दिरा गांधी परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र कल्पाक्कम, दिनांक 29 जुलाई 1987

सं० इं० वार् पि प० अं० केन्द्र/ए०/31020/1/87 आर/1430 निदेशक, इन्दिरा गांधी परमाणु ध्रनुसधान केन्द्र, कल्पाक्कम जो परमाणु ऊर्जा विभाग के केन्द्रीकृत संवर्ग में लेखा ग्रधिकारी II के क्षेणी के एक ग्रधिकारी श्रीर उसी ग्रनुसंधान केन्न में श्रव लेखा ग्रधिकारी II के रूप में स्थानापन्न हैं श्री के० वी० कृष्णमूर्ती को उसी केन्न में 1 ग्रप्रैल, 1987 से लेखा ग्रधिकारी-II (ए० 2375-75-3200 व० रो० 100-3500) के पद पर मौलिकधारिमा पर नियुक्त करते हैं।

सं० इं० गां० प० अ० केन्द्र/ए० 31020/1/87-प्रार/
1431—निदेशक, इन्विरा गांधी परमाणु ध्रनुसंघान केन्द्र, कल्पाक्कम इस अनुसधान केन्द्र के एक स्थायी वरिष्ठ ध्राशुलिपिक और परमाणु ऊर्जा विभाग के केन्द्रीकृत संवर्ग मे
प्रमासनिक अधिकारी।।। के श्रेणी के एक अधिकारी जो
भारी पानी परियोजना, तल्चर मे अब प्रमासनिक अधिकारी
के रूप में स्थानापन्न है श्री ख्रार० नारायणन की इन्दिरा
गांधी परमाणु अनुसंधान केन्द्र मे 1 अक्तूबर, 1986 से
सहायक प्रमासनिक अधिकारी (रु० 2000-60-2300 द०
रो०-753200 के पद पर मौलिक धारिता पर नियुक्त
वरते है।

सं० इं० गां० प० घ० केन्द्र/ए०/31020/1/87-घार०/
1432—निवेशक, इन्दिरा गांधी परमाणु अनुसधान केन्द्र, कल्पाक्कम इस अनुसंधान केन्द्र के एक स्थायी वरिष्ठ आणुलिपिक और परमाणु ऊर्जा विभाग के केन्द्रीकृत सवर्ग में सहायक प्रगानिक अधिकारी/सहायक कार्मिक अधिकारी के अधिकारी के अधिकारी जो उसी अनुसंधान केन्द्र में ध्रिब सहायक प्रशासनिक अधिकारी के रूप में स्थानापन्न है श्री ए० सुव्यमण्यन को उसी केन्द्र में 1 अक्तूबर, 1986 से सहायक प्रशासनिक अधिकारी (उ० 2000-60-2300 द० रो० 75-3200) के पद पर मौलिक धारिता पर नियुष्त करते हैं।

पी० बेणुगोपालन, प्रशासनिक श्रीधकारी

म्रंतरिक्ष विभाग इसरो मुख्यालय

बंगलीर-560 009, दिनांक 30 जून 1987

मं० एष० क्यू० ए० डी० एम० एन० 12.25—सदस्य (कार्मिक), इसरो परिषद, इसरो उपग्रह केन्द्र बंगलीर में स्थानापन्न वैयक्तिक सहायक "क" श्री के० वैलायुद्धन की पदोन्नति पर सहीयक लेखा श्रीधकारी के पद पर इसरो मुख्यालय (एन० एन० श्रार० एम० एस०) में श्रप्रैल 12, 1985 के पूर्वाह्म से ग्रागामी श्रादेशों सक नियुक्त करते हैं।

म्रार०एस० सुन्नमणियन (प्रशासन मधिकारी II

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, विनांक 30 जुलाई 1987

सं० ए० 32013/4/87-स्था : — राष्ट्रपति निम्निसिति उड़ नयोग्यता ग्रधिकारियों को नीचे दिए गए स्टेशनों पर प्रत्येक के नाम के सामने दर्शायी गई तारीख से 10-8-87 तक ग्रथवा पदों के नियमित श्राधार पर भरे जाने पर, इनमें से जी भी पहले हो घरिष्ठ उड़ न योग्यता ग्रधिकारी के ग्रेड में सदर्थ ग्राधार पर नियुक्त करते हैं:—

ऋम नाम सर्वेश्री सं०	तैनाती स्टेशन	तवर्थ ग्राधार पर वरिष्ठ उड़नयोग्यता ग्रीधकारी के पद पर नियुक्ति की तारीख
1 2	3	4
1. प्रीतम सिंह	महानिद शक नागर विमानन का कार्यालय (मुख्यालय)	6-7-87

1	2	3	4
2.	——— जी०बी० शर्मा	दिल्ली	8-7-87
3.	के० एम० बालासुबर्मानयः	न मद्राम	10-7-87
4.	मंगी लाल	दिल्ली	7-7-87
5.	पी० बालाचन्द्रन	सिवेन्द्र म	10-7-87
6.	एस० एस० राय	भोपाल	10-7-87
7.	•	महामिद शक नागर विमानन का कार्यालय	9-7-87

एम० भट्टाचार्जी, उपनिवेशक प्रशासन

समाहर्तालय केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, मध्य प्रदेश इन्दौर, विनांक 17 जुलाई 1987

सं० 10/87—अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समृष्ट्र "ख" के पद पर पवीक्षत होने पर श्री एम० के० जैन, निरीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क में दि० 30-6-87 (पूर्वाह्न) को अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क रेंज-4 सागर का कार्यभाद ग्रहण किया।

> ना० राजा समाहर्ता

निर्माण महानिवेशालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई विल्ली-110011, दिनांक 13 नवम्बर 1986

सं० 14/67/83-ई० सी०-1--राष्ट्रपति के० लो० नि० वि० में स्थानापन्न श्री जी० पेरमल, अधीक्षक इंजीनियर (सिविल) को संघ राज्य क्षेत्र लक्षद्वीप में प्रतिनियुक्ति के आधार पर दिनांक 10-9-86 (पूर्वाह्न) से दो वर्ष के लिए रू० 1500-60-1800-100-2000 के वेतनमान में, अधीक्षक इंजीनियर के रूप में नियुक्त करते हैं।

2. संघ राज्य क्षेत्र लक्षद्वीप में श्री जी० पेरुमल का अधीक्षक इंजीनियर (सिविल) के रूप में वेतन वित्त मंत्रालय क्यय विभाग के समय-समय पर यथा संशोधित दिनांक 7-11-75 के सं० एफ० 1(2)ई-3(बी)/75 के प्रावधानों के अनुसार विनियमित होंगे।

पृथ्वीपाल सिंह, प्रशासन उपनिवेशक उद्योग तथा कम्पनी कार्य मंद्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय कम्पनी अधिनियम, 1956 और पान्ड्यिन चिट फण्डस प्राइवेट लिमिटेड के बिषय में। मद्रास, दिनांक 30 जुलाई 1987

सं० 5696/560(5)/87—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुमरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि पान्डियन चिट फण्डम प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज र्राजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और अमरावती श्री वैंकटेसा फाइनान्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 30 जुलाई 1987

सं० 9470/560(5)/87—कम्पनी अधिनियम, 1956 की घारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्- द्वारा सूचना दी जाती है कि अमरावती श्री वैकटेसा फाइनान्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और रुक्मणि टाकिज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में। मद्रास, दिनांक 30 जुलाई 1987

सं० 4259/560(5)/87—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतव्दारा सूचना दी जाती है कि रुक्मणि टाकिज प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और विलिबिलास सर्विस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में। मद्रास, दिनांक 30 जुलाई 1987

सं० 3850/560(5)/87—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि विलिविलास सर्विस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और राज्यम पिक्चर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में। मद्रास, दिनांक 30 जुलाई 1987

सं० 3515/560(5)/87— कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्- द्वारा सूचना दी जाती है कि राज्यम पिक्चर्स प्राइवेट लिमिटेड 2—226G1/87

का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और लक्ष्मी जिपसम प्रोडक्टस लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 5 अगस्त 1987

सं० 4926/560(5)/87—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुमरण में एतद्-द्वारा सूचना दी जाती है कि लक्ष्मी जिपसम प्रोडक्ट्स लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गयी है।

> टी० अमरनाथ, कम्पनियों का सहायक रुजिस्ट्र्यर तमिलनाडु

कार्यालय मुख्य आयुक्त (प्रशा०) उ० प्र० एवं आयकर आयुक्त

लखनऊ, दिनांक 4 अगस्त 1987

आयकर विभाग

सं० 22-ए०/85-4--- 1. श्री एस० सी० सक्सेना, आयकर निरीक्षक को आयकर अधिकारी (वर्ग ख) के पद पर आफि- सियेट करने के लिए ६० 2000-60-2300-ई० बी०- 75-3200-100-3500 के वेसनमान में पदोक्षत किया जाता है। पदोक्षति पर उन्होंने 26-3-87 के पूर्वाह्न में आयकर अधिकारी, एफ-बार्ड, इलाहाबाद का पद संभाला।

- 2. श्री भगवती प्रसाद कोरी, आयकर निरीक्षक, (अनुसूचित जाति) को आयकर अधिकारी (वर्ग ख) के पद पर
 आफिसियेट करने के लिए रु० 2000-60-2300-ई० बी०75-3200-100-3500 के वेतनमान में पदोन्नत किया
 जाता है। पदोन्नति पर उन्होंने दितांक 26-3-87 के पूर्वाह्म में
 कनिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि, आयकर अपीलीय अधिकरण का
 पद संभाला।
- 3. श्री ओम प्रकाश अग्रवाल, आयकर निरीक्षक को आयकर अधिकारी (वर्ग ख) के पद पर आफिसियेट करने के लिए रु० 2000-60-2300-ई० बी०-75-3200-100-3500 के वेतनमान में पदोन्नत किया जाता है। पदोन्नति पर उन्होंने दिनांक 26-2-87 के पूर्वाह्न में आयकर अधिकारी बाराबंकी का पद संभाला।
- 4. श्री डी॰ सी॰ गांगुली, आयकर निरीक्षक, को आयकर अधिकारी (वर्ग ख) के पद पर आफिसियेट करने के लिए रु॰ 2000-60-2300-ई॰ बी॰-75-3200-100-3500 के बेतनमान में पदोन्नत किया जाता है। पदोन्नति पर उन्होंने दिनांक 26-2-87 के अपराह्म में कर-वसूली, अधिकारी, इलाहाबाद का पद संभाला।

- 5. श्री रमेश भन्त्र गुप्त, आयकर निरीक्षक को आयकर अधिकारी (धर्ग ख) के पद पर आफिसियेट करने के लिए ए० 2000-60-2300-ई० बी०-75-3200-100-3500 के वेतनमान में पदोन्नत किया जाता है। पदोन्नति पर उन्होंने दिनांक 26-6-87 के पूर्वाह्न में कर -बसूली, अधिकारी, गोरख-पुर का पद संभाला।
- 6. श्री अवरार अली, आयकर निरीक्षक, को आयकर अधि-कारी (वर्ग ख) के पद पर आफिसियेट करने के लिए क० 2000-60-2300-ई० बी०-75-3200-100-3500 के वेतनमान में पदोन्नत किया जाता है। पदोन्नति पर उन्होंने दिनांक 9-6-87 के पूर्वाह्म में आयकर अधिकारी (लेखा परीक्षा) इलाहाबाद का पद संभाला।

7. श्री विष्णु वीर सिंह, आयकर निरीक्षक को आयकर अधिकारी (वर्ग ख) के पद पर आफिसियेट करने के लिए ए० 2000-60-2300-ई० बी०-75-3200-100-3500 के वेतनमान में पदोश्रत किया जाता है। पदोश्रति पर उन्होंने दिनांक 9-6-87 के पूर्वाह्म में आयकर अधिकारी (मर्वेक्षण) लखनऊ का पदभार संभाला।

धनेश चन्द्र शुक्ल, मुख्य आयुक्त (प्रशा०) उ० प्र० एवं आयकर आयुक्त, लखनऊ ! प्ररूप बाह्र .टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 श्रगस्त, 1987 र्स० श्राई०-3/37-ईई/43558/86-87:-- श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयक र अभिनाम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उन्नत अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 5,00,000/- रुपये से अभिक है

श्रीर जिसकी संख्या प्लाट जो 6 इमारतों के साथ जिसका सी० एस० नं० 465/465 (1 से 30), खोत रोड, मांइप, बम्बई में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-12-1987।

को पूर्योक्स सम्मिरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त सम्मिरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिलिखत वस्तियिक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बेचने में सूविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

ा श्रीपृथ्वी राज खुरामा।

(ग्रन्तरक)

2. मैसर्स तोलाराम एण्ड कम्पनी।

(धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितजबुध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकोंगे।

स्यब्दीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

प्लाट जो 6 इमारतों के साथ जिसका सी० एस० नं० 465/465 (1 स 30), खोत रोड, भांडूप, जम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं० ग्रई-3/37ईई/43855/86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिसांक 1-121986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 3 विस्वई

अतः जयः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, में उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिक्यों, अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिक्यों, अधीन,

विनांक: 10-8-1987

प्ररूप आहर्र. टी. एन. एस.-----

अग्य कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन स्मृचना

भारत सरकार

कार्यालथ सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 3 अस्बई

बम्बई, दिनांक 10 श्रगस्त, 1987 सं० श्रई-3/37ईई/43993/86-87:— स्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

अग्रयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या खुला जमीन का हिस्सा, जिसका नं 109 हिस्सा नं 1, सी एम नं 465, 465(1 से 30), जो 6 स्ट्रक्चर्स के साथ, जिसका म्युनिसिपल बार्ड एस 31 3196 (58 डी) (एस 3197) (58 जो) एस 3199(1), 58 एफ एस 3198, (58 जो), एस 3200 (58 एफ) ग्रौर एस 3199(3) (58 एफ वी) जो भांडूप, बम्बई में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध ग्रमुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-12-86।

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, 'प्रक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्री पृथ्वी राज खुराना

(भन्तरक)

2. मैसर्स तोता राम एण्ड कम्पनी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

अनुसूची

खुला जमीन का हिस्सा जो भांडप में, जिसका नं 109, हिस्सा नं 1, सी० एस० नं 465 और 465 (1 से 30), जो 6 स्ट्रश्चर्स के साथ, जिसका म्योनिस्पिल वार्ड नं एस०—3196(58 डी) एस—3197 (58 जी) एस—3199(1), (58 एफ०, एस०— 3198 (58 जी), एस००—3200(58 एफ०), और 3199(3), (58 एफ० बी), बम्बई में स्थित है।

प्रनुसूची जैसा कि क सं० प्रई-3/37ईई/43993/86-87 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजीन रेंज 3 बिस्ब

दिनांक * 10-8-1987

प्रकप **वार्ड**्टो .एन .एव

जायकर अभिनियन, 1961 (1961 का 43) नहीं भाडा भारा 269-न (1) में अभीन कुला

sta som

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 ग्रगस्त, 1987 र्स० अई-3/37ईई/43862/86-87:--- श्रत: मुझे, ए० प्रसाध,

बायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 व के सभीन सकम प्राधिकारी को वह विस्थाद करने का गरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधिक बाधार कृष्ण 5,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैट र्न 503, सुन्दरम विंग, 5वीं, मंजिल, सत्यम शिवम सुन्दरम इमारत, एम० जी० रोड बाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है श्रीर उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विंगत है। श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-12-86।

को पूर्वोक्त संपत्ति के अविक बाजार मृत्य से कम के क्यामान प्रतिकल के लिए बन्तरित की गई है और मृत्ये यह दिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का जीवत बाजापु मृत्य,, असके दश्यभाग प्रतिकल से, देंचे दश्यमान प्रतिकल स्थ पन्यह प्रतिकत से जिथक है और बन्तरक (बन्कप्रका) और बन्तरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के जिए अस बाया नया प्रतिकल, निम्नीतिक अस्त्यक्त से क्ष्यक अन्तकुष्

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाग की बाबस, सक्त विशिव्यक्ष की क्रीन क्या दोने की स्वासक की रामित्व में कभी करने ना सबसे क्याने में बुव्यिश को लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों कां, चिन्हें शारतीय आव-कर निधिनियम, 1922 (1922 को 11) वा अनत निधिनियम, वा चन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगभाग बन्तरिती ब्वारा प्रकृष्ट नृष्टी किया नवा धा वा किया थाया पाहिए था, कियाने में सुनुष्या के सिए।

कतः **सध, उक्त करिधानियम की धारा 269-न के बन्धरन** में, मैं, उक्त अधिनियम की आचा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निस्नसि**श्चित व्यक्तियों**, अर्थातु ।;—→ 1. मैससें तिरूपति इण्टरप्राइजेस।

(ग्रन्तरक)

2. मैसर्स सरल इन्टरप्राइसेस।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी सारके पूर्विक्स सुम्पीत के अर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हैं।

बन्ध बंदरित के वर्षन के दंबंध में कोई भी बार्बंध ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन की वनिथ मा तत्त्वंभी व्यक्तिनों दूर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, वो भी अवधि नाद में बमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में वे किसी व्यक्ति हुनारा;
- (क) इस सूचना के राजपम में प्रकाशन की शारीय वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवधूथ चिसी जन्म व्यक्ति इतारा व्योहस्ताकड़ी के पात विदित्त में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण्:---इसमें प्रयूक्त शब्दां और पदों का, को उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

पीलैंट नं० 503, सुन्दरम विग, 5 वीं मंजिल, सत्यम शिवम सुन्दरम इमारत, एम० जी० रोड, घाट कोर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं श्र श्र $\frac{2}{3}$ $\frac{378}{2}$ $\frac{1}{43862}$ $\frac{1}{86-87}$ श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंज 3 बम्बई

विनांक: 10-8-1987

क्ष्मण बार्च हो . एन . एव 🔑 🛩------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

माउन सञ्चलर

क(यांखय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण)

भार्जन रेंज-3, बस्बई बम्बई, दिनांक 10 श्रगस्त, 1987 सं० भई-3/37ईई/43871/86-87:-- अतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसके प्रवात 'उक्त अधिनियम' कहा बया हैं), की भाषा 269-त के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उद्वित बाजार मुख्य 5,00,000/r रु. से अधिक हैं

स्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं० 1077 ए (निग पार्ट स्नाफ प्लाट नं० 1077) एस० नं० 1000, बाना परदुमन सिंह कास रोड, 4 श्रीर 5, मुलुण्ड (प), बम्बई-80 में स्थित है श्रीर इसस उपाबद स्नुसूची कुमें श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-12-1986।

को नुवांकत सम्पत्ति के जीवत बाबार मूल्य से कन के बस्यकार हीतकत के लिए अंतरित की गई है जीर मुक्ते यह विश्वास अरले का कारण है कि वशापुर्वोचित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसं दरममान प्रतिफल के स्वाह प्रतिकात से अधिक है बौड़ बन्तरक (बन्तरका) बौड़े अंतरिती (अंतरितिका) के बौच एसे बन्तरण के बिए सब पावा बमा प्रतिफल, निम्निजितित उद्दोस्य से उक्त जन्तरण लिख्य में बास्तरिक कर से कथित वहाँ किया क्या है ——

- [का] बन्तरण सं हुई किसी बाव की वावस, उक्स शीधीनमम के सभीन कर दोने के बन्तरक के बाधित्य में कमी करने या उससे वचन में कृष्णिक के डिल्प, बार/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अभिनियम या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

क्तः वंद, उक्त विभिनियम् की धारा 269-व के बन्तरण भें, में, उक्त विधिनियम् की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, विक्तिविक्त व्यक्तियों, वर्धातः :—

- 1. इन्दर भीर, सरवार अतर सिंह की पत्नी (अन्तरक)
- 2. शांति बिल्डर्स

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाय;
- (क) इस स्वाग के रावपंत्र में प्रकाशन की तरिक के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितवबुध किनी अन्य स्थक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिक्षित में किन वा सकरेंग।

स्वव्यक्तिरणः ---इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उच्छ विभिन्न के बध्याय 20-क में परिभावित हैं वहीं वर्ष होना को उस बध्याय में दिया क्या हैं।

ननुसूची

प्लाट नं० 1077 ए, (विद्यंग पार्ट भ्राफ प्लाट नं० 1077), एस० नं० 1000, बावा परदुमन सिंह कास रोड नं० 4, श्रोर 5, मुलुण्ड (प), बम्बई यमें [स्थित है। भ्रानुसूची जैसा कि का सं० श्रई—3/37ईई/43871/ 86—87 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1—12—1986 को रजिस्टर्ग किया गया हैऽ

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, 3, बम्बई

बिलांक : 10-8-1987

मोहरः

प्रकप आहु .टी.एन.एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजंतरेज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 10 ग्रगस्त, 1987

निदेश सं० श्रई-3/37ईई 43942/86-87- श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाबार मून्य 5,00,000/-रः. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० प्लाट जिसका सर्वे न० 24, हिस्सा नं० 2, सी०टी०एस० न० 80, मालवणी मनोरी भौर एरंगल विलेज, बोरविली तालुका, बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुषी में भीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), भीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं। तारीख 1-12-86

को प्रविक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के क्रममान प्रतिफस को हिए बन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा प्रविक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और बंतरिती (अंतरिहें बनें) के बीच एसे अन्तरण के तिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्मलिबित छुद्देश्य से सक्त कम्तरण निष्टित में वास्तविक क्ये से क्रयम वहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से शुर्भ किसी नाथ का वावस , सक्स निधानियम के अभीन कर वाने के नन्तरक के सामित्व में कारी करने मा उससे कचने में स्विधा के सिए; और/सा
- (श) ऐसी किसी नाय या किसी धन वा अन्य नारिस्थां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गमा धा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिह;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निस्निसित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री भास्कर रामणी पाटिल।

(प्रन्तरक)

(2) मेसर्स ईम्ट एण्ड वंस्ट बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना वारी करफे पूर्वोक्त सम्पत्त के अर्चन के जिल्ल कार्यवाहियां सूक्त करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोड़ भी आधीर ध---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी क्योतियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीक से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्तबबुध किसी अन्य व्यक्ति बुवारा क्यांहस्ताक्षरी के पाक लिखित में किए जा सकींगे।

स्पथ्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को अक्त विभिनियम, के बध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं वर्ष हत्रेगा वो उस वध्याय में दिया वया है।

जन्**स्**ची

प्लाट जिसका सर्वे नं० 24, हिस्सा न० 2, सी०टी०एस० नं० 80, मालवाणी, मनोरी श्रीर एरंगल विलेज, बोरविसी तालुका, बस्बई में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-3-37ईई 43942/86-87 ग्रीर जी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनकि 1-12-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, अस्मई

तारीखा: 10-8-1987

गोहर:

प्रकप बाहाँ, टी. एन. एस. -----

कामकर व्यक्तियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकर (निरीक्षण)

म्रर्जनरें ज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 ग्रगस्त, 1987

निदेश स० ग्रर्थ-3/37ईई143987/86-87—ग्रतः गुझे, ए॰ प्रसाद,

बायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्परित जिसका उचित्र वाबार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी स० सी० टी० एस० न० 1297 भीर सी०टी० एस० नं० 1420, जी विलेज एरांगल, मालाड (प), बम्बई में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित है), भ्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 1-12-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार म्ल से कम के इक्यमान प्रतिफल के सिए अंतरित की गई है और मूझे यह विक्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, स्तर्के इक्यमान प्रतिफल से, एसे इक्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बन्तरण के तिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत सब्देश्य से उच्त अन्तरण लिचित में बास्तविक रूप से कथिय नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरुण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-अधि^कतयम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसे किसी बाय या किसी धन या अन्त आस्थिको को, जिन्हों भारतीय आय-कर विधिवयम, 1922 (1922 का 11) या उन्नतं अधिवियम, या धन-कर विधिवयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

कतः व्यव, उपत विधिनियम, की भारा 269-न के बन्सरक में, भें, उपत विधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के के अभीन : निम्नलिकित व्यक्तियों, अभीत् :--- (1) श्रीमति अनुसुया मकड छत्रपति ।

(ग्रन्तरक(

(2) पिकासो प्रापरटीज शा० लि०।

(ग्रन्तरिती)

को यह तुमना चारी करके पृथींक्त सम्मरित के अर्थन थे ।सए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उन्त सम्परित के वर्णन के संबंध में कोई भी बाबोर ह---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृजना की तामीस से 30 दिन की अविध, को भी वक्षि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों के से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीज है 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी बन्य व्यक्ति ध्वारा जभोहस्ताक्षरी के गास जिल्ला को किस का क्योंने।

स्वकाकरण : इसमें प्रयुक्त कम्यों और पयों का, को उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिवा बना हैं ॥

अग्राची

सम्पत्ति जिसका सी० टी० एस० नं० 1397 शौर सी०टी० एस० नं० 1420, जो विलेज एरांगल, मालाड(प), बम्बई में स्थित है।

धनुसूकी जैसा कि अ० सं० श्रई-3-37ईई 43987/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रें ज-3, बस्सई

तारीख: 10-8-1987

प्रकृत होतु हो हुन् हुन् हुन् हुन्

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के अधीन सूचनः

नारत चरकार

कार्यानय, सहायक बायकर बावुषत (निर्धालक) श्रजन रेंज-3, बस्बई

बम्बई, दिनांक 10 ग्रगस्त 1987

निदेश स॰ अर्ड-3-37ईई/43989/86-87--- प्रतः मृझे, ए॰ प्रसाद,

जावकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परनात् 'उनत अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका स्वित बाबार मुख्य 5,00,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० णेड नं० एच० तल माला, इमारत नं० 1, माईनाथ प्रिमायसेस को०-श्राप० हाउमिंग सोमाइटी लि०, बाबा-साहेब कोटकर रोड, गोरेगांव (प), बम्बई-63 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्णक्प से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रिधीन, बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। लारीख 1-12-1986

की पूर्वोक्त सम्मत्ति के उत्तित बाबार मूल्य से कम के उत्तयमान प्रतिकल के लिए मंतरित की गई है और मून्ने यह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उत्तित वाजार बून्य, शसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का मन्त्रक प्रतिकल का मन्त्रक प्रतिकल के विश्वास है बार अंतरक (जंतरकों) और बंतरियों (जंतरियों) के बीच एसे अन्तरक के तिए तय गाया गया प्रति-विक रूप से कथित नहीं किया गया है है——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (भ) एंसी किसी बाय या किसी धन या कथ्य बास्तियों को, विनद्दें भारतीय नायकर विधिनयन, 1922 (1922 का 11) या उनत विधिनयन, या धन-रात विधिनयम, या धन-रात विधिनयम, 1057 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था ना किया वाना धाडिए था, किया में मुख्या के लिए;

(1) श्री हिम्मत लाल शह ।

(भ्रन्तरक)

(2) मुक्रुटप्लास्टिक्स प्रा० लि०।

(भन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपरिस के अर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रियां करता हूं।

इक्द क्रमरित के वर्धन के तस्वरूप में कोई भी वाली अ--

- (क) इस त्वना की रावपकृषे अकावन की बार्डीय के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर ब्यना की तामीन से 30 दिन की नविध्व को बी व्यक्तियों में के किसी व्यक्ति ब्याया;
- (ल) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति च्नारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इतमें प्रकृत्य कथी वीष्ट वर्षों का , जो उपक वीष्टितमा के वध्याय 20-क में परिशाविष हाँ वहीं वर्ष होगा को उस वध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

शंड नं ० एच ० जो तल माला, इसारत नं ० , साईनाय प्रिमाय-सेस, को ०--ग्राप० हाउमिंग सोसाइटी ्लि ०, बाबासाहै ब कोटकर रोड, गोरेगांव (पू०), बम्बर्ड-63 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि कि॰ स॰ श्रई-3/37ईई/43989/86-87 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रें¦ज-3, बम्बई ्

तारीख: 10-8-1987

गोहर:

1

स्थान सार्व_ा टौ_ा स्त_ा एव_{ं प्राप्ताः}

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

1894 -

कार्यासय, सहायक मायकर मायक्त (विरोक्तक) र् 📜 📆 अर्थन रें ज-3, सम्बर्ध

बम्बट्ट, दिनांक 10 ग्रगस्त 1987

निदेश स० मई-3/37ईई/44000 86-87--- मतः मुझे, ए० प्रसाद.

वर्षम्बर मिथिनवस्, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसमें प्रमान्त् (जनत मिथिनयम) कहा गया है), की धारा 269-व के अभीन तक्षाम प्राधिकारी को यह किरवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 5,00,000//- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० खुला जमीन का हिस्सा, जिसका सी०टी०एस० नं० 23, 24, 25, 27, 28, 33, 34, 35, 36 श्रोर 37, भूलूड (स नं० 21, हिस्सा नं० 4) (श्रंश), गवाणपाडा, मुलूड (पूर्व), बम्बई में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रोर पूर्णरूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रविनियम, 1961 की धारा 269एख के श्रवीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 1-12-1986

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुए जिली जाव की वावत, उक्त अधिनियम के अभीत कर योगे के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; ब्रॉर/था
- (क) एंसी किसी बाब या किसी वन का अध्य व्यक्तियों को, जिन्हों भारतीय जावकर विधिनवर्भ, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या भन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इतारा प्रकट नहीं किया गय था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविध से विद्या

श्रतः अब, उक्त अधिनियः की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, शर्यात् :—— (1) दामोदर पांडू वैती भौर भन्य।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स साईनाथ डिवलपर्स ।

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना वादी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन 🕏 लिए कार्यवाहियां करता हो।

ब बस संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बार्क्स ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (व)। इस स्थान के राजपन के प्रकाशन की सार्टींबा से 45 दिन के नीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हिस्टबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अभोइस्ताशरी के पास विकार में किए वा सकोंगे।

रक्का कि रण:---इसमें प्रयुक्त सक्यों और पत्नों का., जो उनक निधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित यही अर्थ होगा, जो उस सध्याय में विया पत्ना है।

वन्सूर्यो

खुला जमीन का हिस्सा जिसका सी० टी० एस० नं० 23, 24, 25, 27, 28, 33, 34, 35, 36 श्रीर 37, मुलूड सर्वे नं० 21, हिस्सा नं० 4 (ग्रन्थ), गवाणपाडा, मुलूंड (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

भ्रानुसूची जैसा कि क० सं० भई-3/37ईई/44000/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–3, दम्बई

तारीख: 10-8-1987

प्ररूप वार्षः टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- थ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (विरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांकः 10 अगस्त, 1987 निदेश सं० ग्रई-3/37ईई/44002/86-87—ग्रत. मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० खुला जमीन का हिस्मा जो, पार्वसी विला को-कीला काटेज श्रीर स्विता सदन इमारत श्रीर स्ट्रक्चर्स के साथ, जिसका सी० टं१० एम० नं० 361 श्रीर 361/1 मे 13, एफ० पी० न० 18-सी, सुभाप लेन, मालाड (पूर्व), बम्बई-97 में स्थित है (श्रीर इपसे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप में वर्णित है), श्रीर जिपका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कष्ट के श्रधीन, बम्बई स्थित रक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-12-1986

प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से ऐसे दश्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अनिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित मे वासविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण संहुई किसी बाय की बाबत, उपत नियम के अधीन कर दोने के जंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे जचने में सृविधा के लिए; अपर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया एया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनुसरक में, मैं, उचत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री डी० ग्रार० पारीख श्रौर ग्रन्य।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स मोनिका कन्स्ट्रमगन्त ।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पृत्रांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंग में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाबन की तारीस सं 5 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर ृचना की तामील से 30 बिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद्भा किसी अन्य अधिकत द्शारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उन्नरः अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय म दिया गया है।

अनुस्पी

खुता जमीन का हिस्सा, जो, पार्वती विला, कोकीला काटेज भीर पवित सदन इमारत भीर स्ट्रक्चर्स के साथ जिसकी सी० टी० एस० न० 361 भीर 361/1से 13, एफ०पी० नं० 18-वी, मुभाष लेन, मालाड (पूर्व), बम्बई-97 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रर्ड-3-37ईई-44002/86-87 श्रौर जो सक्षम प्राज्ञिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रयाद सहायक श्रायकर श्रायुक्त (बिरीक्षण) श्रर्जनरंज-3, त्रस्वई

तारीख: 10-8-1987

नोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेग-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 ग्रगस्त, 1976

निवेक्कश सं अर्थ / 7ईई / 4403 / 86-87— अतः मुझे आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रह. से अधिक है

मौर जिसकी सं० खुल जगीन का हिस्सा जिसका खोटस प्रा० सर्वे सं० 68, प्लाट नं० 1न (ग्रंश), ध्हिलेज कांजूर, जो कांजूर मार्ग भांडूप तालुका, बस्बई-78 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करार-नामा भायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है तारीख 1-12-198

को पूर्वोंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के हरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल के पश्चाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में वास्तविक रूप मे किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिक में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मे, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात 🖫 — (1) रामप्रसाद गुप्ता श्रौर श्रन्य।

(भ्रन्तरक)

(2) बॉम्बे एसाय स्ट्रीट प्रा० लि०।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी त्य व्यक्ति व्वारा अथाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्भायिकरणः — इसमे प्रयाक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ते अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुमी

खुला जमीन का हिस्पा जिलका खोटसु प्रा० लि० भर्वे न० 68, प्लाट नं० 1 ग्रंग), व्हिले कांजूर, कांजूर मार्ग, भांडूप तालुका, बम्बई-78 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० स० ई-3/37ईई/44005/86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–3, बम्बई

तारी**ख**: 10-8-1987

1

बारव सुरकता

भावनित्र , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्तन) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

बम्बई दिनांक 10 अगस्त, 1987

निर्देश सं० प्रई-3/37ईई/44008/86-87-- ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

भावकर भीभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अभीन सभाम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, 5,00,000/- रा से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं तल माले का जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे नं 0 18, हिस्सा नं 0 6 ग्रंश), सर्वे नं 0 61, हिस्सा नं 0 5 (श्रंश) सर्वे गठ 0 18 हिस्सा नं 0 8 श्रंश) श्रौर जिसका सी 0 टी 0 एस 0 नं 0 667 श्रंश), जो विलेज मोहीली, एम 0 वसनजी रीड, साकी नाका, सफेद पुल के पास, बम्बई—72 में स्थित है (श्रौर इसमे उपा-बद्ध श्रनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्स्री है। तारीख 1—12—1986

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंचह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिकिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा अक्टिंग्य; और्दरवा
- (व) ऐसी किसी जाय या किसी घन या काय जारिसायों की, जिम्हें आरटीय नाय-कड़ न्हिन्त्य, 1922 (1922 का 11) या अन्य विधिन्त्य, या धन-कर विधिन्त्य, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ वन्सहिरती द्वारा प्रकट महीं किया नवर या या किया वाना लाहिए था, कियाने में सुन्धा है सिए;

अद: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) स्वस्तिका एम्रर सिस्टम्स प्रा० लि० ।

(भ्रन्तरक)

(2) एश्नॉर लि॰।

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूचाँकत कम्प्रीत्त के अर्थन के लियू कार्यनाहियां करता हों।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजयत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अवधि या तत्सवेधी व्यक्तियों प्रा कृषणा की तासी व के 30 दिन की अवधि, वा भी, ववधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (क) इक् सूच्ना के ट्राव्यम के प्रकासन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवब्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाड सिचित के किस का ककेंगे।

स्पद्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जा उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जा इस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रची

तल माले का जमीन का हिस्पा जिपका सर्वे नं० 18, हिस्मा नं० 6 (श्रंग), सर्वे नं० 61, हिस्मा नं० 5ए (श्रग), सर्वे न्० 18, हिस्सा नं० 8 (श्रंग), श्रौर जिसका सी० टी० एस० नं० 667, (श्रंग), सफेद पुल के पास, मोहीली विलेज, एम० वसनजी रोड, साकी नाका, बम्बई – 72 मे स्थित है।

श्रनुसूची जैंपाकि कि० सं० श्रई-3/37-ईई/44008/86-87 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई ब्रारा दिनांक 1-12-1986 को रजिटर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–३, बस्बर्ष

तारीख: 10-8-1987

मुक्त कार्य व थी. एत व प्रश्न प्रमान स्मान

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 स्त 43) की भूगरा 269-म (1) के मधीन क्यन।

सायक सङ्ख्यात

कार्यानम्, सहायक नायकर नायुक्त (निर्द्रोक्षण)

भ्रजीन रेंज-3, बम्बर्ड बम्बई, दिनांक 10 श्रगस्त, 1987 निदेश सं० भ्रई-3/37ईई4/4009/86-87-- ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इक्के परवाद 'उक्त विधिनियम' कहा बया हैं), की भारा 269-च के बभीन सक्तम प्राधिकारी को, यह क़िस्वास करने का अर्थन हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका जिन्त बाबार मृख्य 5,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० तल माले का हिस्सा, प्लाट जिसका सी०टी०एस० नं० 667 श्रंग), सफेद पुल के पास, मोहीली विलेज, एम० वसनजी रोड, साकी नाका, बम्बई-72, सर्वे नं० 18, एच० नं० 6 (ग्रंग), सर्वे नं० 61, एच० नं० 5ए (ग्रंग), सर्वे नं० 18, एच० नं० 8 (श्रंग), में स्थित है (ग्रार इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-12-1986

का पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान शितफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विद्यास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान शितफल से एसे रहयमान शितफल का पंजह शितज़ित से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पामा गया शितफल, निम्नुविश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबिक कुए में कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बायत उक्त अधि-नियम के अधींन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कसी करने या उत्तसे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ण) ध्रेसी किसी भाग या किसी थग या जन्य गास्तियाँ को जिन्हें भारतीय नाय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या थन-कर विभिनयम, 1957 (1957 का 27) क श्रमोणनार्थ अन्तरिती व्यास प्रकट नहीं किया गया भा या किसा चना चाहिए था, कियाने में सुविभा के हिए;

वरा वर्ष, उनत अधिनियम की धारा 269-ग की बनुसरक कों, मीं., उनत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिसिस व्यक्तियों, अर्थास् :--- (1) स्वास्तिका एयर सिस्टमस प्रा० लि०।

(भन्तरक)

(2) एन०भार० फार्मास्युटीकल्स लि०।

(भ्रन्तरिती)

का वह शूचना वारी करके पूर्वोक्त समिति के अवंत के सिध कार्यवाहियां करता क्ष्मों ।

बक्क संपन्ति औं लक्षति भी बोर्बन तो कोई भी बाबने 🐎

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन की सबीच या तत्त्रम्बन्धी समित्रमाँ वद स्वान की तामीस से 30 दिन की सबीच, जो भी नविध नाद में समाप्त होती हो के भीदन पृत्रीक्त. व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (क) इस सूत्रना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थादर संपत्ति में हितकक्ष किसी क्रन्य व्यक्ति के प्रकार अधिहस्साक्षरी के प्रकार खिलाख में किए का सकति।

स्थव्यक्रीक्ष्रणः --- इसमें प्रसृक्त शब्दों और पदों का, क्रंडकत असक्तर स्वीभिनयम क्रंड कथ्याय 20- के में परिशाधिक ही, वहीं अर्थ होगा जो उस मध्याय में विद्या वया हो।

अमृस्ची

तल माले का हिस्सा, जमीन का जिस्सा, जिसका सी०टी • एस० नं० 667 (श्रंण), सर्वे नं० 18, हिस्सा न० 6 (श्रंण), सर्वे नं० 18, हिस्सा न० 5ए (श्रंण), सर्वे नं० 18, हिस्सा न० 8(श्रंण), सफोद पूल के पाम, मोहीली विड्लोज, एम० बजनर्जा रोड, साकी नाका वस्बई—72 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० नं० भ्रार्थ-3/37ईई/44009/86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-12-86 को रिजस्टर्फ किया गया है।

ए० प्रसाध सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्ष) ग्रर्जन रेंज∼3, धम्बई

तारीख: 10-8-1987

ung ang aliganana

वायकर विभिनियम्। (1961 (1961 का 43)) की भारा 269-व (1) के अभीत सुप्ता

भारत बहुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निशिक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विनांक 10 ग्रगस्त, 1987

निवेश सं० ग्रई-3/37ईई/44014/86-87-- भ्रतः मुक्ते, ए० प्रसाद,

कासकर विधिनियम, 1964 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियमं कहा क्या हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चि वाबार मृत्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं ल सम्पत्ति, प्लाट जिसका सी ल टी ल एस ल नं ल 79, 80 भौर 81, डोमिनिक कालोनी रोड नं ल 1, विलेज वालनाय मालाड (प), बम्बई – 64 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप विजित है), श्रौर जिनका करारनामा भ्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कला के भ्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारील 1-12-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण स हुई किसी आग की बानत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/गा
- (क) एसी किसी बाव या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निवा;

जतः अत्र उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन. निस्नीलिखत व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) दत्तानी कन्स्ट्रक्शन्स ।

(ग्रन्तरक)

(2) शांती इन्बेस्टमेंट ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुजना जारी करके पूर्वोक्त स्व्यक्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभ या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, को भी जबिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में किसी व्यक्ति बुदारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी बन्द व्यक्ति व्वारा नशोहस्ताक्षरी में पास सिवित में किए वा सकेंगे।

स्वाधिकरणः -- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, को जनत अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गना है।

अनुस्ची

सम्पत्ति, प्लाट जिसका सी० टी० एस० नं० 79, 80 घीर 81, डोमनिक कालोनी रोड नं० 1, विलेज वालनाय, मालाड (प) बम्बई--64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-3/37ईई/44014/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-86 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरें ज-3, बस्बई

तारीख: 10→8-1987

प्ररूप आर्थः .टी.एनं.एस.------वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 लगस्त 1987

निदेश सं० अई--3/37ईई/44025/86-87-- अतः मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5.00.000/- रु. से अधिक है भीर जिसकी सं० प्रई-111/37-ईई/44025/86-87

भूमि जिसका सी० टी० एस० नं० 1235, प्लाट नं० बी-1 आउट आफ द प्रापर्टी दत्तगुरु को०-ध्राप० हाउसिंग मोसाइटी लि०, देवनार विलेज रोड, देवनार, जिसका सर्वे नं० भौर हिस्सा नं० नीचे दिया गया है। जो बंगला के माथ, बम्बई में स्थित है

	•	•	•
सर्वे नं ०	हिस्सा नं ०	सर्वे नं ०	हिस्सा न०
43		52	1 (ग्रंश)
43	4	52	11 (घंश)
43	5	52	12 (श्रंश)
52	16 (भ्रंग)	52	13
52	1 (म्रंश)	52	14(श्रंश)
114(ग्रम)		52	15
43	3	53	2
53	2 (भ्रंग)	52	7 (श्रंश)
52	4	112 (श्रंग)	
111(अंश)			

में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर मधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-12-1986

का पृथंक्त सम्पत्ति के उष्णित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इतके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का., जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ

अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, गैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधान, निम्नलिश्वित व्यक्तिकों, अर्थात्:—

- (1) श्रीमित गुलाबदेवी जगदम्बा प्रसाद शर्मा । (भ्रन्तरक)
- (2) श्री महेन्द्र रामत्वरुप सिंह। (श्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो और अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा संकोंगे।

स्पच्टीकरण: — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

नन्त्यी

संख्या ब्रई-111/37-ईई/44025/86-87 ।

भूमि जिसका सी० टी० एस० नं० 1235, प्लाट नं० बी-1, ग्राउट ग्राफ द प्रापर्टी दत्तगुरु को०-ग्राप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, देवनार विलेडज रोड, देवनार, जिसका सर्वे नं० भीर हिस्सा नं० नीचे दिया गया है। जो बंगला के साथ, बम्बई में स्थित है।

सर्वे नं ०	हिस्सा नं०	सर्वे नं ०	हिस्सा नं०
43	1 (भ्रंश)	52	1 (श्रंश)
43	4	52	11(भ्रंश)
43	5	52	12(भ्रंग)
52	16 (श्रंग)	52	13
53	1 (ग्रंग)	52	14(ग्रंश)
114(म्रंश)		52	15
43	3	53	2
52	2 (ग्रंश)	52	7 (भ्रंश)
52	4	112(प्रश)	
111 (श्रंग)			

श्रनुसूची जैसा कि कि में श्र $\xi-3/37\xi\xi/44025/86-87$ श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 10-8-1987

अक्ष बाह्युंडी. एन . एस्. ------

आयकर अधिनियम, 1964 (1961 का 43) की पारा 269 व्य (1) के अधीन सूचभा

HIST STAILS

कार्यक्षर, ब्हारक राजकर गावुक्त (निर्देशक)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बर्ध

बम्बई, दिनाक 10 ग्रगस्त, 1987

निदेश सं० श्रर्ह-3/37ईई/ 44035/86-87--- श्रतः मुझे, ए॰ प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के वधीन हक्षव प्राधिकारी को वह विक्याच करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 5,00,000/- रा. से अधिक ही

घौर जिसकी स० खुला जमीन का हिस्सा जो स्ट्रक्चर्स के साथ, सर्वे नं० 4, हिस्सा नं०-11, सी० टी० एम० वं० 40, विलेज वाल-नाय, मालाड (बम्बई) में स्थित है (ग्रौर इसमे उंपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-12-86 को पूर्वोकत संपरित को उचित बाजार मूल्य ते कम के उस्तमान प्रतिफाल के निए जन्तरित की गई है और मुक्के बहु विश्वास नुषी विश्वात करन कारण का वथा पूर्वोक्त संपरित का उचित वाजार मृत्य, उसके अध्वजान विकास से, एसे अवसान प्रतिकास का पल्डा प्रतिशव से अधिक 🜓 और बस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बस्तरण के बिए तब पामा गया प्रतिकास, निम्नोबिंबन **बहुदारेय से तक्त बन्तरण सिवत में बास्तविक रूप से कवित नहीं** किया नथा 🗗 ≌----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने को अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, विस्नीचित व्यक्तियों अर्थात् :—4—226GI/87

(1) जान हेन्रीज केवान हेन्रीज।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स मोहन कन्स्ट्रक्शनै।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्वपाहिष्यं करता हैं।

बक्त कम्मक्ति को मर्चन को सम्बन्ध में कोई भी बाजोब हु--

- (क) इस स्वा के राज्यम में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की अवधि या तत्संध्वन्धी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की जविष, वो बी अवधि वाद में तमाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास मिक्ति में किए वा कर्कों है।

स्पष्टीककरण .—हसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत वीधीनवज, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ध होगा को उस जध्याय में किया पदा ही

वन्स्ची

खुला जमीन का हिस्सा जो स्ट्रक्चर्स के माथ, सर्वे नं० 4 हिस्सा नं० 11, सी० टी० एस० न० 40, विलेज वालनाय, मालाड बम्बई में स्थित है।

ग्रनुमूची जैसा कि फल सल श्र $\frac{5}{3}$ $\frac{37}{5}$ $\frac{5}{44035}$ $\frac{86}{87}$ श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्ड हारा दिनाक 1-12-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्र**साद** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरी**क्षण)** श्रर्जन रेंज ∽3, बस्ब**ई**

तारीख: 10-8-1987

प्रकप नार्द्धाः बर्धाः सुन्यः ह्रवाः अन्यवस्थाः

नायकर निमित्रक, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न के नेभीन तुमना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 अगस्त 1987

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/44042/86-87--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इसने इसने इसके पश्चात् 'उक्त निर्मानयम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निर्मात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र वाबार मूच्य 5,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० पारम्परिक जमीन का हिस्सा और प्रिमायसेस जो विलेज देवनार, तालुका कुर्ला, जिसका सर्वे सं० 79/1 (अंग) और सी० टी० एम० सं० 433/2 (प्लाट सं० 2), बम्बई में स्थित है) और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याल यमें रजिस्ट्री है, विनांक 1-12-86,

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त वंपरित का दिए बाबार भ्रूप, ससके वध्यमान प्रतिफल से एसे दर्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत ते अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित अव्ययम से उचत बन्तरण सिचितं में वास्तिक क्य से अधिक नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाव की बाबत, सक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के पायित्व में कमी करने या उससे क्या के स्थिता के लिए, और/या
- (ब) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, स्थितों में सुविधा के लिए:

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजियित व्यक्तियों, अर्थात् क्रिक्न (1) मेसर्स महेन्द्रकुमार एण्ड ब्रदर्स ।

(अन्सरक)

(2) मेसर्स चरीयमा बिल्डर्स ।

(अन्तरिती)

को बहु बूचना पारी करके पृत्रीका समस्ति के अर्थन के जिल्ला कार्यनाहिमां करता हो।

उक्त तम्मील के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप हु---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन की बद्दीभ या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर ब्याना की तामील से 30 दिन की बद्दीभ, को भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (थ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितंबब्ध किसी कन्य व्यक्ति इचारा क्योहस्ताकरी के वात सिक्तित में किए का सक्षेत्रे।

श्यक्तिकरणं:---इसमें प्रयुक्त शक्यों शीर पर्यों का, की उपत श्रीपितकों, के बच्चाव 20-क में परिशामित हैं, वहीं वर्ष होना को उस अध्याध में दिवा वक्त हैं।

क्रमुख्यी

पारम्परिक जमीन का हिस्सा और प्रिमायसेस जो विलेज देव-नार, तालूका कूर्जा, जिसका सर्वे सं० 79/1 (अंश) और सी० टी० एस० सं० 433/2 (प्लाट सं० 2), देवनार, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-3/37-ईई/44042/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनकि 1-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीण), अर्जन रेज़-3, बम्बई

विमांक : 10-8-1987

क्षक अर्थात को उत्तर प्रवाहतन्त्र

नेत्रकर निर्मित्यन, 1961 (1961 का 43) की पास 269-म (1) में सर्पन स्पन्त

राख प्रकार

कार्यांक्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 अगस्त 1987 निर्देश सं० अई-3/37-ईई/44063/87-86--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर विश्विषय, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसर्वे इसर्वे प्रवस्त 'उक्त अधिनिवम' कहा गया हैं), की धारा 269-के के बंधीं सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से विधक हैं

और जिसकी सं ब्रुला जमीन का हिस्सा जिसका सी व्टी व्यव सं 129 और 129/1 से 18, जी, 9, एल वी व्यव मार्ग; जकुली, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) /ग्नेर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, विनांक 1-12-

को पूर्विक्त कमित के उचित बाबार भूग्य में कम के स्वयंत्राप्त इतिकास के सिए अम्तरित की नम्न है बार मुखे वह निर्वास करने का कारण है कि स्थाप्तींक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्या असके कारणाम प्रतिकास से, एसे क्ष्यमान प्रतिकास का पत्त्व प्रतिकास से विकास है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास, निम्नितिश्वत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित अस्तिकार कप से किथत नहीं किया गया है :----

- किंद्री वन्तरण वे हार कियाँ बाव की वावत क्या वाय-विकृतिका के. वधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करवें वा व्यक्ते ब्यामे में बुद्धिका के लिए; शरि/या
- (व) एके किसी बार वा धन वा बच्च वास्तिकों की, चिन्हें आरोबि वासकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत विधिनियम, धा धन-कर विधिनियम, धा धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) वी प्रवोधनार्थ बन्तिरिती ह्वारा प्रकट नहीं किया थना धा था किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के बन्तरण में, बी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मसिबिस व्यक्तियों, अधीर्:—

- (1) दि पर्ल प्रोडक्ट्स कम्पनी प्राइवेट लि० । (अन्तरक)
- (2) हाटेल गोल्डन पलेस प्राइवेट लि० । (अन्तरिती)

च्चे यह सूचना चारीं करने पूजीनत तथ्यति के वर्षण के सिद् कार्यवाहियां करता हूं ते,

उच्य सम्मतित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह—

- (क) इस त्यना के रावपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्त व्यक्तियें, में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में क्लिववृध किसी अन्य व्यक्ति वृक्षाय अशोहस्ताक्षरी के पास विचित्त में किए वा सकोंने 1

ल्लाकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्तों नीर पदों का, वो उन्तर वीधियम के नध्याय 20-क में परिभाषित हैं। यही धर्य होता, वो उस सध्यान में दिवा सवा है।।

अनुसूची

खुला जमीन का हिस्सा जिसका सी० टी० एस० सं० 129 और 129/1 से 18, जो, 9, एल० बी० एस० मार्ग, कर्ला, बम्बई--70 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/44063/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1986 को रजिस्टर्ड किया यथा है।

> ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–3, बस्सई

दिनांक : 10-8-198**7**

प्ररूप बाह्रां,टी.एव.एस.,-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज़ (1) के अधीन सूजना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकरु जायुक्त (निर्देशण)

अर्जन रेज-3, **बम्बई** बम्बई, दिनांक 10 अगस्त 1987 निदेश सं० अई-3/37अईई/44082/86-87--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

वायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विभिन्नियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/> रह. से अधिक है

और जिसकी स० खुला जमीन का हिस्सा जो स्ट्रक्चर्स के साथ और जिसका सी० टी० एस० स० 150, 150/1 में 6, और सी० टी० एस० सं० 152 और 151, विलेज वालनाय, तासुका बोरिवली, टैन्क रोड, मालाड (प), बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) /और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कथा के अधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, दिनांक 1-12-86

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे ख्र्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, अकत जीधीनयज्ञ की जधीन कर वेजे के जन्तरक को वाजिरक में कभी करने था उससे बचने में सुनिधा के निए: जीश/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्ति इती इतार प्रकट जहीं किया थया था दा किया प्राचा जाना जाहिए था, स्थिपने में सुविधा के निष्;

अत: अब, जःक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) बर्सेस जे० ए० डिसोझा ।

(अन्सरक)

(2) श्री ए० ए० परेरा और अन्य ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी नाक्षेप ट---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं वे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वह सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो की अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्य स्थित्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवयुध किसी मन्य व्यक्ति वृताख, वभोइस्ताक्षरी के पाच निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थीं उसक विभिनियम, के कथ्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं वर्थ होगा थी उस अभ्याय में विवा गया है।

अनुसूची

खुला जमीना का हिस्सा जो स्ट्रक्चर्स के साथ और जिसका सी०टी० एम० सं० 150, 150/1 से 6 और सी० टी० एस० सं० 152 और 151, विलेज वाजलनाय, तालुका बोरिवली, टैन्क रोड, मालाड (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं अई-3/37-ईई/44082/ 86-87 और जी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1986 को रिजस्टिंग किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक: 10-8-87

प्रकर् बाद्र', डी, एन . एस . ------

बावकर विधितवन, 1961 (1961 का 43) की

वारा 269-द (1) ने वर्षान बुजवा

भारत सरकार

थार्वाजन, बद्दानक नार्वकर शायुक्त (निर्देश्य)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अगस्त 1987

निदेश सं० अई-3/37-ईई/44083/86-87-अतः मुझे, ए० प्रसाद,

बरवकर निर्धानवस् , 1961 (1961 का 43) (विशे इसके इसके परवात् 'उक्त अधिनियस' कहा गया है), की धारा 269-क के नधीन स्क्रम प्रधिकारी को गई विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित् वाचार मूक्व 5,00,000/- रा से अधिक ही

और जिसकी स० खुला जमीना का हिस्सा जो स्ट्रक्चर्स के साथ, जिसका सिटी सर्वे सं० 148, 147, 147/1, विलेज वालनाय, तालुका बोरिवली, टैन्क रोड, मालाड (प), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनाक 1-12-86

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का वृद्ध प्रतिचल से बातरिता (अंतरिता) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-चल विकास विकास के बाद क

- (क) नंतरण से हुई किसी नाय की नायत, उक्त अपितृष्य से स्पीत कह वेते ही नंतरक की शायरक में कभी करने या उसने वसने में सुनिधा के लिए; और/धा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अव, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री बर्सेस जे० ए० डिसोझा।

(अतरक)

(2) श्री ए० ए० परेरा और अन्य ।

(अन्तरिती)

को वह बुजना बाड़ी कड़के पूर्वीचत बन्गीत में वर्षण में विक् कार्यगाहिन कड़वा हुन्।

उनत सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप हु---

- (क) इस स्वत के राजपत में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी स्पवित्यों पर स्वता की तामील से 30 दिन की वबधि, जो भी वबधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवित्व व्यक्तियों में से किसी स्पवित इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में द्विष्ट- वर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिहिसा में दिस्य भा ककेंने।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त परिनिवन के बच्चान 20-क के परिवासिक है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

भनुस्ची

खुला जमीना का हिस्सा जो स्ट्रक्चर्स के साथ, जिसका सिटी सर्वे सं । 148, 147, 147/1, विलेज वालनाय, तालूका बोरिवली, वन्क रोड, मालाड, (प), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं० अई-3/37-ईई/44083/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक : 10-8-1987

ŧ,

प्रकप बाइ .टी.एन: एस . ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कंप्रयास्त्र सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3, जम्बई

बम्बई, दिनांक 10 ग्रगस्त 1987

निर्देश सं० म्रई-3/37-ईई/44084/86-87---मृतः मुझे, ए० प्रसाद,

श्रायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 5,00,000/- रु से अधिक है

श्रीर जिसकी से कृषि भूमि ,जिसका सीव्टीव्एसव्संव 155 श्रीर जिसका सर्वे संव 15 श्रीर हिस्सा संव 1, विलेज वालनाय, तालुका बोरियली, टैन्क रोड, मालाड (प), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपावद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में इसिन्स्टी है, विनाक 1-12-86

की पूर्विक्त सम्मित्त के उचित बाधार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रम्यमान प्रतिकास से एसे दश्यमान प्रतिकास का पंत्रह प्रतिवास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिकास, मिम्नसिचित उच्चेच्च से उच्च अन्तरण सिचित में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है

- (क) नृत्तारण से हुन् किसी नाय की नायत उपत निर्मानयंत्र के निर्मात कर वेने के अन्तरक के वायित्व में केनी करने या उत्तसे वचने में सूनिया के लिए; मार्थ/वा
- (क) एरेंती किसी नाय था किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ज्ञाबनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निष्

बतः श्रंत उकतः अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उकतः अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, निस्निशिवित व्यक्तियों, अभीत् :--- (1) श्री बर्सेस जे० ए० डिसोझा ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ए० ए० परेरा ग्रीर ग्रन्य ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के प्रशेवत सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उन्त सम्परित के अर्थन के संबंध के कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्स्र मन्त्री व्यक्तियाँ परे सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारंश अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकर्गे।

स्पव्यक्तिरण: --- इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विशेष प्रयोग स्था है।

अमुस्ची

खुला जमीन का हिस्सा जिसका सी० टी० एम० सं० 155 ग्रौर जिसका सर्वे सं० 15, ग्रौर जिसका हिस्सा सं० 1, बिलेज वालनाय, तालुका बोरिबली, टैन्क रोड, मालाड (प), बम्बई— 64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं प्रई-3/37-ईई/44084/86-87 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (िरीक्षण) ग्रर्जन रेज⊸3, बम्बई

दिनांक: 10-2-87

ब्रह्म सर्ह्ड<u>ी. पुर</u>्क्तुन्तान्त्रकान्त्रकान्त्रका

'बाबबाद विभिन्निवन ,: 1961 (1961 का 43)' की 'वाडा 269-प (1) वे वेपीन बुधना

دياضا ابن

कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विनाक 10 अगस्त 1987

निवेश सं० म्रई-3/37-ईई/44111/86-87---भ्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

वानकर निर्मानवन, 1961 (1961 का 43) (विष्टे ध्याने इसके परवात् 'उनत विभिनियस' कहा नवा हुँ),, की भारा 269-व के अभीव संक्ष्म प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संस्थित, जिसका उचित वाजार मृत्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं० खुला जमीन का हिस्सा जिसका सबें सं० 247 (ग्रंग) सर्वे सं० 2248 एक० मं० 2, सी० टी० एस० मं० 32, 617, 618 मौर 29, विलेज मृलुंड, अम्बई में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपावद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में बर्णित हैं) /ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे राजस्टी है, दिनांक 2-3-1987

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान कें तिस्स है सिए जन्मरित की वहाँ हैं बार मुक्ते यह दिश्वास करने का कारण है कि वचापूर्वोक्त बम्मरित का उचित वाचार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का वन्स्य प्रतिक्त से सिभक है और बन्तरक (बन्तरका) बार बन्धरिती (बंतरितियाँ) के बीय एसे बंतरण के सिए तय पाया वक्ष प्रतिक्रण, विस्वविधित उद्देश्य से उस्त बन्तरण मिनिवत के ज़्यां के स्थापक स्व की स्थापक विश्वास के स्थापक स्व

- (क) अन्तरभ के हुई किसी बाब की बाबत , उक्त विद्यानका, वे क्षींत कर दोने के बालरक में वानित्य में कमी करने वा बन्नके बातने में सुविधा के शिक्षा और/वा
- (क) प्रेंची किसी बाब वा किसी धन या बन्य जास्तियां की, जिन्ही भारतीय बाद-कार वीधिनयम, 1922 (1922 को 11) ना उक्त विधिनयम या धन-कर वीधिनयम, 1957 (1957 को 27) के प्रधानमार्थ बन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था का किया वाचा जाहिए था, जियाने के सुनिया के किया

अतः अव, उचत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धातः ः—

- (1) मेसर्स भ्रार० डी० इण्टरप्रायजेस । (ग्रन्तरक)
- (2) मेसर्स क्रिमूर्ती हाउसिंग डेबलपमेंट लि०। (भ्रन्तरिती)

की वह बुचना कारी करने पूर्वोक्त क्रम्हित के नवेन के किस कार्यनाहियां कुरू करता हु"।

बक्त बंदरित के बर्चन के बज्जन वें कोर्ड की वास्तेय ---

- (क) इस स्वता के राज्यक में प्रकाशन की सारीय जे 45 दिव की अधीन वा तरकव्यनी व्यक्तियों पर ब्यान की तानील से 30 दिन की वंदाय, की वी बयान बाद में समान्त होती हो, ने मीतड प्रविश्व कान्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा?
- कि हम प्रांता में छात्रक में इकावन की कार्डीय से 48 दिन में धींबर क्यब स्वादर क्योरित में दिस्सीय विश्वति स्वाद क्योरिय ह्याड़ा में बोहरवास्त्रहों भी वास दिवाद में बिल्ह जा समीचे 1

न्यक्रीकरण :---इसमाँ प्रवृत्ता सन्ता नीर पक्षे का, स्त्री धनक स्रोप्रविषद्, तो सम्बाद 20-क वा ब्रोर्झाविक ही, वही वर्ष होता, यो वह सम्बाद में दिवा नुवाही।

अनुसूर्य

खुला जमीना का हिस्सा सिजका सर्वे सं० 247 (प्रंग), मर्वे सं० 248, हिस्सा सं० 2, सी० टी० एस० एस० सं० 32, 617, 618 प्रौर 29, विलेज मुलुंड, बम्बई में स्थित है।

श्रतुसूची जैसा कि कि सं श्राप्ट-3/37—ईई/44111/86–87 श्रीर जो सक्षम श्राप्टिकारी बम्बई द्वारा विनांक 2-3–1987 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्रोधिकारी बूसहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निर्देष्ट श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 10-8-1987

प्रकम आहु²,द<u>ी. दुन. दुन.</u> वस्टरनसम्बद्ध

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्पना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 ग्रगस्त 1987 निर्देश सं० ग्रई-4/37-ईई/32747/86-87--ग्रन: मुझे,

.लक्षमण दास

बायकर शिंभिनयत्र, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात् 'उक्त मिंभिनयम' कहा ज्या हैं), की धारा 2,69-व के संधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्भत्ति, विसका उपित बाजार मृख्य 1,00,000/- रुपये से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० सब खुला जमीन का हिस्सा जो, का दिवली में, जिसका सिटी सबें सं० 1295, जिसका पंजिकरण उप-जिला बम्बई नगर ग्रीर बम्बई उपनगर में है। (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजकर्ता श्रिष्टकारी के कार्यालय बम्बई मे रिजस्ट्रीकरण ग्रिष्टिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन/ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिष्टिनयम 1961 की धारा 269 कख के ग्रिष्टीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 1-12-86

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के रहयमान इतिक्य के निष् बन्धरिक की नहीं हैं और कुछे का किलाध करने का कारण है कि बनापुर्वोक्य बन्धरित का बन्धित कावार कृत्व, उन्ने कावान प्रतिक्य है वह कावान प्रतिक्रय के रूक्य प्रतिक्रय के विषय प्रतिक्रय के निष् तथ पाया प्रया प्रतिक्रय कि निम्निलिखित उद्विक्य से उन्त बन्तरण सिवित में में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- हैंकी अन्यक्रम वं हुई चित्री नाथ की वायव, उक्त बह्मिहैनवंब के बंधीय कर दोने के बन्तरम के कर्मित्य में कभी करने वा उक्क वचने में बृधिश अर्थ/वा
- (क) पेबी दिख्यी जाय वा किसी धर्म वा बच्य जातिकथी को चिन्ही भारतीय जायकर जिथितियम 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधितियम, या धन-कर विधितियम, 1957 (1957 का 27) के ज्योबनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकृष्ट नहीं किया बजा या वा किया चारा चाहिए था, कियाओं वा सामधा वी चिन्ही

जतः जब, उक्त विधिनियमं की धारा 269-ग के जनुसरण जै, वै, धक्क विधिनियमं की धारा 269-ग की उपधारा (1) के नपीन, निर्मातिषदा व्यक्तियों, अर्थात् क्र-स् (1) क्लेमेंट ए० डिसोझा ग्रौर ग्रन्य ।

(म्रन्तरक)

(2) में सर्स कनाकिया लेण्ड डेवेलपमेंट कारपोरेशन। (श्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्थन के जिल्ला कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वव्धि, को भीत प्रोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुनाएं;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, भी उक्त किपिनियम के कभ्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में विया क्या हैं।

सब खुला जमीन का हिस्सा जो कांदिवली, जिसका सिटी सर्वे सं० 1295, जिसका पंजिकरण उपजिला, बम्बई नगर श्रीर बम्बई ज्ञपनगर में है ।

प्रनुसूची जैमा कि कि । प्रार्ह-4/37--हिह/32747/86-87 प्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12--1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज⊶4, बस्बई

jr-(0A) - →

विनाम : 5-8-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961(1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 5 भ्रगस्त 1987

निर्देश सं० ग्रर्द-4/37—ईर्द/32755/86—87—-ग्रन: मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रह में अधिक है

स्रोर जिसकी स० जमीन जिसका सी० टी० एस० स० 41, सर्वे सं० 121, हिस्सा सं० 2, विलेज कादिवली, तालुका बोरिवली, बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध प्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं) अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, भीर जिसका करारनामा आयकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कंख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, दिनाक 1-1-1987

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एं. दृश्यमान प्रतिफल के पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तर पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है .--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व केंकमी करमे या उससे बचने में सूक्तिभा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय अन्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उ.त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

धत: अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मेगर्स गहा एण्ड दत्तानी एमोसिएट्म । (श्रन्तरक)
- (2) मेसर्स भ्रवांन बिल्डर्स । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्च्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वास;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिख्नि में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित ह¹, वही अर्थ होगा जो उस उध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

जमीन जिसका मी० टी० एस० मं० 41, सर्वे सं० 121, हिस्सा सं० 2, विलेज कादिवली तालुका बोरियली, बस्बई में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि कठ संठ ग्रई-4/37-ईई/32755/ 86-87 श्रीरजो सञ्जम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनाक 1-1 1987 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), प्रजन रेंज-4, बम्बई

दिनाक : 5-8-1987

A DESS. TEN SECTION SECTION

प्ररूप आहू⁵.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आय्क्त (रिरीक्षण) अर्जन रेंज~4, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 अगस्त, 1987

निर्डेश मं० अई-4/37ईई/32692/86-87--अत: मुझे, लक्षमण दास

अग्पकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें एक परनान 'टबत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 2+)-स 'के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000 /- रहे. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जमीन का हिस्सा जो, विलेज कांदिवली, जिसका सर्वे नं 27, हिस्सा नं 6, और 8 सी टी एस० नं० 1281, 1291 और 1291/1 से 10 तालुका बौरिवली बम्बई में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसची में और पूर्ण-रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के बाधीन बम्बई शियत नक्षम प्राधिकारी के कार्यालयमें रजिट्टी है तारीख 1-12-86 को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम को पश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे धर्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बेचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ल) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः शाब, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्थात् :---

- (1) गिरीण नौतमालाल जानी और अन्य। (अन्तरक)
- (2) मेसर्स सिडीकेट बिल्डर्स ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वयिष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतरं उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकोंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया। गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा जो बिलेज कादिवली, जिसका सर्वें नं 27, हिस्सा नं 6 और 8 सी 6 एस 6 नं 6 और 1291, 1291/1 से 10 तालूका बोरिवली, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा की ऋ० सं० अई-4/37ईई/32692/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1986 को रजीस्टर्ड किया गया है।

लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

विनांक : 5-8-1987

प्रकप बार्ड . सी. एत . एस . -----------

बायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कामलिय, सहायक भायकर नायुक्त निरक्षिण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 अगस्त, 1987

अई-4/37ईई/32685/86-87--अत: निद्रम सं० मुझे, लक्षमणदास

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- ख के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का

कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000//- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० खुला जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे नं० 57 हिस्सा नं० 2 (श्रंम) सी० टी० एस०नं० 1155, विलेज दहिसर, छाल्लपति शिवाजी रोड़. दहिसर (पूर्व) बम्बई में स्थित है) और इसमें उपाबद्ध अनुचची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क. ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजचेट्टी है तारीख 1~12-86

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उपित बाजार मृल्य से कम के उध्यमान प्रतिफल को लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करन का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से, एसे इष्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) अनेबीच एसे अन्तरण के लिए तथ नामा गया प्रतिकत, निम्निः स्वतं स्वतं स्वतं स्वतं सन्तरम निकित में बास्तविक रूप से कॉल्जि नहीं किया गया 🗲 🎞 🗝

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आप की बावत उपत वींभीनयम से बंधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने वा अत्ये बचने में ब्विभा नी विष्ः। बरि/या
- (म) ऐसी किसी आयं या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भाररतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सीयथा ने सिए;

अत्तव जब उक्त मधिनियम की भारा 269 न्य को जनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् ६---

(1) श्री भोनानाथ ननकु शर्मा सिंह और अन्य। (अन्तरक)

(2) मेसर्स आकार बिल्डर्स।

(अन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पर्योक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सृचनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त **व्यक्तियाँ** में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सक्यित में हिस्सवक किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरीं।

स्पक्तीक रण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क भें परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया है।

अनुसूची

खुला जमीन का हिस्सा, जिसका सर्वे नं० 57, हिस्सा नं० 2 (अंग), सी० टी० एम० नं० 1155, विलेज दहिसर छात्रपति शिवाजी रोड दहिसर(पूर्व) बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा की ऋ०सं० अई-4/37ईई/32685/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 5-8-1987

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) वर्जन रेज-4, बम्बई बम्बई, दिनाक 5 अगस्त, 1986

निपश स॰ अई-4/37ईई/32706/86-87--अत मुक्को, लक्षमण्दास

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 5 00,000/- रुक्त से अधिक है

और जिसकी स० जमीन ना हिस्सा जिमका आ पी न० 415 एफ पी न० 703, सी०टी० एम० न० 778, टी पी एम 3, जो रेबिन्यू बिलेज, और तालूका बोरिवली, बम्बई में स्थित है (और इस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है)और जिसका करार नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-12-86

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मूझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्मक्ति का उचित बाजार पूच्य; उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकत से बाधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बाच एस जन्तरण के लिए तय पाया सवा बितिक से विकास से विकास से कार्य से

- (म्ब) बन्तरम से हुई किसी मान की बावस्त उपत समित्रियम को स्थीन कार दोने को उन्तरण की बारेपान को कबी भारते का स्टब्स क्याने को सुनिया की सिद्धा और/मा
- (क) एंसी किसी अाव या किसी अन या अन्य जास्तिकों का, विमन्ने धारतीय जान-कर जाँगिनियन, 1922 (1922 का 11) जा उसत अविनियम, सा अन-कर जिभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकारमार्थ जन्मिरियों ह्याच प्रकट बहुँ किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्तिथों के लिए;

अत. अब, उन्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मै, उन्तर अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थाक — (1) श्रीमती सीताबाई रामचन्द्र दलवी।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स एस- पी- डेन्हलापर्स

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करका 🛍

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्यन्द्राकरण --इसमे प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

नग्सूची

जमीन का हिस्सा जिसका ओ पी न० 415, एफ- पी० न9 703, सी टी एस न० 778, टी पी एस 3, रेबिन्यू विलेज और तालूका बारिबली, बम्बई में हिश्वत है।

अनुमूची जैसा की करु सं० अई-4/37ईई/32706/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 1-12-86 को रजीस्टर्ड किया गया है।

लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बर्ड

दिनाक . 5-8-87 मोह∖ प्रकल काई. टी. एत. एस.,-----

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालक, सहायक जायकर आयुक्त (भिरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 अगस्त, 1987 निर्देश स० अई-4/37ईई/32745/86-87--अतः मुझे, लक्षमण दाम

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभास् 'उक्त अभिनियमं कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मून्य 5,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी म० भूमि जो विलेज एक्सार बोरिवली, जिसका सर्वे न० 13, हिस्सा न० 1, सी० टी० एस० न० 110 भीर 110/1 125 फायनल प्लाट न० 280 और 283 टाउन प्लान स्किम न० 3, राम मदिर रोड, बोरिवली (प), बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाइद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणन है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क खें के अधीन बम्बई स्थिन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है तारीख 1-12-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विष्वास कारते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंचा प्रतिफल से प्रतिकात से विषक है बीर क्तरक (बंतरका) बीर बंतरिती (बंग्तरितमा) के किंच एसे बन्तरण के लिए तम पामा गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देषम से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किंयत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (च) ऐसी किसी जाय वा किसी भन या जन्य जास्तियों की जिन्हें भारतीय जायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या भनकर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिष्;

अतः अत्र अत्र अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः---

(1) अमोद शिवलाल शहा।

(अन्तरक)

(2) पटेल के० मेमर्स एड सस।

(अन्तरिती)

को ग्रह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्णन के जिल्ह कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थान के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी जनिष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट स्थानितयों में से जिल्सी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक कै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्साक्षरी के पाड़ निक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वका है।

मनुसूची

भूमि जो विलेज एक्सार जिसका सर्वे नं० 13, हिस्स नं०1,सी०टी० एस० नं० 110 और 110/1से 125 फायनल प्लाट नं० 280 और 283 टाउन प्लानिंग स्कीम नं० 3, राम मदिर रोड, बोरिवली (प) बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैमा की करु सरु अई-4/37ईई/32745/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 1-12-1986 को रजीस्टर्ड किया गया है।

लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- 4, बम्बई

तारीख: 5-8-1987

प्रथम बार्ष ् डीज पुषक पुषक काकारकारक

आयकर खिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

बारतं बरकार

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निर्दीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 अगस्त, 1987 निर्देश सं० अई-4/37ईई/32646/86-87--अतः

मुझे, लक्षमणनदास

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इक्सें इक्कें प्रकार प्रितिवम' कहा ग्या हैं), की बारा 269-क के व्यान सक्से प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 5,00,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं० जमीन का हिस्सा जिसका सर्वेन० 16,

और जिसकी सं० जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे न० 16, हिस्सा न० 3 ए, सी टी० एस० नं० 88, ओ पी न० 392, एफ पी नं० 647 विलेज शिम्पोली बोरिवली (प) बम्बई-92 में स्थित हैं (और इमसे उपाबद्ध अनुमुची में और पूर्ण रूप विजत हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थिन प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है तारीख 1-12-86 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपात बाजार मृत्य से कम के क्यमान शांतफल के लिए अन्तरित की गई है और नुम्के यह विश्वास अपात का कारण है कि अपाय्वोक्त सम्पत्ति को विश्व स्थाप्वोक्त सम्पत्ति को विश्व है वीर विश्व स्थाप्व विश्व स्थाप्व के स्थाप्व स्थाप्व स्थाप्व के स्थाप्व स्थाप्व स्थाप्व स्थाप्व स्थाप्व स्थाप्व स्थाप्य स्थाप्य स्थाप्व स्थाप्य स्थाप स्थाप्य स्थाप्य स्थाप्य स्थाप्य स्थाप्य स्थाप्य स्थाप्य स्थाप्य स्थाप स्थाप्य स्थाप्य स्

- हैको सम्बद्धक से इन्हर्य क्रिक्की साथ की बावक उसका निष्क नियम के बचीन कर दोने के बंदरक के दायित्व में सामी करने या उसके नचने में सुविधा के निष् कीक्क/का
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, विश्व धारतीय वायकर वीधीनयन, 1922 (1922 का 11) वा तक्त वीधीनयन, राधन- कर वीधीनयम, 1957 (1957 का 27) में बरोबवार्च वन्तियों द्वाड़ा अकट नहीं किया यथा था किया बावा वाहिए था, कियाने वें नविष्या के लिए;

अतः अस्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती गौराबाई उर्फ गोदाबाई मोतीराम पाटिल और अन्य। (अन्तरक)
- (2) श्री एम० जे० ठक्कर और अन्य। (अन्तरिती)

की यह सूचना जाड़ी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के विस् कार्यभाहिमा शुरू करता हुए प

उन्त संपत्ति से नहान के संबंध में कोई मी आसीप ह—

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धशोकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

जनस्वी

जमीन का हिस्स जिसका सर्वे न० 16, हिस्सा नं ● 3 ए, सी टी एस नं ० 56, ओपी नं ० 368 एफ पी नं ० 335, टी पी एस 3, आर सर्वे नं ० 14, हिस्सा नं ० 4 सी टी एस० न० 88ओ पी नं ० 392, एफ पी न० 647 जो विलेज शिम्पोला बोरिबली (प) बम्बई – 92 में स्थित है।

ुन्तुमूची जैसा की ऋ० सं० अई 4/37ईई/32646/86–87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12–86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, वस्बई

दिनांक: 5-8-1987

प्ररूप आहं.टी.एन.एस.-----

भागकर म्थिनिसम, 1961 (1961 का 43) की चारा 269-म (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

वार्यालय . सहायक <mark>कायकर आवृक्त (निर्</mark>वेदार्क)

श्रजन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 श्रगस्त 1987

मुझे, लक्ष्यमण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 5,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जमीन जिसका सर्वे न० 62 (श्रंश) श्रौर सर्वे नं० 63, हिसा नं० 14 (श्रंश), जो, ब्लिज पोई र, कांदिवल, बस्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रिधकारी के कार्यालय बस्बई में रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1906 1906 का 16) श्रौर जिसका करारनामा अध्यकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बस्बई स्थित सक्ष प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 1-12-1986

का पूर्धोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तियिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्तं अधि-नियम को अधीन कर दोने को अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बेचने भें सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की छपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री मितिश जमनादास दत्तानी।

(ग्रन्सरक)

(2) मेमर्स कनाकिया कन्स्ट्रअशनन्स।

(अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के सर्वन के सम्बन्ध में कोई सी बाजेंप :---

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पृषाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारास स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपंक्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होणा जो जस अध्याय में दिय गया हैं।

अनुसूची

जमीन जिसका सर्वे न० 62 (ग्रंश ग्रौर सर्वे नं० 63, हिम्मा नं० 14 (ग्रंश), जो बिलेज पोईसर, कांदिवली, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क2 सं० श्राई-4/37 ईई/32749 85-86 श्रीर जो नक्षत्र प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिमांक 1-12-1986 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4 बम्बई

दिनांक : 5-8-1987

प्ररूप ब्राइं ुटी. एन. एस 📲-----

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 श्रगस्त 1987

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुन्य 5,,00,000/⊢ रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1 श्रौर 2, 2री मजिल, देवांग श्रापार्टमेंट, प्लाट नं० 359 र, पां० एस० नं० 3, बांदा (पो, बम्बई-50, में. स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय मे रिजस्ट्री-करण नारीख 1-12-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितयों) को बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है ध---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बक्त में मृबिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन भा अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के सिए:

जतंश जब, उक्त विधिनियम की धारा 269-च को जनसरज मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—→ (1 मेनर्स एम० एम० इटरप्रायजेस।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती वासंती बाई लालचंद गजारीया। (श्रन्तरिती)

कोर यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ध---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वों कर क्यां करायों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगी।

स्पष्टोकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

फ्लैट नं० 1 श्रौर 2, 2री मंजिल, देवांग श्रपार्टमेंट, प्लाट नं० 359-ए, टां० पी० एस० नं० 3, बांद्रा (प), अम्बर्द-50 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैमाकि ऋ० स० ग्राई-2/37-ईई/40820/ 86-87 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

> के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

दिनाक : 10-8-1987

प्रकृष् वार्रे हो , एन , एस , -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिांगक 10 अगस्त 1987

निर्देश सं० आई-2/37-ईई/40845/86-87---अत. मुझे के० सी० शाह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उवत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 5,00,000//- रु से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 600, ठी मंजिल, वालहल्ला अपार्टमेंटस् राजेस रोड ग्रौर रिबेलो रोड का जंक्शन, बांद्रा, बम्बई-50, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित क्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास कर? का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसको द्वयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशक्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाशा गया प्रतिफल, निम्निसिखत उद्वरेष से उक्त बंतरण जिलात में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) वंतरण से हुई किसी आय की बाबत, वक्त बिथ-नियम के अधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; बार/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 195/ 1957 का 27) के प्रयोजनार्च अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण पें, में, एक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन. निम्तिनिह्त यां तनयों, अर्थान् -- 6—226GI/87

(1) मेसर्स कला भारती इंटरशाईजेस

(अन्तरक)

(2) श्री ग्रंलन जी० डिसिल्वा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के विष् कार्यवाहियां शुरू कड़ता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेद :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तायल से 45 हिन की अवधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यक्ति इंदारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्बत्ति में हितबह्ध किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया क्या है।

अन्स्यों

फ्लट नं० 600, 6ठी मंजिल, वाजहरूला अपार्टमें दस राजेंस रोड ग्रौर रिबेलो रोड का जंक्शन, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसािक ऋ० सं० श्रई-2/37-ईई/40845/86-87 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-12-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

वें.० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 10-8-1987

मोहर .

प्रारूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर वास्क्त (निर्दाक्षण)

ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 ध्रगस्त 1987

निर्देश सं० भ्राई-2/37-ई०ई/40858/86-87—स्रतः मृते के० सी० शाह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हूं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृह्य 5,00,000/-रुपये से अधिक है

धौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1, नय पुष्पा विलास को-धाँप० होज्सिंग सो गयटी लि०, प्लॉट नं० 338, चिमबाई लेन, पेरी क्रांस रोड, बांद्रा (प), बम्बई-50 स्थित है (धौर इसमे उपाबद्ध धनूसूची में धौर पूर्ण रूप मे विणित है धौर जिसका करारनामा धायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ध्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है। तारीख 4-12-1986

न्त्रं पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित्र बाजार मूल्य से कम के द्रुयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रुयमान प्रतिफल से, एसे द्रुयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदिय से मूक्त अन्तरण लिखित बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर बेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने था उसमे बचने में सुविधा के किए; और/मा
- (क) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उन्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनिस्ती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अब, उक्त विभिनियम की धारा 269-ग के जन्सरण माँ, मो, उक्त विधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, वर्धात् :—

- (1) श्रीमती विमला सिकद, श्री, भ्रशोक गोविंदराम हेमनानी श्रौर श्री सितश गोविंदराम हेमनानी। (श्रन्तरक)
- (2) नव पुष्पा विलास को-भ्रॉप० हाउसिंग सोमायटी। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांह भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या श्रत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जां भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति युवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उच्छत स्थावर समात्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याथ 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होग्य को उस अध्याय में विषया गया है।

वन्त्र्यी

फ्लैट नं० 1, पहली मंजिल, नव पुष्पा विलास को-भ्रॉप० हाउसिंग सोशायटी, चिमबाई लेन, पेरी क्रॉस रोड बांब्रा (प), बस्बई-50 स्थित है।

श्रनुसूची जैपाकि ऋ० सं० श्राई-2/37-ई०ई/40857/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-12-1986 को रजिस्टई किया गया है।

> के० सी० भाह स्क्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायूक्त (निरीक्षण) गर्जन रेंज-2, ग्रम्बई

दिनांक 10-8-1987 मोहर : प्ररूप आहें. टी. एन. एस.-----

वाधकर विभिन्धम, 1961 (1961 का 43) की धाड़ा 269-व (1) के अधीन सूचवा भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जद रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 भ्रगस्त 1987

निर्देश र्स० श्राई-2/37-ई०ई/40865/86-87—- श्रत मुझे के० सी० शाह,

बावकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह निध्नास करने का करक हैं कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उक्ति बाबार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हें

श्रीर जिसकी सें० फ्लैट० नं० 102, पहली मंजिल, सार्काब इमारत, टी० पी० एम० 3, टर्नर डोड श्रोर 24 वा रोड का जक्सन, बाब्रा, बम्बई-50 में स्थित है (श्रीर इससे उप बद्ध श्रनूसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर धिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजिस्ट्री है। तारीख 4-12-1986

में वृत्तेंकत संस्पत्ति को जीवत बाबार मृत्य ए कर के स्वयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कार्य है कि यथापृत्तित सम्पत्ति का उचित बाबार वृत्य, सम्बद्ध करयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का सम्बद्ध प्रतिश्व से मिषक है और संसरक (अंतरकाँ) और संसरिती (अन्तरितियों) को बीच एसे अन्तर्भ से लिए तब वाया पता हिस्स्य, निकासिक सहयोगों से समय सन्तर्भ विचित्त के सर्वादिक कर से कीप्त वहीं किस क्या है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-भियम की बभीन कर दोन के अभ्यरक के दायित्व को कमी करने या उससे बचने में सुविधा की लिए; अरि/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ
 तोत , जिन्हाँ भारतीय आय-कर विधिनयम, 1922
 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या
 अव=कर्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 क श्रयाजनाथं बन्तादितो बनादा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 स्विका के बिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) गुलाम मुरताझ श्रिव्यदीकी।

(ग्रन्तरक)

- (2) मेसर्स मुल्ला श्रासोसिएटस् बिल्डर्स झंण्ड डेन्हलोपर्स (ग्रन्तरिती)
- (3) म्रन्तरक

(बह व्यक्ति जिनके प्रधिभोग में सम्पत्ति है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायकाक्रमां **करता ह**ै।

उन्दा तन्यति के नर्चन भे सम्मन्य में सोर्च नी भाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के रायपत्र में प्रकाशन की तारीय वें 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविध, वो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोक्ध व्यक्तियों में वे किसी व्यक्ति इंगराई
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर सम्बक्ति में द्वित-क्वृथ कि.सी जन्म न्यायित द्वारा कथोह्नताकारी के पास सिवित में किए वा सकांगे।

न्यव्यक्तिरणः---इसमें प्रयुक्त सच्यों भीर वयों का, को उक्क अभिनियम, के अभ्याम 20-क में वरिभाषित है, बड्डी वर्ष होतर, क्रो उस सभ्याय में विधा दया है।

नन्त्र



पलैट र्न० 102, पहली मंजिल, साकांब इसारत, प्लाट जिसका र्न० 111, सी० टी० एस० र्न० एफह०/892 भाफ टां० पी० एस० 3, टर्नर रोड श्रौर 24 वां रोडक जंकज ; बांदा, बम्बई-50 में हिथत हैय।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं श्राई-2/37-ई०ई/40865/86-87 यथौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-12-1985 को रजिस्टर्ड किय गया हैय।

कें० सी० शाह् सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2. बम्बई

दिनांक 10-8-1987 मोहर प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री विल्यम डिमेलो।

(भ्रन्तरक)

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना (2) श्री रफी उदीन एस० फझॉलभाय श्रौर श्रीमती खेंखनिसा एफ० फाझलभाय।

भारत सरकार

(अन्तरिती)

कार्यांचय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 ग्रगस्त 1987

निर्देण सं० माई-2/37-ईई/40923/86-87—म्प्रतः मुझे के० सी० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 5,00,000/-रुपये से अधिक है

श्रीर जिन्की संब्पलैट नंब 101, पहली मंजिल, कार्लटन कोर्ट, टर्नर रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सूच्ची में ग्रीर पुण रूप से बिणत है श्रीर जिरक करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्य लय में रिजस्टी है तारीख 5-12-1986 को

स्त्रं पृथोंकत सम्यक्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ध्रयमान प्रतिपाल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्स यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से ऐसे ध्रयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या भन या जन्य आस्तियों को, जिन्ह³ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नितिसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजेपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी शविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी गे।

स्यष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में विया गया है।

नन्त्रची

फ्लैंट र्न ० 101, पहली मंजिल, कर्लटन कोर्ट, टर्नर रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

श्रानुसूची जैना कि कें० स्तर्क श्राई-2/37-ईर्ह/40923/86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 5-12-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

कें० सी० षा।हैं सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्णन रेंज-1, बस्बई

दिनाक 10-8-1987 मोहर

प्रकार कार्र. टी. एवं. एस्.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की दारा 269-च (1) वे वर्षीय युच्चा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीकण) श्रर्जन रेंज-2, अम्बई

बम्बई, दिनाक 10 ग्रगस्त 1987

निर्वेण र्स० म्राई-2/37-ई०ई/40925/86-87—म्रत: मुझे के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000 //- रु. से अधिक हैं और जिन्की स० 401, परेरा मेमोरीयल निर्मि होम एण्ड पालीक्लीनिक (विनापर कॅस्टल), परेरा रोड, बम्बई-50 में स्थित है (और इन्से उपाबड अनूसूची में और पूर्ण रूप से विणित है और जिन्का करारनामा श्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकरी के कार्यालय में रजिस्ट्री है । तारीख 5-12-1986

प्र**को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाकार मृत्य से कल जै करवात** प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्दह और मृ**को**

गह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का काचन बाकार मृत्य, उसके दस्यमान प्रतिफल है, एचे दस्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) बीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की वावस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/भा
- (क) ऐसी किसी अप या किसी भन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1!) या अक्त अधिनियम, का वज-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) है प्रयोजनार्थ जन्तरिती श्वारा प्रकट नहीं किया क्वा था या किया जाना वाहिए था कियाने के सुनिधा स्त्री किए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्रीमती गंगा वि० खेमानी श्रीर श्री श्रशोक खेमानी (अन्तरक)
- (2) मेसर्स पेट्रो केन करवलटन्टस् प्रायवेट लिमिटेड । (श्रन्तरिती)

को वह सूचना बारी करनी पूर्वोक्त सम्मत्ति को नर्बन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपर्तित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाहोप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की वयींच के ताराचा वा व्यवस्थी व्यक्तियों वा स्वान की तारीच से 30 विन की अवधि, जो भी वर्षी वाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी स्ववित इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निषित में किए था सकार्ज।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुज्जी

401, परेरा मेमोरीयल नरिंग होम एंड पॉलीक्लीनिक (विनापर कॉस्टल), परेरा रोड, बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैपाकि ऋ० सं० ग्राई-2/37-ई०ई/40925/86-87 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ढारा दिनांक 5-12-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनाक 10-8-1987 मोहर प्रकृप आर्थ . श्री . एन . एव . ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

नारत बडकार

कार्शनन, सहायक बायकर बावकत (विर्वाजन) अर्जन रेंज-2, बस्बई

बम्बई, दिनांक 10 भ्रगस्त 1987

नायकर की भिनियम, 1961 (1961 का 43) (हिंच इसमें इसफें परकात् 'उक्त विभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के नधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हो

श्रौर जिसकी र्स० मी० टो० एस० ने० सी०/1113, एन० ए० न० 360, मरीयन विना, शेलीं, बाद्रा, बम्बई-50 में स्थित है श्रौर इश्से उपाबद्ध श्रनूसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है श्रौर जिलका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन बम्बई स्थित स्क्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 5-12-1986

को श्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के स्वयमान प्रित्य ल के लिए अतिरत की गई है और मुन्ने यह विश्वास करने करने का कारण है कि स्थाप्यों का बंपरित का उचित बाबार प्रथम, उसके क्यमान प्रतिफल है, एखें क्यमान प्रतिफल का बन्धह प्रतिशत स अधिक हो जोड़ जंतड़क (वंतरकाँ) और जंतिहती (बंतरितयाँ) के बीच एसे जंतरण के लिए तम पाना गया प्रतिक कम निम्नलिकित उद्विषय से उच्त वंतरण मिकित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरम **वे हुई कियों भाग की बाबय**, **बनव** किवियम **में अधीत कर दोने के अन्तरक में** दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी आक या किसी धन या अन्य आस्तियों की, चिन्हें भारतीय आय-कर जिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सुविधा के लिए;

कत्तः क्रम, उक्त विधिनयम की धारा 269-न के क्यूतरण में, र उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) क्षेत्र अधीन, निम्निजिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्रो अलेक्झाडर रासव वीन्हा ग्रीर श्री मित और मेरी गन्ठोनिया रासववन्हा ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री शब्बीर एन० पटेल (मालक—मेसर्स धास्कर बिल्डर्स)

धन्तरिती)

(3) ग्रन्सरको ।

(बह व्यक्ति जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह तुषना चारी करके पूर्वोक्त सम्मरित के वर्षन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हूं।

उच्छ सम्परित के वर्षन भी संबंध में कोई भी बाक्षंप ह---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध मा तत्सद्यन्थी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों भी से किसी व्यक्ति ब्रांतित ब्रांतित हो
- (म) इस स्थना के राज्यम में श्रकावन की तारीच से 45 दिन के भीतर अक्ट स्थावर सम्पत्ति में हितवहण किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमे प्रमुक्त शब्दों और पर्दों का, जे उक्त समिनियम दे सध्याय 20-इ में परिशादिक इ, यही अर्थ होगा, जो उस सध्याय में दिवा पशः है।

अन्स्ची

सम्पत्ति जिनका सी० टी० एव० नं० सी०/1113, एन० ए० नं० 360 जों स्टक्चर" मरीयन विला" के साथ जो 40 मेर्ली बांद्रा बम्बई-50 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्राई-2/37-ई॰ई/40928/86-87 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 5-12-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

कें० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज-2, बम्बई

दिनांक : 10-851987

मोहर

प्रकृप आहु⁴, टी. एन_ः एस्_{-अडनन्त्र}

बाय कर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर नायुक्त (निड्रांशक)

अर्जन रेंज-2, बम्बई
बम्बई दिनांक 10 अगस्त 1987
निर्देश सं अई-2/37-ई ई/40932/86-87--अतः
मुझे के० सी० शाह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मित्स, जिसका उजित बाजार मृस्य 5,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं फलैट ने 101, पाली हिल नेपच्यून को औप हाउमिंग सोमायटी लिंक, प्लांट नंक बी, सीक टी एस 1312 और 1373, पाली हिल, बांद्रा, बंस्बई-50 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है और जिसका करारनामा अ.यकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 5-12-1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृज्य से कम ने स्वयमक प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्बह प्रतिकत से अधिक है और बंतरका (जंतरका) बार बंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिचित उद्देश से उन्त अन्तरण सिचित के बासाविक कर पर किथात नहीं किया गया है द—

- (क) अन्तरण से शुरू किसी जाम की वाबस, उक्त अभिनियम जो अभीन कार दोने के अन्तरक औं वादित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा क लिए, और/या
- (क) एमें किसी बाय या किसी धन वा बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना चाहिए था, स्त्रिपाने में स्विधा वी लिए।

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थार्:—— (1) श्री रसिक एल० गिल्डर।

(गन्तरक)

(2) श्री अब्दुल खलिक।

(गन्तरिती)

(3) अन्तरिती ।

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्धांक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

तकत सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 विन की व्यक्ति, जो धी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकर व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन क भीतर उन्त स्थान्द सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्री के पाझ जिल्हा में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दीं और पदों का, जे उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गाया है।

वन्त्या

फ्लैंट नं० 101, पहली मंजिल, पाली हिल नेपच्यून को-. आंप० हाउसिंग सोसायटी लि०, प्लॉट नं० बी, सी० टी० एस० नं० 1312 और 1373, पाली हिल, बोद्रा, बम्बई 50 में स्थित है।

अनुसूची जेसाकि कि॰ सं॰ अई-2/37-ई ई/40932/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-12-1986 को रजिस्टर्ड कियाँगया है।

> के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 बम्बई

दिनांक 10-8-1987 मोहर:---

बक्य बाब् , टी., एन्., १६ .------

बाबुकर बरिशनियस, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-व (1) के अभीन बूक्ता

बारंग सरकार

3.39

कार्यात्व, बहायक नायकर नायुक्त (निर्माक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अगस्त 1987 निर्देश सं आई-2/37-ईई/40936/87-87---अतः

मुझे, के सी शाह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-घ के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का स्टारच हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य

5.,00,000/+ रत. से अधिक है

और जसकी सं फ्लैट नं० 502, 5वीं मंजिल, कल्पक केस्ट, कार्टर रोड, बांद्रा (प), बम्बई-50 मे रिथत है (और इससे उपबाद अनूसूची में और पूर्ण रूप मे विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 5-12-1986

को पूर्वोक्स सम्पर्ति के उधित बाजार मृत्य से कम के दरवजान प्रमेशकन के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मृत्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पंक्र प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्ते) और अंतरिती (अंतरितयाँ) के बीच एसे अंतरक के लिए तय पाया पदा प्रतिकल, निम्नसिचित उद्देश्य से उक्त अम्तरण सिचित को बास्तिक कम से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) वंतरण ते हुई किसी बाग की बाबत उक्त अधि-विश्वस के बधीन कर दान के बन्तरक के दायिश्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए श्रीर्∕का
- (च) एसी किसी नाथ या किसी धन या अन्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के बक्केन्सर्थ नन्तिरती स्वाध प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

नतः नव, उन्त निभिनियम की भारा 269-ग के अनुगरण कें, मैं, उन्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के सभीन. निम्निसिकत व्यक्तियों, सभीतः :---

(1) मेसर्स कल्पक इंटरप्रायजेस।

(अन्तरक)

(2) कुमारी रिना रॉय, उर्फ श्रीमती रिना खान। (अन्तरिती)

को नम् चन्ना प्राप्ती नमुक्ते पृत्रानियः सम्मृतियः के नर्पन् के लिए कार्यवाहियां सुक केर्डण हुं।

क्ष्म कुमारित के वर्षन के संबंध में आहे भी आहोर :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की ब्दिश वा इस्तत्र्यन्थी व्यक्तियों पर स्वाध की दायीज है 30 दिन की व्यक्ति, का औं वर्ष वा वा वो को सामा होती हो, को धीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी दिन कुतारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 सिन् से भीतर उनस स्थादर सम्पत्ति में हितबद्ध सिनी बन्न न्यूदित द्वाद्ध वशेष्ट्रस्ताक्षरी के नाय विश्वित में किए वा स्कोगे।

स्वाधीकरण:---इतमें प्रमुक्त बक्यों और प्यों का, यो उपर अधिनियम, के मुध्यान 20-क में परिभावित हैं, बहुरे वर्ष होना थी जब सध्याच में विन। प्या हैं।

अनुसूची

पलैट नं • 502; 5वी मंजिल, कल्पक केन्ट, प्लाटन 274, कार्टर रोड, बांद्रा (प), बम्बई-50 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क सं आई-2/37 ई ई/40936 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-12-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी शाह मक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 10-8-1987

इक्क बार्च हो . एर., एर ..

बाब्बर नर्टभनियम, 1961 (1961 का 43) की धग्रा 259-व (1) के बधीन स्वता STOR GUELL

कार्यालय, सहायक भावकर बाब्**नल (नि<u>प</u>ालक)**

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 अगस्त 1987

निर्देश सं आई- 2/ 37-ईई/ 40972/ 86-877--अत: मुझे, के सी शाह,

वायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसभी इसक पदभात 'उक्त अभिनियम' व्यक्त गया हु"), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मन्य 5,00,000 /- रा. से अधिक ह**ै**

और जिसकी सं फ्लाट नं 1485/87, सी टी एस नं 278, मूनकाफ्ट अपार्टमेंट की-आंप हार्जीसंग सोसायटी लि शेली व्हिलेज, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (और इससे उपायक अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है। तारीख 11-12-1987

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इध्यमान प्रतिपाल के लिए सम्बरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि बंधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार नक्क नक्क इत्क्रकाट पनिफल से गोसे दक्क्यान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एेसे अंतरण के लिए तय पाया गया विकास विकास सिक्स के सामा के सामा के सामा के सिक्स के बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) मन्तरक से **हुई किसी बाब की बा**धत, अवल विधिनियम के सभीन कर बोने के सम्तर्क की व्यक्तित्व में कभी अपने या उन्नचे बचने में बुविधा को लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, विन्हीं भारतीय आयकर अधिवियम 1922 (1922 का 11) या स्वतः वाचिनियमः, या पप-वार अपिनिश्रम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्तनार्थ अन्तरिती बनारा प्रकट नहीं विका गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में तरिया से जिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थारः :---7-226G1/87

1. श्रीमती हसन बी॰ पितल वाला।

(अन्सरक)

(2) श्री शांतीलाल बजाज।

(अन्तरिती)

का वह त्यना धारी करके पूर्वोजत संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करुवा हुं।

श्रद्धा प्रभारिक की वर्षांच्या के सम्बन्ध में न्योपी क्री वर्षांच्या →

- [का) इस स्थान के एक्पम में प्रकारन की सारीय वे 45 दिन की अविभ या तस्संबंधी व्यक्तियों पर क्ष्यमाक डी ताजील वे 30 दिन की ववधि वा औ अवस्थि कार में सवस्य होती हो, से मौतर प्राप्तिक व्यक्तिको भी चे किसी व्यक्तिस दुवस्ताः
- (क) इस स्थल के राअपन में प्रकाशन की वारीय से 45 वित्र के भीतर अन्त स्थावर संपरित में हित्तवयुध किसी जन्म अधित तुवारा, सभोहस्ताकारी के पास बिविष्य में किए जा सकींगे।

eभक्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, **को सम्ब** अधिनियम्, के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा क्या हैं।

प्लॉट नं 1485/87, सी एस टी नं मुनकापट पार्टमेंट को-आंप हाउसिंग सीसायंटी लि , शोली विहलेज रोड, बंद्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैंसा कि क मं अई-2/37 ईई/40972 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-12-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 10-8-1987 मोहर:

प्ररूप बार्च. टी. एग. एव.-----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-व (1) के अभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर जागुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2 बम्बई बम्बई बम्बई दिनांक 10 अगस्त 1987 निर्देश सं० आई-2/37-ई ई/40975/86-87—अतः मुझे के० सी शाह,

बाव कर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनिएम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 5,00,000/- रह से अधिक है

और जिसकी सं एक फ्लैंट न 43, 4थी मजिल, निब्बाना को-ऑप हाउंसिंग सोसायटी लि०, पाली हिल रोड, बाद्रा, बम्बई-50 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से विणित है और जिसका करारनामा आयर धि-ियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 11-12-1986

को पृथेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्र यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्त्रींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में. गिसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरिकियों) के बीच एस जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण संहुदं किसी थाण की बायता, अक्टा विधिविषय के अधील कार को के अस्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के सिष्; शीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के जिल्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1972 (1922 का 11) या एक अधिनियम (1972 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण अर्दे, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रीमती, रजनी मागोन।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रामलाल खंदूजा और आशा आर० खंदूजा । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की कविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा.
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विकास में किए का सकें ने।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फ्लैट नं 43, 4थी मंजिल, निब्बाना इमारत, बिब्बाना को-ऑप हाउसिंग सोसयटी लि , पाली हिल रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० स० आई-2/37-ई ई/40975/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-12-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2 बम्बई

दिनांक 10-8-1987 मोहर। प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयक्त जायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बझबई

बम्बई, दिनाक 10 भ्रगस्त 1987

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पर्वनात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की भार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करन का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रह. से अधिक हो

श्रौर जिसका सं० फ्लैंट नं० 4, 4थी मंजिल, भवानी श्रपार्ट-मेट, व्हिलेज दांडा है बस्बई में स्थित है श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 10-12-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यभान प्रतिफक्ष के निए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ब्रह्म, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरच के निए तब तथा पत्रा प्रतिफल, निम्नितिश्वत उद्वेदय से उच्त जन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोनें के अतरक के दायित्व में कमी करने या उसमें अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन का अन्य आस्तियां को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 192° (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा क जिए;

आरा अव, उसत अभिनियम की धारा 269 ग औ अनुसुर्थ को, सी, उसत अभिनियम की धारा 269-भ की अभधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती संध्या ई० शारापकर।

(भ्रन्तरक)

(2) कुमार शेवाराम बतिजा और सुनील कुमार बतिजा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

अन्त सुंपरित को नर्जन के संबंध में कोड़े भी आक्षेप :--

- (क) इस स्पान के राजपत्र में प्रवासन की तारीक चै 45 दिन की अविधि या तल्लाम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पान की तामील से 30 दिन की व्यक्ति को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविच्च व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपद में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उन्हें स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में से किए दा सकेंगे।

स्वध्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

मन्**र्यो**

फ्लैंट नं० 4, 4णी मंजिल, भन्नानी ध्रापार्टमेंट, रिबेन्यु विहलेज, दांडा, जिसका सर्वे नं० 288, एच० नं० 12 (ध्रांग) सी० एस० नं० सी०/1613 (ग्रंग), सर्वे नं० 288, एच० नं० 13, सी० एंव नं० सी०/1619 (ग्रंग), सर्वे नं० 288, एच० नं० 14, सी० एस० नं० सी०/1618 (ग्रंग), सर्वे नं० 288, एच० नं० 15, मी० एस० नं० सी०/1618 (ग्रंग), सर्वे नं० 288, एच० नं० 16 (ग्रंग) सी० एस० नं० सी/1614 (ग्रंग), सर्वे न० 288, एच० नं० 17, सी० एस० नं० सी०/1619, सर्वे न० 288, एच० न० 18, सी० एस० नं० सी०/1617।

ग्रनुसूचे: जैसाकि कर संर ग्रई-2/37 ईई-0/40977/ 86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-12-1986 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० **शाह** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रज-2, **बस्ब्ह**

विषांक 10-8-1987 मोहर: प्रारूप आहें.टी.एन.एस.-----

भाशकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा **269-व (1) के बचीन स्वना**

वारत बहुकाङ

कार्यालयः, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्ज न रेंज-2 बम्बई

बम्बई दिनांक 10 भ्रगस्त 1987

निवश सं० श्राई-2/37-ई०ई०/40978/86-87—श्रतः मद्य के० सी० शाह,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), काँ भारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 5,00,000/⊱ रु. से अधिक है

भौर जिसकी म ० पर्लंट नं० 101, पहली मंजिल निर्मानाधिन हमारत "इब्ल्यू० बर्ड विंग सी" प्लाट जिसका सी० टी० एस० नं० 1431, 1432, 1433, 1434, 1448, 1449 1455, 1456 (अंशा) भौर 1459, व्हिलेज दांडा, शेल राजन बांद्रा बम्बई-50 भौर जिसका में स्थित है करारनामा भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के भ्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 11-12-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एस दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोद्य से उक्त अन्वरण सिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- कि निकरण सं हुई कि सी भाग भा शासल. इस्त विविधिया के भागीस भार बाने के बीटरका का एउसम में कभी कारने या सराम्र मुचन में स्विधा के दिस्सः भीड्रिया
- (ख) एसी किसी श्राय या किसी अन या अन्य आस्तियो कर्र, जिन्हें भारतीय नायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अभिनियम, या चय-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कर्तीरती स्वारा प्रकट कर्ती किया गया आ या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

नकः अन्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ने, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों अधीत :-- (1) मैसर्स साकी बोन कन्स्ट्रक्शनन्स।

(भ्रन्तरक)

- (2) मैं सर्स म्राणिशवंग प्रापर्टी, डेव्ह्लोपर्स प्रा० लि०। (ग्रन्सरिती)
- (4) ग्रन्तरितियों

(बह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए। कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी शास्त्रेय :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की सामीन से 30 दिन की बदीन को और न्यूचि वाद में सवाप्त होती हो के शीवर पूर्वोक्स शिक्तियों में से किली व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी कै पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टि हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नगुल्ली

पखाँट नं० 101, पहली मंजिल निर्मानाधिन हमारत "डब्ल्यू० बर्ज ——विग-सी, प्लाट जिसका सी टी एस नं० 1431, 1432, 1433, 1434, 1448, 1449, 1455, 1456 (श्रंश) श्रौर 1459, व्हिलेज दांदा, शेली राजन, बांदा, बम्बई-50 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि क० सं० ग्रई-2/37 ईई० 40978/ 86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 11-12-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> कें० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रज-2 बम्बई

दिमांक: 10-8-1987

प्रस्प आर्धः टी. एन. एस. ------

मायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्बालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दीक्षण) श्रर्जन रोंज-2, बम्बई बम्बई दिनांक 10 श्रगस्त 1987

निर्वेष सं० अई-2/37-ई० ई०/40983/86-87—- झतः मुझे के० सी० शाह

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उभित बाजार मृत्य 5,00,000/- रा. से अधिक हैं

प्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 557, टी० पी० एस० 3, 32 वां रोड प्रौर 36 वारो डका जंक्शन, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद्ध ध्रनूसूची में प्रौर पूर्ण रूप से विणत है ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्रधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 11-12-1986

को पूर्वोक्त सम्मस्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास का दने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और मंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्धाउन के हुई किसी बान की नामध करत नांध-नियम में बधीन कर दोने के ज्न्युरक के वासित्व में कमी करने या उससे बच्चे में सविधा के लिए; बर्धिया
- (क) प्रेनी किकी नाम ना किकी गण ना जन्म आस्तिनी को, जिन्हें भारतीन नान-कर निर्मानकन, 1922 (1922 का 11) या उनत निर्मानकन, ना भन-कर नीभीनकन, ना भन-कर नीभीनकन, 1957 (1957 का 27) के गोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था ना किया जाना शाहिए था, कियाने में सुनिधा ने सिक्श

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) वेनीबाई धनश्यामधास।

(प्रन्तरक)

(2) श्रीमती इन्द्र एच० गुप्ता ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पृत्राचित सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्वनाहियां कुछ करता हुं।

उन्त सन्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप रू---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 विन की व्यक्तियों भी भी अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच को 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यक्थ किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अभोहस्साक्षरी को वाक लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों जीर पदों का, वो उक्त विधिनियम के वध्याय 20-क में परिभाषिक हैं । यही वर्ष होपा वो उस अध्याय में दिवा भया हैं।

अगुजुर्जी

प्लाट नं० 557, टी० पी० एम० 3, 32वां श्रीर 36 वारोडका जंक्शन, बांद्रा, बम्बई 50 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकि ऋ० सं० ग्रई-2/37 ई०ई/40983/ 76-87 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-12-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारी**व** 10-8-1987 मोहर: **४क्प आर्थ**्य ट<u>ी.</u> एव , एस .------

बाबकार निधिनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के नधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 श्रगस्त 1987

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क ने नधीन सक्तम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

5,00,000/- रु. स अधिक हैं

ग्रीर जिसकी स० फ्लंट न० 1002, 10वीं मजिल,
पापेयांन इमारत, माउंट मेरी रोड, बान्ना, बम्बई-50 में

स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में ग्रीर पण रूप में

र्याणत है ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961
की धारा 269 क, ख के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं। तारीख 12-12-1986
को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खर्यमान
प्रतिक्षक के लिए बतरित् की गई है और मुम्हें यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उपकृत बादार
पूच्च, उसके इक्ट्यमान प्रतिक्रम से, एसे ख्यमान प्रतिक्रम क्य
पन्नह प्रतिक्रत से अधिक है और मंतरक (जंतरका) और जंतरिती
(जन्तरित्याँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिक्रम, निम्नलिखित उद्योग से अक्त बन्तरण मिखित में
गास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है है—

- (क) वन्तरण वे हुई कियी नाम की वावस, उस्त निधिनका के नधीन कर दोने के जन्सरक के वादिस्य में कमी करने रा एससे वयर में स्विधा वी विद्युश और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी पत या अन्य झारितयों को, जिन्हों भारतीय प्रायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के एयोजनार्थ अन्तरिती ट्यारा प्रकट नहीं किया वशा वा वा किया वाना वाहिए वा, जिना में सुविधा के लिए,

अतः जब,, उक्त अधिनियम्, की धारा 269-भ के अनुसरण कै, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निक्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती उषा ग्रतुल शाह।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती विमला जयवदन तकतावाला, श्रीमती रेखा शिरीय आह और श्री श्रश्तांष एम० पटेल ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके ऋधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्थना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के वर्षन के तिर् कार्यवाहियां शरू करता हूं।

उप्त सर्म्याल के वर्षन के सम्बन्ध में को**ई भी वाक्षो**प ह——

- (क) इस क्का के राजपक में प्रकाशन की तारीय ते 45 विन की अविधि या तत्संबंधी स्थितियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस् सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच ते 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा स्कोंगे।

प्रविद्यानरणः--इसमें अध्यक्त शब्दों और वदों का, चो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में विशा प्रवाहित।

प्रनुसुची

प्लैंट न० 1002, 10वीं मंजिल, ले-पॉपियॉन इमारत, माउन्ट मेरी रोड, बांब्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि कि श्रई-2/37-ई०ई/86-87 श्रौर जो रक्षम प्राधिकारी, बम्ब०द्वारा दिनांक 12-12-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है

> के० सी० पाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रज-2, बस्बर्झ

बिमांक : 10-8-1987

श्रुक्य भाष्यं. दी. एन. एस. -----

बाह कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेज-2, बम्बई

बम्बई दिनाक 10 श्रगस्त, 1987

निदेश स॰ प्रई-2/37ईई/41035/86-87- प्रत मुझे के॰ सी॰ शाह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इस्के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उषित बाजार मुख्य 5,00,000//- रु से अधिक है श्रीर जिसकी म० फ्लेट न० श्राई०/मी०, दि गिरनार श्रपार्टमेट कां०-म्राप हार्जामग मोमाइटी गलि०, 55, पाली हिल , बाद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद स्रतुसूपी में स्रोर पूर्व-रूप में वर्णित है, ग्रीर जिसका करारतामा श्रायकर ग्रीधितियम, 1961 की धारा 269 कख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालव में रिजस्ट्री है। तारीख 12-12-1986 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान वित्रिक्त को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल के पद्ध प्रीतकत रा मिक है बीड बन्तरक (बन्तरका) बीड बन्तरिती (अन्तरिशियां) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पावा वया प्रति-काल, निम्मलिखित उद्देविया से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तविक कर से वर्धित नहीं किया गया है है---

- (क) अन्तरण संहुइ किसी आय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के उन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा क लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय मा किसी धन या अन्य अस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधर के लिए;

क्तः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नीलिंगित स्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्याम सल्हप चौधरी।

(ग्रन्तरक)

(2) शातीलाल बजाज।

(भ्रन्तरिद्धी)

(के) ग्रन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके म्रक्रिभोग में सपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सुम्परित के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप 🤋 🗕

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से भित्तसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्द किसी अन्य व्यक्तित द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के बाम लिखित में कि पे जा सकीय।

रमण्डीकरण — इसमें प्रशुक्त सब्दों और धवों का जो उचल अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभावित हैं, रृत अध होंगा को उस अध्याय में विका सूत्रा है।

अनुसूची

फ्लेट न० ग्राई०/नसी०, वि गिरनार ग्रपामेट को०-ग्राप० हार्जासग सोमाइटी लि०, 55, पाली हिल, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

श्रनुसूची जैमा कि क्र॰ स श्रई-2/37ईई/41035/ 86-87 श्रौर जो सक्षम प्राधकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-12-86 को रजिस्टई किया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) शर्जन रेंज-2, बम्बई

नारीख: 10-8-1987

प्रकम बाह्री, टी. एन. एस. 🕶

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) में अभीन स्वन

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई बस्बई, दिनांक 10 श्रगस्त, 1987 निदेश सं० श्रई-2/37—ईई/41072/86—87—श्रतः

मुमो, के० सी० शाह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उसत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूक 5,00,000/- रह. से अधिक है

स्रोर जिसकी गसं जाती । का हिस्सा, जिसका प्लाट नं 564 भो - डगंदर रोड, टी जिपी जिसका नं 3 बांद्रा में स्थित है गा स्रोर स्रव जिसका सर्वे नं उएफ | 339 रिजस्ट्रेशन सब डिस्ट्रिक्ट बम्बई सिटी व बम्बई सबस्रांत है, उस पर बनी इमारत के साथ जिसका म्युनिसपल एच जान नं 5288(3) स्ट्रीट नं 147 है ण स्थित है (स्रोर इससे जपाबब स्ननुसूची में स्रोर पूर्णरूप से प्रांत है), स्रोर जिसका करारनामा स्रायकर स्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के स्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 12-12-1986

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान वित्रक के निए अन्तरित की गई है जौर मूझे यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार यून्य उसके दर्यमान प्रतिफल से, एसे दर्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया पवा वित्रका, निम्नीसचित उद्देश्य से उस्त अन्तरण निम्नित के स्थान नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरन दे हुई किसी बाब की बाबत, उपल अभिनियभ के अभीन कर देने के अन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (च) एसं किसो अय या किसी भन या अन्य आस्तिवों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भग-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशाजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिकिं व्यक्तियों, अर्थात् ;—— (1) श्रीके० बी० सत्यमूर्ती भौर श्रीमित के० एस० श्रनुराक्षा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री प्रशोक बी॰ जैन श्रीर श्री योगेन्द्र देसाई। (श्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टिशकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका प्लाट नं० 564 है। जो घोड-बंदर रोड, टी० पी० एस० नं० 3, बांद्रा में स्थित है और श्रव जिसका सर्वे नं० एफ०/339, रजिस्ट्रेशन सब-डिस्ट्रिक्ट, बम्बई सिटी और बम्बई सब-श्रवरन है। उस पर बनी इमारत के साथ जिसका म्युनिसिपल एच० वार्ड नं० 5288(3) व स्ट्रीट नं० 147 है।

भनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37ईई/41072/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनांक 12-12-86 को रिजस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैनरेंज-2, बम्बई

तारीखा : 10-8-1987

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

क्तर्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज-2, अम्बई

श्रर्जन रेंज, 10 श्रगस्त, 1987

निदेश सं० ग्रई-2/ 37ईई/ 41073/ 86-87- ग्रत: मुझे, के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

5,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 207, मालसेटटे कथालिक को०—

ग्राप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, गसी०टी०ए स० नं० 851, म्यु

निसपल वार्ड नं० एच०/1873 (डब्ल्यू), सेंट जॉन्स रोड,

ग्रांद्रा, बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर

पूर्णरुप से वर्णित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 के,ख के श्रधीन बम्बई स्थित

सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख

12-12-86

का प्वेक्स संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रित्तफल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रितफल से, ऐसे दृश्यमान प्रितिफल का पन्द्रह प्रतिहात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर) अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चरिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 2'69-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
8—226GI/87

(1) श्री इब्राहीममोहम्मद हुसेन श्रौर श्रन्य।

(भ्रन्तरक)

(क) मैं मर्स ए० जी० इन्टरप्राईजेज।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 4,5 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुधारा;
- (ख) इसं सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

प्रनुसूची

प्लाट नं 207, सालसेट केयालिक को० भ्राप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, सी० टी० एस० नं० 851, म्युनिसपल बार्ड नं० एच०/1873 (डब्स्यू०), सेंट जांस रोड, बांब्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि कि सं प्रई-2/37ईई/41073/ 86-87 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-12-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 10-8-1987

प्ररूप आईं. टी. एन. एस.-----

जावकर ब्रोधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यां तथं, संहार्यके आयर्कर आय्क्ते (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, बस्बई

बम्बई, विनांक 10 ग्रगस्त, 1987

निदेश सं० भई-2/37ईई/41079/ 86-87- अत: मुझे, कें० सी० शाह,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 5,00,000/-. रा. से अधिक है

ष्मौर जिसकी सं० फ्लेट नं० थार-2, 18 वी मंजिल, जाली-हाय राईस को०-धाप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, बाबा, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची और पूर्ण रूप से विजित है), और जिसका करारनामा भायकर श्रिधितियम, 1961 की धारा 269 कल के अधीत, बम्बई स्थित सक्षम श्रीधिकारी के कार्या-लय में रजिस्ट्री है। तारील 12-12-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एंसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंसरिती (अंतरितियों) के बीक् पुरेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :~~

- (क) सन्तरण से शृह्य किसी आप की बाबत, उंक्तं सिंधिनियम के अधीन कर बोने के अनुसुरक के बायित्व में केमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (च) एसी किसी आर्य या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर भ्रून-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गूया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा को लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिश्वित व्यक्तियों, मर्थात् :---

(1) श्रीमति कविता जी० दातवानी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री खेग मोह्मूमद इकबाल इन्नाहिम।

(भ्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरक।

(वह <mark>व्यक्ति, जिनके प्रक्षिभोग</mark> में सम्पत्ति हैं) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद, में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकरा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकार्यन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जौ उर्वतः अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषितः है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्रची

पर्लेट ने॰ झार॰-2, 18 बीं मंजिल, जाली हाय राईस को०-झाप० हाउसिंग सोसाइटी लि॰, बांद्रा, बम्बई में स्थित है।

धन् सूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/41079/86 87 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-12-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के०्सी० शाह्य सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारी**ख**: 10-8-1987

THE RES ELS STATES AND A SECOND

बाव्यक्ष विद्विष्ट्य, 1961 (1961 का 43) की बाद 269-व (1) में बंबीन संख्या

THE RESERVE

कार्यात्रम, सहायक आयकर कायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अगस्त 1987

निवेश सं अई-2/37ईई/41087/86-87—अतः मुझे, के सी शाह.

नायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निर्मानयमं' कहा गया हैं), की भारा 269-व के नवीन स्थान निर्माणकारी को यह विश्वास करने का नाइज़ हैं। कि स्थान सम्पत्ति ,विश्वास विश्व नावार मुख्य 5.00,000/- रा. से निर्मान हैं

और जिसकी स० फ्लैट नं० 201-डी, 2री मंजिल, तिवेणी की०-आप० हाउसिंग सीसाइटी लि०, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कक्क के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी हैं तारीख 12-12-86

की पूर्वोक्त सम्मत्ति के उपित बाबार मून्य वे का के क्रमान इतिकास के लिए कर्तिति की यहाँ हैं नार भूको यह विस्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपीत्त का उपिए बाबाइ बूक्त, उठ है क्रम्यमाम प्रतिकार है, ए'में क्रममान हिस्सा का बूक्त प्रविक्त के बाधक हैं और अस्परक (अक्टर्लेड) और बुक्त रिती (बन्हरितियों) र बीच ए'में क्रमारण से बिए तम बाबा मना प्रतिकार, विस्वतिवित्त स्मान्य के बन्त बन्तरण विश्वति में बास्तविक रूप से क्रमित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के जभीन कर देने के जन्तरक के वायित्व में कमी, कुर्ने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- ्(क) ए'सी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियमं, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियमं, या भन-कर अधिनियम. 1957 (1957 का 27) कि प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूबिभा वे किए;

भता क्य, उपत अधिनियम की बारा 269-य के जुमुकरम में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपेंधारीं (1) के अधीन, निम्मलिखिक व्यक्तियों. अर्थात्:— (1) श्री अलेन जी० डी० सिल्वा।

(ग्रन्तरक)

(2) अवर होटल प्रा० लि०।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वेक्ति सध्यक्ति को अर्जन को विद्यु कार्यवाहियां करता हूं।

क्या प्रकृति के वर्षन के बस्तक में कोई भी बार्बंप हन्न

- (क) वय त्या के शयपन में मकायन की बारीय के 45 दिन की बनीय ना तत्त्रस्मानी कवित्रमां पृष्ट त्या की तानीस से 30 दिन की स्वीध, को और न्याय बाद में समान्य होती हों, के भीतर पूर्वों कर का किया में से किया किया के स्वीध हों।
- (व) इस स्वता के रावप्त में प्रकावन की सारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपृत्ति में हित्तवर्थ किसी बन्य सावित इवाय वर्षाहरताकरी के पाव विविध में किस वा सकेवे।

ल्याकरणः —-इतमें प्रमुक्त कला बीर वर्ग का, को क्यक अधिवितम के बच्चाय 20ं-क में पीरशीयिक ही, यही केर्य द्वारेग की उर्व कर्ष्माव में विश्व नगा ही।

अनुसूची

फ्लेट नं० 201-डी०, 2री गंजिल, विवेणी को ०-आप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, बांबा, बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/ 41087/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 12-12-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के०सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 10-8-1987

प्ररूप आईं. टी.एन.एस .----

श्रायकर अधिनिम, 1961 (1961 का 43) की धारा) 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अगस्त 1987

निवेश सं० अई-3/37ईई/41091/ 86-87- अतः मुझे, के० सी० शाह,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मृल्य 5,00,000//- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 10, 5वीं मंजिल, सिल्वर राक, बांब्रा को०-आप० हार्जीसंग सोसाइटी लि०, प्लाट नं० 131, टी० पी० एस० नं० 59-59ए, टर्नर रोड, बम्बई-50 में स्थित हैं । (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 12-12-1986

करे पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्व्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्व्यमान प्रतिफल से ऐसे स्व्यमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण जिल्हित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के तिए; और/मा
- (ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर) अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिश्वत व्यक्तियों, अर्थातः :---

- (1) श्री राँय जोसेफ अमरा और श्रीमित बेटटी अमरा। (अन्तरक)
- (2) श्री दीपनन्द लिखयानी और अन्य।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितियों।

(वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितनबुध किसी अन्य विकत ख्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

वन्स्यी

फ्लेट नं० 10, 5 वीं मंजिल, सिल्बर राक बांद्रा को०-आप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, प्लाट नं० 131, पी० पी० एस०-4 59-59ए, टर्नर रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई--2/37ईई/ 41091/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12--12-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 10-8-87

प्रका आर्थ हो हुन् पुर्वक्रमान

नावकाशु मरिपनियम , 1961 (1961 का 43) की भाष 269-क (1) भी मधीन वृत्रका

कार्याजन, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्रण)

अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अगस्त 1987

निदेश सं० अई-2/37ईई/41094/86-87- अतः मुक्षे के० सी० शाह,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रं क्छने इसके परचात् 'उकत निधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-त के नधीन सक्षत्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृज्य

5.,00,000//- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० लीज होल्ड प्लाट नं० 164, सालसेटटे केथॉलिक को०-आप० सोसाइटीज कांटवाडी, कान्वेट स्ट्रीट, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 कीं धारा 265 के ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 15-12-1986

कों पूर्वोक्स सम्मित्त के उचित बाजार मूल्यं से कम के द्रश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई हैं और मुर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उच्य अन्तरण लिखित के बास्तिक स्म से अभित महीं नामा मना हैं है

- हुँक) ब्रुचाइम् वे हुइँ किसी नाम की बावस्, उनस् समितियम से वर्णीय कर योगे से अस्तर्थ से समितम में कशी करने वा उन्ते अपने में सुविधा वे विष्: बोट/बा
- (क) प्रेची किसी बाब वा किसी भन या बन्य आस्तिओं को, विक्रों भारतीय बायकर अभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर विभिन्नक, 1957 (1957 को 27) के प्रवोजनार्थ बन्तिरती ब्वास प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना चाहिए जा, कियाने में सुविधा की सिद्धा;

बक्द वर्ष, उत्तर वीपीननथ की भारा 269-न में अनुवरण मी, मी उपल वीपीनयम की भारा 269-न की उपभारा (1) में नपीन, निकासिक्ष व्यक्तियों, वर्षीय 8—- (1) श्रीमति लिलीयन ज्योन नोगुअर।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स निसन्स बिल्डर्स ।

(अन्तरिती)

मा पृष्ट कृषका कार्यों कड़कें पूर्वोक्य बंधरित की वर्षक के किय कार्यवाहिकों करता हुं।)

उक्त कम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध ने कांद्र भी नाक्षेप 🏣

- (क) इस स्थान को राजपण को प्रकाशन की तारील से 45 विश्व की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिश, जो भी जनिथ वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोच सं 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म स्मित्त द्वारा जधोहस्ताक्षरी से गास निवित में किए का सकों ने 1

त्यव्यीकरण:----इसमें प्रयुक्त बन्धे बीट वृद्धे का, को शब्ध विभिन्नम में बन्धाय 20-क में परिभावित है, वहीं वृधे होगा जो उस बन्धाय में दिया नवा है।

वन्स्ची

लीज होल्ड प्लाट नं० 164, सालसेटठे केथॉलिक को०-आप० सोसायटीज कांटबाडी स्कीम, कानवेंट स्ट्रीट, बांद्रा,बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/41094/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा विनांक 15-12-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० मी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, बम्बई ।

तारीख: 10-8-1987

THE ME LANGE LAND AND ASSESSMENT

बावकड वृधिनियम्। 1961 (1961 का 43) हो। भारत 269-म (1) के वृधीन बुखना

प्राप्तव परकार

वार्याचन, तहारक नारकर नानुकत् (देनर्गक्रक)

धर्जन रें ज-2, बस्बई

बम्बई, विनोक 10 ,अगस्त 1987

निदेश सं० अई-2/37ईई/41114/86-87—अतः मुझे, के० सी० शाह,

बावकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसके परवात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के संधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,,00,000//- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० न्यू कांटावाडी, पेरी रोड, सी० टी०एस० नं० सी०/627, एन० ए० एस० नं० 37, बांबा, बम्बई-50 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 15-12-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के अध्यक्षान प्रतिफल सिए वस्तिरत की गद्दै हैं चरि मभ्हे यह विश्वास करमे का कारण कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मुख्य, उसके दश्यकान शिविफस से, एसे क्यमान प्रतिकत्त के पत्त्रह प्रतिकात से अधिक हैं गरि नंतरक (अंतरकों) भार नंतरिती (जंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नसिवित बबुदोहर से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिवक रूप से करियत भहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्तरन र्य हुई कियों बाय की वायस, क्यर विविद्यं के क्योंन कर विते के व्यवस्थ के वायित्व में कमी करने या उससे अनने में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियां को, विमह आरतीय आवकर तिक्री भटिन्सम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट वहीं किया नया वा या किया वाना वाहिए था, जियाने में सुविवा के लिए;

बतः अव. उक्त जीभीनयम की-भारा 269-च की म्लब्सूबर्स में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को अभीन, निस्त्रलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) मैसर्स ठाकुर कस्स्ट्रक्शस्स ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति इन्दु एष० गुप्ता ।

(अस्तरिती)

को वह सुपमा भारी करके पूर्वोक्त सम्मति के वर्षन के तिथु कार्यवाहियां सुरू करता हुं:

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपन के प्रकाशन की तारींच 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामिल से 30 दिन की सवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों के से किसी व्यक्ति प्रविक्त व्यक्तियों के से किसी व्यक्ति प्रविक्त
- [व] इस सूचना के प्रवस्त में प्रकासन की ताड़ीय से 45 वित् के बीत्र उक्त स्थावड़ सम्मत्ति में दिव्यक्र्य किसी सम्ब कानित द्वाच नभाइस्ताक्षणी के दास सिक्ति में किए वा सकेंगे।

अनुसूची

म्यू० काटवाडी, पेरी रोड, सी० टी० एस० नं० सी०/627, एन० ए० एस० नं० 37, बांब्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई--2/37ईई/41114/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनोक 15-12-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 10-8-1987

प्रकष् वर्ष्यः हो . एवं . एवं , नन्नेनन्नन्यन

कांभेकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर जावूक्त (निर्दासक)

ग्रजैन रेंज-2, बम्बई

धम्बई, दिनांक 10 अगस्त, 1987

निवेश सं० अई-2/37ईई/ 41128/ 86-87--अतः मुझे, के० सी० शाह,

आयर्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 246बी०, सी० टी० एस० नं० सी-774 विलेज दांडा, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाब इ अमुंसूची मे और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की घारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 18-12-1986

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थान्य्विक्त सिपित्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के सिए ध्य पाया गया प्रतिकास, विश्वविद्यास स्थापन से उच्च अन्तरण विद्यास में बास्तविद्या स्थापन वहीं किया गया है हम्म

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, खक्त जिमियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसि किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिंए;

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-णं के अनुसरण में में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-चं की उपधारा (1) के अधीन, निम्मीलिखत व्यक्तियों, जर्भात्:--- (1) वाई० हिस्डर, आर० डिसोजा, वाई मोर्गेन, के० डिसोजा और एच० डिसोजा।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स नताशा कन्स्ट्रक्शन्स प्रा० लि०।

(अन्तरिती)

(2) अन्तरको ।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संस्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन की अविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास व्यक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्स अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिका गया है।

नपुष्यी

खुला जमीन का हिस्सा, जो, स्ट्रक्चर्स के साथ, विलेज दांडा बांद्रा (पूर्व), तालुका बोरविली जिला बम्बई उप नगर, जिसका पंजीकरण उप जिला और जिला बम्बई नगर और बम्बई उप—नगर में है। जिसका सर्वे नं० 246बी०, सी०टी०एस० नं० सी—774 है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37ईई/41128/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनांक 18-12-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 10-8-1987

प्रकप आहाँ. टी. एन. एस.-----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायणिय, सहायक आयकार आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अगस्त 1987

निदेश सं० अई-2/37ईई/41150/86-87— अतः मुझे, के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 5,00,000//- रु से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० ए/54, कासो होम, पाली हिल, बांद्रा बम्बई—50 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रुप से बणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधि—नियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 19-12-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्ग, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अतिरती (अंतरितियो) को बीच एसे अन्तरण को लिए ह्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक हूल से कथिल नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वोने के अंतरक के वायिस्त्र में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री राजीव कपूर।

(अन्तरक)

(2) श्री होगी पेसी कपूर और पेसी एम ० कपूर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त रम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में फर्न्ड भी आक्षेप '---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यिनतयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजण्य में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिमित में किए जा सकर्गे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उत्तत अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्पी

परेंद नं ० ए/54, कासी होम, पाली हिल, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/41150/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-12-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीखा: 10-8-1987

मोद्धर:

प्ररूप बाहुँ. टी. एन. एस. -----

बायकर विभिनियन, 1961 (1961 का 43) की की भारा 269 च (1) वे वभीन स्वनः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अगस्त, 1987

निर्देश मं० अई-2/37ईई/41177/ 86-87-- अत: मुझे, के० मी० शाह,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रजात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ध के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं खुला जमीन का हिस्सा जो, चपेल रोड, बांब्रा और चपेल रोड, स्कीम नं 8, ग्रेटर बम्बई माउथ सालसेटटे नालूका बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णकृप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कला के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 24-12-1986

को पूर्वेक्ति सम्पन्ति के उचित बाजार मूर्व्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यभापनेंक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके एरयमान प्रतिफल से, एसे एरयमान प्रतिफल का पन्द्रह् शित्वात से बिधक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया शित्कल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिकित में बास्सियिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संबुद्ध किसी नाम की वास्त्र ने क्वल अधिनियम की अधीन कर देने के जन्तहक के स्वीतरण में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के किए; और/मा
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हुं भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा चन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया को या किसा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए.

- (1) श्री सुनीय फ्रांसिस सोलरेस और नेविल फ्रांसिस सोएरेस। (अन्तरक)
- (2) पटेल इन्बेस्टमेंट ट्रस्ट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी विकास को समाप्त होती हो, के भीतंद प्रोंक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवाल;
- (व) इस सूचना के राजपण में प्रकासन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्मित में हितबहुब किसी वन्य व्यक्ति द्वारा बचाहस्ताक्षरी के वाक सिवित में किए वा इकीने 3.

स्वयाकरण: ---इसमें प्रवृत्त वक्यों वर्षि वर्षे का, को स्वय अधिनियम के अध्याद 20-क को परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिगा पंथा हैं ?

बन्स्ची

खुला जमीन का हिस्सा, जो चेपेल रोड, बांद्रा और चेपेल रोड, स्कीम नं 8 में, ग्रेटर बम्बई साउथ साल सेटटे तालूका बम्बई सब अरबन डिस्ट्रिक्ट बांद्रा रिजस्ट्रेशन सब —िडिस्ट्रिक्ट बांद्रा रिजस्ट्रेशन डिस्ट्रिक्ट बम्बई सब अरबन जिसका प्लाट नं 57, सोमाइ-टीज इस्टेट प्लान नं 1, सिटी सर्वे नं बी—330।

अनुसूची जैसा कि करु सं० अई-2/37ईई/41177/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-12-1986 को रजिस्टई किया गया है।

के० सी० गाह सक्षम प्राधिकारवे सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–2, बम्बई

तारीख: 10-8-1987

प्ररूप- बाई.टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रें ज-2, 'बम्बई

बम्बई, दिनाक 10 अगस्त, 1987

निदेश सं० अई-2/37ईई/41180/8687--- अन. मुझे, के० मी० शबह,

कायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार, 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है'), की भारा 2,69-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने की कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित बण्डार मृत्य 1,00,000/- रु. से विधिक हैं

और जिसकी सं० पसैंट नं० सी०/62, काणी होम, पाली हिल बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णिण है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम • 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 24-12-86

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कह के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूके यह विश्वास कर्र का बारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृक्य, उनके स्वयमान प्रतिफल स, एसे स्वयमान प्रतिफल का पक्स प्रतिधात से अधिक हैं और अन्तरक (अवरकों) और अन्तरिती (अतर्रित था) के बीच एसे अन्तरण के लिए एस पासा मया प्रतिक फल निम्नलिखित उत्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वाने के अन्तरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (ब) गसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उन्तः अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त आधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

(1) श्रीमित प्रतिमा शरद मुले।

(अन्तरक)

(2) श्री राजीव कपूर।

(अन्नरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्बन्धि के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी वासोंच् ---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी क पास निश्चित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस ची

पलट नं॰ सी/62, काशी होम, पाली हिल, बांद्रा, बम्बई— 50 में म्थित है।

अनुसूची जैसा कि कर संर अई-2/37ईई/41180/86~87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 24-12-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० माह मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जनरे ज-2, बम्बई

तारीख: 10-8-1987

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस्. ------

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

बाइन ब्रह्मात

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अगस्त, 1987

निदेण सं० अई-2/37ईई/ 41215/ 86-87- अतः मुझे, के ० सी० शाह,

बायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (पिन्ने इसकें स्थाने परवात 'उन्त विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह निकास करने का कार्य हैं कि स्थान संस्थित विश्वका उपित वाचार भूका 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी स० फ्लेट नं० 1, (फ्लेट नं० 1, 2री मंजिल), 199 पेरी रोड, कांटाबाडी स्कीम, बांद्रा, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269, कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 26-12-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार प्रकृत उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का जिल्हा से विभक्त है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पावा गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है: :—

हैं जह जिल्हा है तह है कि जी साम की बायस उनके ज़िल्हों के स्वीप कर दोने की बन्दरक की ख़िल्ह को कनी करने वा उनने वचन को सुविधा में जिए; बीट/बा

(का) एसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चृहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमित लोन वालेस ।

(अन्तरक)

(2) जश्री इन्ताटीम फासिस नोएल अल्मेडा, श्रीमित मेरसिया ए० अल्मेडा, और श्रीमिन मार्गारेट मेरी अल्मेडा।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितियों।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यना। ह्वा करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस मुचना के राजपत्र मों प्रकाशन क तारीख से 45 दिन की जनिक सा तत्सस्यन्थी स्पिक्त्रयां पद्ध सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीता पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सूचना के राजेपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसू**ची**

फ्लेट नं० 21 (फ्लेट नं० 1, 2री मंजिल), जो, 199, पेरी रोड, कांटावाडी स्कीम, सी० टी० एस० नं० सी०/606, बांद्रा, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० अई--2/37ईई/31215/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-12-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख 10-8-1987

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 11th August 1987

No 3/9/87-AD.V—The Director, Central Bureau of Investigation hereby appoints Shri M. Karuppannan, Prosecuting Inspr, RPF, Southern Railway, Madras as Public Prosecutor in CBI on deputation wef the forenoon of 16-7-1987 and until further orders

P. N ARYA Administrative Officer (A) CBI

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DIRECTORATE GENERAL CRPF

New Delhi-110003, the 7th August 1987

No O II-1417/77-Estt 1—Consequent on his retirement from Government service, Shri Rai Singh ielinquished the charge of the post of Dy SP/Company Commander, 88th Bn CRPF in the afternoon of 31 July, 1987

ASHOK RAJ MAHELPATHI Assistant Director (Estt)

DIRECTORATE GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 3rd August 1987

No E-16014(2)/10/87/Pers I —On appointment on deputation Shri M. S. Agrawal, Asstt Comdt, CRPF assumed the charge of the post of Comdt CISF Unit, BCCL Jharia with effect from the forenoon of 15th July 1987

The 6th August 1987

No E-16014(2)/4/82/Peis i—The President is pleased to appoint on transfer Shri S C Kaushal, Dy Comdt BSF as Comdt in CISF with effect from 26-3-87.

Sd /- ILLLGIBLE Director General/CISF

MINISTRY OF FINANCE

(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS) SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad-461 005, the 5th August 1987

No C-5/3083.—Shri K K. Goyal, Inspector Control is appointed on ad-hoc basis as Assit Chief Control Officer in the scale of pay Rs 2000-60-2300-EB-75-3200-100 3500 during the leave vacancy of Shri Jagdish Prasad with effect from 31-05-1987 to 10-07-1987.

The 10th August 1987

No. M-6/3133—Shri B. L. Sharma, Foreman (Mech.) is appointed as Assistant Engineer (Mechanical), on ad-hoc basis, in the scale of pay Rs 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500 with effect from 2-1-87 to 31-12-87.

P C PANT Dy. General Manager

INDIAN AUDIT ACCOUNT DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTORATE OF AUDIT CENTRAL REVENUE-I

New Delhi, the 14th August 1987

No Admn I/OO No 127—Smt Leela Agmhotri, as Assistant Audit Officer of this office has retired voluntarily

from service of the Government of India with effect from 1st August, 1987 under Rule 56K of the Fundamental Rules

The Date of birth of Smt L Agnihotri, AA.O being 23-9-33 and she joined Government service on 14-7-1953.

Sd /- ILLEGIBLE Dy. Director of Audit (Admn.)

OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi-110 002, the 10th August 1987

No 4832-OF-Admn /190 83.—Deputy Comptroller and Auditor General of India has appointed Shri Subhash Chander, a Giade II Stenographer of this Office to the post of Grade 'B' Stenographer (Sr Personal Assistant) in the scale of Rs 2000-60-2300-EB-75-3200, in an officiating capacity with effect from 11th February, 1987 (FN) until turther orders. The deemed date of promotion of Shri Subhash Chander as Grade 'B' Stenographer (Sr Personal Assistant) would however be 25-03-1985 on which date his junior was promoted.

RAKESH JAIN Dy Director (P)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) KERALA

Trivandrum 39, the 10th August, 1987

No Admn/Audit/III/9-1—The Accountant General has been pleased to promote the following officials as Audit Officers in the scale of pay of Rs. 2375-75-3200-E-B-100-3500 with effect from the date shown against each. These promotions are provisional and subject to further orders of Honourable High Court of Kerala in C.M.P. No. 24851/84 and C.M.P. No. 1749/84.

Sl. No.	Name			٤	Date of issumption of charge
S/Shi i			 		
1 N Ramac	handran Nair	(No 4)			9-4-87
2. P.V. Rama	ichandran (Pr	oforma)			9-4-87
3, C. P. Visw	ambharan 🕠				9-4-87
4 S Chandi	asekharan Na	. 11			6-5-87
5, K, U, Pot	ilose · ·		•	•	17-7-87

No. Admn/Audit/III/9-1—The Accountant General has been pleased to promote the following Section Officers as Assistant Audit Officers in the scale of Pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200 with effect from the date shown against each. These promotions are provisional and subject to further orders of Houourable High Court of Kerala in CMP No. 24851/84 and CMP No. 1749/84

Sl. No. Name				Date of assumption			
1					3		
S/Shri/Si	nt						,,,,
1, K. J. Jat	nes ·	•					31-1-87
2 Abrahan	n Varghese						30-1-87
3, M. Unn	krishnan Na	ıΓ					31-1-87
4, R. Govi	ndarajan		•			•	30-1-87
5, G. Soma	anatha Panicl	ζаг	•				30-1-87
6. P. Josep	ի Јоћп	•	•			•	31-1-87
7. P. Kusl	ınan Nair (N	o 3)					30-1-87
8. P. Sivac	lasan (No 2)			•	<u>.</u>		30-1-87

1	2						3
9 S	Naveenkumar	•		•		•	30-1-87
							(A,N,)
10. S.	Somasekharan N	air			•	•	30-1-87
	ul George				•	•	12-2-87
	S. Sadanandan	-				•	12-2-87
•	•						(A,N.
13. V.	K Raman					•	12-2-87
14. A.	Ramachandran ((No. 2)		•		•	12-2-87
15, K.	Ravindran ·			•	•	•	13-2-87
16. K.	V. Dinamony		•	•	•	•	13-2-8
17. Ph	ilip Thomas			•	•	•	12-2-87
	P. Kesavan Nair	r ·			٠		12-2-8
19. O.	V. Cicily	•	٠		•		12-2-8
20, M	T Antony						13-2-8

I. VENKATARAMAN Sr. Deputy Accountant General (Admn)

Trivandrum, the 11th August 1987

No. Entt/1/10-3/87-88/127.—Shri K. K. Narayana Menon, Audit Officer of the Office of the Accountant General (Audit) Kerala, Trivandrum retired from Government service on suprannuation on 31-7-1987 A.N.

ANAND SHANKAR
Accountant General (Audit)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT); I, MADHYA PRADESH

Gwalior 474007, the 10th August 1987

No. Admn/Gr. I/Promotion/AO/144—The Accountant General (Audit): I, Madhya Pradesh, Gwalior has been pleased to promote the following Asstt Audit Officers as Audit Officers in an officiating capacity in the scale of Rs. 2375-75/3200-EB. 100-3500 with effect from the dates of their taking over as noted against them:—

SI. No.	Name 1	Permanent No.	Date of taking over/date of promo tion	Allocated to the
ī	2	3	4	5
	S/Shri	01/		
1.	V.C. Saxena	. 424	24-7-1987 (F.N.)	or one
2	DR. Soman	· 1332	27 7-1987 (F.N.)	

(Authority: A G (Audit): I, M.P. Orders dated 23-7-1987 and 29-7-1987),

R. C. GUPTA Dy. Accountant General (Admn

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A&E) ORISSA

Bhubancswar, the 14th August 1987

E.O. No. 21.—The Accountant General (A&E) Orissa is pleased to appoint Sri M. Jagannadham, S.O. of this Office to officiate as Accounts Officer in the scale of pay Rs. 2375-75-3200-EB-100-3500/- wef 11-8-87 (FN) until further orders in accordance with the provisions of the I.A. & A.D. (Administrative Officer, Accounts Officer & Audit Officers) Recruitment Rules 1969. This promotion is on ad hoc basis and subject to the final decision of the Supreme Court/High Court on the cases subjudice in the court and without prejudice to the claims of his seniors.

P. NARAYANA MURTY Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I (A&E) UTTAR PRADESH

Allahabad, the 10th August 1987

No. Admn.l/11-144/Notn.1818.—The Accountant General (A&E)-I, U.P. Allahabad has appointed the following section officers to officiate as Accounts Officers in this Office until further orders, in the pay scale of Rs. 2375-75-3200-EB-100-3500 with effect from the dates noted against each:—

S/Shri

- 1. Prabhu Nath Tripathi-22-07-1987 (FN).
- 2. Bechan Ram-03-08-1987 (AN).

No. Admn.I/11-144/Notn.1818.—The following permanent Accounts Officer of the Office of the Accountant General (A&E), U.P., Allahabad has retired from Government service on attaining the age of superannuation from the date noted against each:—

Sl. No., Name, and Date

1. Shri Mohd, Fazal Ansari-31-07-1987 (AN).

No. Admn.l/11-144/Notn.1818.—The following Accounts Officers of the Office of the Accountant General (A&E), U.P., Allahabad expired on the date noted against each:—

- 1. Shri Badri Prasad Shukla-07-06-1987.
- 2. Shri Abdus Salam-18-07-1987,

S. B. PILLAY
Sr. Dy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT DEFENCE SERVICES

New Delhi, the 4th August 1987

No. 1594/A- Admn/5/87—Director of Audit, Defence Services is pleased to appoint the undermentioned Senior P.A.s., Group 'C' Non Gazetted as Group 'B' Gazetted until further orders from the date noted against each:—

Sl. Name & No. Designation	Office in which appointed	Date from which appointed Sr. P.A. Group 'C' Non Gazetted	Date from which appointed Sr. P.A. Group 'B' Gazetted
1 2	3	4	5
S/Shri			
1, S.N. Dey,	Director of	13-11-86	4-7-87
Sr. P.A.	Audit (OF) Ca 1- cutta	(A,N,)	

8150

The 10th August 1987

New Delhi

No. 1634/A-Admn/130/86.—Shri P. Bhaskaran, Offg. Asstt. Audit Officer has retired from Government Service voluntarily on 23-6-1987 (FN).

K.K. SHARMA, Dy. Director of Audit Defence Service

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 5th August 1987

No. 20, G/87.—Shri S. N. Dey, Dy. Director, OEF HQis., Kanpui (Permanent & Subst. Assti. Manager) retired Voluntarily from service w.e.f. 30-6-1987 (AN) and his name has been struck off from the strength of IOFS with effect from 1-7-1987 (FN).

M. A. ALAHAN Jt. Director/G

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS

New Delhi, the 7th August 1987

(ESTABLISHMENT)

No. 6 /859/68-Admn(G)/6329.—On attaining the age of superann nation, Shri M. M. Haldar an officiating officer of Selection Grade of CSS and Joint Chief Controller of Imports & Export is in this office has retired from Government service with effect from the afternoon of the 31st July, 1987.

No. 6 y 60.71, 60-Admn(G)/6344.—On attaining the age of superant mation, Shri S. K. Batta, Jt. Chief Controller of Imports and Exports (Grade I of Central Trade Service) in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi retired from Government service with effect from the afternoon of 30th June, 1987.

SHANKAR CHAND

Dy. Chief Controller of Imports & Exports for Chief Controller of Imports & Exports

MINISTRY OF TEXTILES OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-400 020, the 3rd August 1987

No. 37(9)/B 87/EST.I/3035.—The President of India is pleased to appoint, with effect from the forenoon of 17th June. 1987 and until further orders. Shi P. R. Sarkar as Deputy Director (NT) in the Office of the Textile Commissioner, Rombay, in an officiating capacity.

2. Shri Sarkar will be on probation for a period of two years from 17-6-1987. The period of probation is liable to

be curtained/extended at the discretion of appointing authority.

ARUN KUMAR Textile Commissioner

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DIS-POSALS

(ADMINISTRATION SECTION: A-6)

New Delhi-110 001, the 10th August 1987

No. A-17011/99/76/A.6.—Shri B. Rudia Permanent Assistant Inspecting Officer (Textiles) in the Inspection Wing at Headquarters Office has been removed from service with effect from the afternoon of 29th July, 1987.

R. P. SHAHI
Dy. Director (Admn.)
for Director General of Supplies and Disposals

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG) GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 29th July 1987

No. 4041B, A-19011(1-MJB)/86-19A.—The President is pleased to appoint Shri Mirza Javed Beg to the post of Geologist (Jr.) in the Geological Survey of Indian in the minimum of the scale of pay of Rs. 2270-75-2800-EB-2800-EB-100-4000 in an offleating capacity with effect from the forenoon of the 30-3-1987 until further orders.

The 30th July 1987

No. 4070B/A-19011(1-BKS)/86-19A.—The President is pleased to appoint Shri Bijay Kumar Sahu to the post of Geologist (Jr.) in the Geological Survey of India in the minimum of the scale of pay of Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 24-4-1987 until Turther order.

The 31st July 1987

No. 4123B/A-19011(1-KBK)/86-19A.—The President is pleased to appoint Shri Kamal B. Khalkho post of Geologist (Jr.) in the Geological Survey of India in the minimum of the scale of pay of Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000 - in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 24-3-87, until further orders.

No. 4167B/A-19012(3-VKS)/85-19B.—Shri V. K. Joshi is appointed by the Director General GSI to the post of Assistant Chemist in the same deparament on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 2000 -60-2300-EB:75-3200-100-3500/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 1-5-87, until further orders.

The 3rd August 1987

No. 4179B/A-19012(1-NKS)//86-19A.—Shri Nitoj Kumar Sarkar is appointed by the Director General as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 2000/- per month in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 22-5-1987, until further orders

The 4th August 1987

No. 4268B/A-19011(1-PKD)/86-19A.—The President is pleased to appoint Shri Prasanta Kumar Das to the post of Geologist (Jr.) in the Geological Survey of India in the minimum of the scale of pay of Rs. 2200-85-2800-EB-100-4000/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 1-5-1987 until further orders.

The 12th August 1987

No. 4450B/A-32013(3-Ch.Sr)/84-19B.—The President is pleased to appoint Dr. N. K. Roy Chemist (Jr) of the

Geological Survey of India on promotion as Chemist (Sr.) in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 3000—4500/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 25-5-1987, until further orders.

No. 4463B/A-19012(3-UCT)/85-19B.—Shri Uttam Chand Jain is appointed by the Director General, GSI to the post of Assistant Chemist in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500/— in a temporary capacity with effect from the forenoon of 26-6-1987, until further orders.

D. K. GUPTA

Dy. Director General (P).

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 7th August 1987

No. A-19011/(323)/85/Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri B. S. Moroney, Chemist Indian Burcau of Mines has been promoted to the post of Senior Chemist in an officiating capacity on the forenoon of 17th July, 1987.

P. P. WADHI Administrative Officer

Nagpur, the 13th August 1987

No. A-19011/280/76-Estr.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri N. N. Deshkar, Junior Mining Geologist, Indian Bureau of Mines, has been promoted to the post of Senior Mining Geologist in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 4th August, 1987.

G. C. SHARMA Asstt. Administrative Officer for Controller General

SWASTHYA SEWA MAHANIDESHALYA

New Delhi, the 7th July 1987

No. A.19019/2/78-CGHS.I.—Consequent on his attaining the age of superannuation Dr. (Kum.) Raj Mehra, relinquished the charge of the post of Homoeopathic Physician in Central Govt. Health Scheme, Allahabad on the forenoon of the 1st Junc. 1987.

P. N. THAKUR Dy. Director Admn. (CGHS I)

PH(CDL) SECTION

New Delhi-110 011, the 7th August 1987

No. A.12025/23/79/Admn.I/PH(CDL).—On attaining the age of superannuation Shri S P. Srivasiava, Assistant Director (Fntomology) at the Regional Director (HFW), Ahmedabad in the National Malaria Eradication Programme, under this Directorate retired from Government Service on the afternoon of 30th June, 1987.

The 11th August 1987

No. A.31014/1/81-AIIH&PH/Admn.I/PHI(CDL).—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri A. C. Johri, in a substantive capacity to the permanent post of Audio Visual Officer, at All India Institute

of Hygiene and Public Health, Calcutta with effect from 20th March, 1976.

SMT. JESSIE FRANCIS Dy. Director Admn. (PH)

MINISTRY OF AGRICULTURE (DEPARTMENT OF AGRICULTURE & COOPN.) DIRECTORATE OF EXTENSION

New Delhi, the 31st July 1987

No. F.5-45/87-Estt.(I).—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group 'B') of the Directorate of Extension, Shri Bharat Singh, is appointed substantively to the permanent post of Assistant Administrative Officer, General Central Services, Group 'B' (Gazetted) with effect from 1st May, 1986.

R. G. BANERJEE Director of Administration

BHABHA ATOMIC RESFARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

(Recruitment Section)

Bombay-400 085, the 29th July 1987

No. PA/79(17)/84-R-III/1748,—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Prabhakar Ramachandra Kolambekar, a permanent Assistant Personnel Officer to officiate as Administrative Officer-II in the scale of pay of Rs. 2375-75-3200-IB-100-3500 in this Research Centre with effect from the forenoon of July 21, 1987 until further orders.

J. RAMAMURTIIY
Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY (DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES)

Bombay-85, the 31st July 1987

No. Ref.: DPS/41/3/85-Adm./31462.—In continuation to this Directorate notification of even No. dated March 19, 1987 the Director, Directorate of Purchase & Stores, Department of Atomic Energy, appoints Shri Jagannath Gopal Sathe, a temporary Accountant (adhoc) to officiate as Assistant Accounts Officer on an adhoc basis upto 25-6-87 (AN) in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200 in the same Directorate vice Smt. S. S. Dalvi, Asstt. Accounts Officer, granted leave.

No. Ref. DPS/41/2/85-Adm/31484.—The Director, Directorate of Purchase & Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri K. D. Arwari, a permanent Stoickeeper to officiate as an Asstt. Stores Officer on an adhoc basis in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-FB-75-3200-100-3500 from 6-5 87 (FN) to 26-6-87 (AN) in the same Directorate vice Smt. Aley Mathews, Asstt. Stores Officer granted leave.

The 5th August 1987

Ref: No., DPS/C-6 /Fstt.87-Adm./31566.—Consequent on his attaining the age of superannuation Shri R. Chaudhary, Asstt. Stores Officer. Central Stores Unit of this Directorate has retired from Government service with effect from 31-07-1987 (AN).

C. V. GOPAT AKRISHNAN Administrative Officer

Bombay-400 085, the 12th August 1987

No. DPS/12(4)/84-Adm/31687.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri L. H.

Israni, Accounts Officer-II, Heavy Water Projects, Bombay in a substantive capacity against a permanent post of Assistant Accounts Officer with effect from 01-01-1980.

The post of Assistant Accounts Officer which is available in the Directorate of Purchase and Stores against which Shri Israni is appointed substantively is included in the Centralised Administrative and Accounts cadre of the Department of Atomic Fnergy.

Rcf. DPS/41/9/85-Adm|31720.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri S. C. Guha Thakurta, Purchase Assistant to officiate as an Assistant Purchase Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500 from 01-06-87 (FN) to 15-07-87 (AN) in the same Directorate vice Shri R. Saminathan, Assistant Purchase Officer granted leave.

B. G. KULKARNI Administrative Officer

INDIRA GANDHI CENTRF FOR ATOMIC RESEARCH

Kalpakkam, the 29th July 1987

No. Ref.: IGCAR/A 31020/1/87-R|1430.—Director, Indira Gandhi Centre for Atomic Research, Kalpakkam hereby appoints Shri K. V. Krishnamurthy an officer in the Centralised Cadre of Department of Atomic Energy in the grade of Accounts Officer-II presently officiating as Accounts Officer-II in the said Centre, in a substantive capacity as Accounts Officer-II (Rs. 2375-75-3200-EB-100-3500) in the same Centre with effect from 1st April, 1987.

No. Ref: IGCAR/A31020/1/87-R/1431.—Director, Indira Gandhi Centre for Atomic Research, Kalpakkam hereby appoints Shri R. Narayanan. a permanent Senior Stenographer of IGCAR and an officer in the Centralised Cadre of Department of Atomic Energy in the grade of Administrative Officer III presently officiating as Administrative Officer III in the Heavy Water Project. Talcher in a substantive capacity as Assistant Administrative Officer (Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200) in the Indira Gandhi Centre for Atomic Research with effect from 1st October, 1986.

No. Ref: IGCAR/A31020/1/87-R/1432.—Director, Indira Gandhi Centre for Atomic Research, Kalpakkam hereby appoints Shri A. Subramanian, a permanent Senior Stenographer of IGCAR and an officer in the Centralised Cadre of Department of Atomic Energy in the grade of Assistant Administrative Officer/Assistant Personnel Officer presently officiating as Assistant Administrative Officer in the said Centre, in a substantive capacity as Assistant Administrative Officer (Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200) in the same Centre with effect from 1st October, 1986.

P. VENUGOPALAN Administrative Officer

DEPARTMENT OF SPACE ISRO HEADQUARTERS

Bangalore-560 009, the 30th June 1987

No.: HQ: ADMN: 12.25.—Member (per), ISRO Council is pleased to appoint on promotion Shri K. Velayudhan, officiating Personal Assistant 'A' of ISAC Bangalore to the post of Assistant Accounts Officer in ISRO Headquarters (NNRMS) with effect from the forenoon of April 12, 1985 and until further orders.

R. S. SUBRAMANIAN Administrative Officer-II

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 30th July 1987

No. A. 32013/4/87—The President is pleased to appoint the following Airworthiness Officers to the grade of Senior

Altworthiness Officer at the Stations given below on an ad-hoc basis w.e.f. the dates noted against each till 10-8-87 or till the posts are filled on regular basis whichever is earlier:—

S. Name No.		Station of Posting	Date of appoint ment as Sr Airworthiness officer on ad-hoc basis
S/Shri			
1 Pritam Singh -		O/O the DGCA (Hgrs.)	6-7-1987
2. G.B. Sharma ·		Delhi	8-7-1987
3. K.S. Balasubramanian		Madras	10-7-1987
4. Mangi Lal ·	•	Delhi	7-7-1987
5. P. Balachandran ·	•	Trivandrum	10-7-1987
6. S. S. Rai		Bhopal	10-7-1987
7. M.S. Rana	•	O/O the DGCA (Hqr.)	9-7-1987

M. BHATTACHARJEE Dy. Director of Administration

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

Indore, the 17th July 1987

No. 10/87.—Consequent upon his promotion as Superintendent, Central Excise Group 'B' Shri M. K. Jain, Inspector, Central Excise has assumed charge as Superintendent, Central Excise Range-IV, Sagar on 30-6-87 (F.N.).

N. RAJA, Collector

DIRECTORATE GENERAL OF WORKS

CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi-110011, the 13th November 1986

No. 14/67/83-ECI.—The President is pleased to appoint Shri G. Perumal, officiating Superintending Engineer (Civil) in Central Public Works Department as Superintending Engineer to the Union Territory of Lakshadweep in the scale of pay of Rs. 1500-60-1800-100-2000, on deputation basis for a period of two years w.e.f. 10th of September, 1986 (F.N.).

2. The pay of Shri G. Perumal as Superintending Engr. (Civil) in Union Territory of Lakshadweep will be regulated in accordance with the provisions of the Ministry of Finance, Department of Expenditure No. F1(ii)E-III(B)/75, dated 7-11-75, as amended from time to time.

PRITHVI PAL SINGH
Dy. Director of Administration

MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of Companies Act 1956 and of M/s, Pandian Chit Funds Private Limited

Mardars-600 006, the 30th July 1987

No. 5696//560(5)/87.—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of Sec, 560 of the Companies Act 1956

that the name of Pandian Chit Funds Private limited, has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act 1956 and of M's. Amarayathi Sri Venkatesa Finance Private Limited

Mardars-600 006, the 30th July 1987

No. 9470/560(5)/87.—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of Sec. 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Amaravathi Sri Venkatesa Finance Private Limited, has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act 1956 and of

M/s, Rukmani Falkles Pritave Limited Mardars-600 006, the 30th July 1987

No. 4259/560(5) 87 -- Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of Sec 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Rukmani Talkies Private Limited, has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act 1956 and of M/s, Vallivilas Service Private Limited

Mardars-600 006, the 30th July 1987

No. 3850/560(5) '87.—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of Sec. 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Vallivilas Service Private Limited, has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act 1956 and of M/s, Rajyam Pictures Private Limited

Madras-600 006, the 30th July 1987

No. 3515/560(5)/87.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Rajyam Pictures Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act 1956 and of M's, Lakshmi Gypsum Products Limited

Madras-600006, the 5th August 1987

No. 4926/560(5)/87.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act,

1956 that the name of M/s. Lakshmi Gypsum Products Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

T. AMARNATH

Asstt. Rogistrar of Companies Tamil Nadu, Madras

OFFICE OF THE CHIEF COMMISSIONER (ADMN.) U.P. & COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Lucknow, the 4th August 1987
INCOME-TAX DEPARTMENT

No. 22-A '65/III/187.—Shri S. C. Saxena, Inspector of Income-tax, has been promoted to officiate as Income-tax Officer, Group 'B' in the pay scale of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500. On promotion he has joined as I.T.O. F-Ward, Allahabad in the forenoon of 26-2-1987.

- 2. Shri B. P. Kori (S.C.) Inspector of Income-tax, has been promoted to officiate as Income-tax Officer, Group 'B' in the pay scale of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500. On promotion he has joined as Junior Authorised Representative, Income-tax Appellate Tribunal, Allahabad in the forenoon of 26-3-1987.
- 3. Shri O. P. Agarwal, Inspector of Income-tax, has been promoted to officiate as Income-tax Officer, Group 'B' in the pay scale of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500. On promotion he has joined as Income-tax Officer, Barabanki in the forenoon of 25-2-1987.
- 4. Shri D. C. Ganguli, Inspector of Income-tax, has been promoted to officiate as Income-tax Officer, Group 'B' in the pay scale of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500. On promotion he has joined as Tax Recovery Officer, Allahabad in the afternoon of 26-2-1987,
- 5. Shri R. C Gupta, Inspector of Income-tax, has been promoted to officiate as Income-tax Officer. Group 'B' in the pay scale of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500. On promotion he has joined as Tax Recovery Officer, Gorakhpur in the forenoon of 26-6-1987.
- 6. Shri Abrar Ali, Inspector of Income-tax, has been promoted to officiate as Income-tax Officer, Group 'B' in the pay scale of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500. On promotion he has joined as I.T.O. (Audit). Allahabad in the forenoon of 9-6-1987.
- 7. Shri V. V. Singh, Inspector of Income-tax, has been promoted to officiate as Income-tax Officer, Group 'B' in the pay scale of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500. On promotion he has joined as Income-tax Officer (Survey), Lucknow in the forenoon of 9-6-1987.

D. C. SHUKLA,
Chief Commissioner (Admn.) (U.P.)
& Commissioner of Income-tax,
Lucknow

FORM NO. I.T.N.S.-

1) Mr. Prithviraj Khurana.

(2) M/s. Tolaram & Company.

(Transfero

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th August 1987

Ref. No. AR.III/37EE/43993/86-87.—Whereas, I, A, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Piece or parcel of land bearing No. 109, Hissa No. 1 C.S. No. 465/465 (1 to 30) together with six structures standing thereon bearing Municipal Ward No. S-3196 (58D), S-3197 (58G), S-3199 (1), 58F, S-3198 (58G), S-3200 (58F) and S-3199 (3) (58FB) at Bhandup, Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitate the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Iocme-tax Act 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Piece or parcel of land lying and being at Bhandup bearing No. 109 Hissa No. 1 C.S. No. 465 & 465 (1 to 30) togethtrehr with six structures standing thereon bearing municipal Ward No. S3196 (58D) S-3197 (58G), S-3199(1) (58F), S-3198 (58G), S-3200 (58F) and S-3199 (3) (58FB)

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.U1/37EE/43993/86-87 dt. 1-12-1986.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 10-8-1987

(1) M/s. Tirupati Enterprises.

(Transferor)

(2) M/s. Saral Enterprises.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 10th August 1987

Ref. No. AR.III/37EE/43862/86-87.--Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 503 of Sundaram Wing, 5th floor in Satyam Shiyam Sundaram Building at M.G. Road, Ghatkopar (E), Rombay 77

Bombay-77.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the nforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax nder the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any anoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 503 of Sundaram Wing, 5th floor in Satyam Shivam Sundaram Building at M.G. Road, Ghatkopar (E),

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/43855/86-87 dt. 1-12-1986.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-8-1987

- (1) Mr. Inder Kaur wife of Sardar Atar Singh. (Transferor)
- (2) M/s. Shanti Builders.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th August 1987

Ref. No. AR.III/37EE/43871/86-87.—Whereas, I, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 1077-A (being part of plot No. 1077) of S. No. 1000 at Bawa Parduman Singh Cross Roads Nos. 4 & 5 Mulund (West), Bombay-400080, situated at Rombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the suid property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Plot No. 1077-A (being part of plot No. 1077) of S. No. 1000 at Bawa Parduman Singh Cross Roads Nos. 4 & 5 Malund (West), Bombay

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR-HI/37EE, 43871, 86-87 dt. 1-12-1986.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-8-1987

(1) Mr. Bhaskar Ramji Patil.

(Transferor)

(2) M/s. East & West Builders.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX OFFICE Or

> ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 10th August 1987

Kef. No. AR.III/37EP/43942/86-87.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot bearing survey No. 24, Hissa No. 2, CTS No. 80, at Malayani Manori and Erangal Village in Borivali Taluka,

Bombay.

simuated at Lombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has be a transferred and the agreement is registered under Section 259AB of the Income-tax Act, 1961 in the or, so of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been fully stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot bearing survey No. 24, Hissa No. 2, CTS No. 80, at Malavani Manori and Erangal Village in Borivali Taluka,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/43942/86-87 dt. 1-12-1986.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombav.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I aereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-8-1987

(1) Smt. Ansuya Markand Chhatrapati.

(Transferor)

(2) M, s. Picasso Properties Pvt. Ltd.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th August 1987

Ref. No. AR III/37EE/43987/86-87.--Whereas, I. A PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Property beating CTS No. 1397 & CTS No. 1420 in

village Erangal Malad (W), Bombay. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-and exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

the facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said mmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing CTS No. 1397 & CTS No. 1420 in village Erangal Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/43987/86-87 dt. 1-12-1986.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date : 10-8-1987

Mr. Himatlal Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/9. Mukut Plastics Pvt. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 10th August 1987

Ref. No. AR.III/37EE/43989/86-87.--Whereas, I. A. PRASAD.

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shed No. H on the ground floor of Building No. 1, belonging to Sainath Premises C.S.L. at Babasaheb Kotkar Road, Geregaon (F). Rombay-63.

Goregaon (E), Bombay-63. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the

Competent Authority at Bombay on 1-12-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore her apparent consideration. said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The torms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shed No. II on the ground floor of Building No. 1, belonging to Sainath Premises Co-op. Soc. Ltd. at Babasaheb Kotkar Road, Goregaon (E), Bombay-63.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/43989/86-87 dt. 1-12-1986.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-8-1987

Scal:

FORM LT.N.S.—--

(1) Mr. Damedar Panda Vaity & Ots

whichever period expires later;

(T. ~ ^)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Sainath Developers.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 10th August 1987

Ref. No. AR.III/37EE/44000/86-87.—Whereas, I, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Piece or parcel of land bearing CTS Nos. 23, 24, 25, 27, 28, 33, 34, 35, 36 and 37 of Mulund (Survey No. 21, Hissa No. 4 (Part) Gavanpada, Mulund (East), Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of th ment of transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) lacilitating the reduction or evasion of the habilit of the transferor to pay tax under the said Act, a respect of any income arising from the transfe and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any aioneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the a oresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

THE SCHFDULE

Piece or parcel of land hearing CTS Nos. 23, 24, 25, 27, 28, 33, 34, 35, 36 and 37 of Mulum! (Survey No. 21, Hissa No. 4 (Part) Gavai pada, Mulun! (Fast). Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No $\Delta R.HI/37FF/44000/86-87$ dt 1-12-1986.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 10-8-1987

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri D. K. Parikh & Ors.

(Transferor)

(2) M/s. Monika Construction.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 10th August 1987

Ref. No. AR. III/37-EE/44002/86-87.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Piece or parcel of laind bearing with building and structures standing thereon known as Parvati Villa, Kokila Cottage, & Savita Sadan bearing CTS No. 361 & 361/1 to 13 F. P. No. 18-B, Subhash Lane, Malad (E), Bombay-97.

situated at Bombay

and/or

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece or parcel of land together with buildings and structures standing thereon and known as 'Parvati Villa' 'Kokila Cottage' and 'Savita Sadan' bearing CKS No. 361 & 36171 to 13, F. P. No. 18-B, Subhash Lane, Malad (E), Bombay-97.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR. III/37-EE/44002/86-87 dated 1-12-1986.

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(b) facilitating the concealment of any income or any

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability

of the transferor to pay tax under the said Act

in respect of any income arising from the transfer

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act. in the fellowing persons, namely:—
11—226GI/87

Date: 10-8-1987

(1) Ramprasad Gupta & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Bombay Alloy Steel Industries Pvt. Ltd. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the servee of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay, the 10th August 1987

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR. III/37-EE/440005/86-87.--Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Pieces or parcels of land bearing Khot's private Survey No.
68, Plot No. 1 part), Kanjur at Kanjur Marg. Bhandup,
Taluba Pombay 400 078 Taluka, Bombay-400 078.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-12-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Piece or parcel of land bearing Khot's private Survey No. 68 plot No. 1 (part), Village Kanjur at Kanjur Marg, Bhandup, Taluka. Bombay-400 078.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR. III/37-EE/44095/ 86-87 dated 1-12-1986.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-action (1) of section 269D of the said Act to the following ersons, namely :--

Date: 10-8-1987

8163

FORM NO. I.T.N.S. 187

(1) Swastika Air Systems Pvt. Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ethnor Limited.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th August 1987

Ref. No. AR.IIJ/37EE/44008/86-87.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ps. 100,000/e and having No.

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Portion of Ground fl. on land bearing S. No. 18, H. No. 6 (p), S. o. 61 Hissa No. 5A (P) S. No. 18, H. No. 8 (P) and bearing CTS No. 667 (p), at Village Mohile M. Vasanji Rd. Saki Naka, Bombay-72 (near Safed Pool) situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1986

for an apparent consideration which is less than the fair maket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the "consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said imable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of Ground fl. on land bearing S. No. 18, Hissa No. 6 (part) Survey No. 61, Hissa No. 5 A (part), S. No. 18, H. No. 8 (part) and bearing C.T.S. No. 667 (part) near Safed Pool, Mohile Village M. Vasanji Road, Saki Naka, Bombay-72.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR. III/37-EE/44008/86-87 dated 1-12-1986.

A. PRASAD

Competent Autthority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bomba.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 10-8-1987

Soal :

FORM I.T.N.S.-

(1) Swastika Air Systems Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) NR Jet Pharmaceuticals Ltd. .

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th August 1987

Ref. No. AR. III/37-EE/44009/86-87.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Portion of ground fl. on plot bearing CTS No. 667 (past), near Safed Pool, Mohile Village M. Vasanji Road Saki Naka, Bombay-72.

(S. No. 18, H. No. 6) (p), S. No. 61, H. No. 5A (p) S. No. 18, H. No. 8 (p)

18, H. No. 8 (p) situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Rombay on 1-12-1986.

Bombay on 1-12-1986' for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilities the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Portion of ground floor bearing C.T.S. No. 667 (part) survey No. 18, Hissa No. 6 (p), Survey No. 61, Hissa No. 5A (part) Survey No. 18, Hissa No. 8 (part) near Safed Pool, Mohile Village, M. Vasanji Road, Saki Naka, Bombay-72.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR. III/37-EE/44009/86-87 dated 1-12-1986.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 10-8-1987

Scal:

FORM ITNS--

(1) Dattani Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shanti Investments.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,

BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 10th August 1987

(b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR. III/37-EE/44014/86-87.—Whereas, 1,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Property plot bearing CTS No. 79, 80 & 81 at Domuic Colony Rd. No. 1, Village Valnai at Malad (W),

Bombay-64.

situated at Bombay

that death of the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent 12 1886

Bombay on 1-12-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of this liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property plot bearing CTS No. 79, 80 & 81 at Domnic colony Road No. 1, Village Valnai at Malad (W), Bombay-400 064.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR. III/37-EE/44014/86-87 dated 1-12-1986.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely :---

Date: 10-8-1987

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th August 1987

Raf. No. AR. III/37EE/44025/86-87.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

ANNEXURE

land bearing CTS No. 1235, plot No. B-1 out of the property of Dattaguru Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Deonar Village Road, Deonar, bearing following Survey Nos. and Hissa Nos. with Bungalow standing thereon

Survey No.	Hissa No.
43	l (pårt)
43	4
43	5
52	16 (part)
53	1 (part)
114 (part)	
43	3
52	2 (part)
52	4
111 (part)	_
52 ⁾	1 (part)
52	11 (part)
52	12 (part
52	13
52	14 (part)
52	15
53	2
52	7 (part)
112 (part)	, (part)

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following secons, namely:—

- (1) Smt. Gulabdevi Jagadamba Prasad Sharma. (Transferor)
- (2) Shri Mahendra Ramswrup Singh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intrested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing CTS No. 1235, plot No. B-1 out of the property of Dattaguru Co-op. Hsg. Soc. Deonar Village Road; Deonar, bearing following Survey Nos and Hissa Nos. with Bungalow Standing thereon Mono matted

ANNEXURE

land bearing CTS No. 1235, plot No. B-1 out of the property of Dataguru Co-op, Hsg. Soc. Ltd., Deonar Village Road, Deonar, bearing following Survey Nos. and Hissa Nos. with Bungalow standing thereon

MILL DUILERION STATISTIES MELECIT	
Survey No.	Hissa No.
43	1 (part)
43	4
43	5
52	16 (part)
53	1 (part)
114 (part)	<u> </u>
43	3
52	2 (part)
52	4
111 (part)	#
52	1 (part)
52	11 (part)
52	12 (part
52	13
52	14 (part)
52	15
53	2
52	7 (part)
112 (part)	- (,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Sr No. AR. III/37EE/44025/86-87 dated 1-12-1986.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 10-8-1987

(1) John Herriques Kevan Henriques.

(Transferor)

(2) M/s. Mohan Construction.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th August 1987

Ref. No. AR. III/37EE/44035/86-87,--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

with two structures

Piece or parcel of land bearing survey No. 4, Hissa No. 11, CTS No. 40, at Village Valnai Malad, Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Incompetax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-12-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Piece or parcel of land together with two structures at survey No. 4, Hissa No. 11 CTS No. 40, miillage Valnai, Malad, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/44035/86-87 dated 1-12-1986.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 10-8-1987

Scal:

(1) M/s. Mahendrakumar & Brothers.

(Transferor)

(2) M/s. Charisma Builders.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th August 1987

Ref. No. AR. III/37-EE/44042/86-87.---Whereas, J. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Piece or parcel of land herditments and premises situate at Village Deonar, Taluka Kurla, bearing S. No. 79/1 (p) and CTS No. 433/2 (plot No. 2), Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-12-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece or parcel of land heteditments and premises in the village Deonar, Taluka Kurla, bearing Survey No. 79/1 (p) and CTS. No. 433/2 (plot No. 2), Deonar, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR. III/37-FF/44042/86-87 dated 1-12-1986.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Date: 14-7-1987

Scal

FORM I.T.N.S .-

(1) The Pearl Products Co. Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Hotel Golden Palace Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th August 1987

Ref. No. AR.III/37EE/44063/86-87.--

Ref. No. AR.III/37EE/44063/86-87,—
Whereas, I. A. PRASAD,
being the Competent Authority under section 269-B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Piece or parcel of land bearing CTS Nos, 129 and 129/1 to
18, at 9, L. B. S. Marg, Kurla, Bombay
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed herete).

situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this actice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imm able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act is respect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Piece or parcel of land bearing CTS No. 129 and 129/1 to 18, at 9, L. B. S. Marg, Kurla, Bombay-400 070.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE, 44063/86-87 dated 1-12-1986.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III Bombay

riew, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the felleving persons, namely :--12-226GI/87

Date: 10-8-1987

Scal:

1 1

FORM ITNS-

(1) Barses J. A. D'Souza.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Adrian A. Pereira & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY : 1

Bombay, the 10th August 1987

Ref. No. AR.III/37EE/44082[86-87.—

Whereus, I. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 259B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/1 and bearing No.

Res. 4,00,000/1 and bearing No.

Pieces or parcels of land together with structures standing thereon bearing CTS No. 150, 150/1 to 6 and CTS No. 152 & 151 of village Valnai, Taluka Borivali, Tank Rd., Malad (W), Bombay situated at Bombay days of the Sabadala and Sa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-12-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-ical exceds the apparent consideration therefor by more than and executive apparent consideration and that the sonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undereigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Genetic or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Pieces or parcels of land together with structures standing thereon and bearing CTS No. 10, 150/1 to 6 and CTS No. 152 & 151, of Village Valnay Taluka Borivli, Tank Road Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/44082/86-87 dated 1-12-1986.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-8-1987

Scal:

1

FORM ITNE

- (1) Barses J. A. D'Souza.
- (Transferor)
- (2) Mr. Adrian A. Pereira & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 10th August 1987

Ref. No. AR.III/37EE/44083/86-87.-

Ref. No. AR.III/37EE/44083/86-87.—
Whereas, I, A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act)', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Pieces and parcels of land together with structures standing
thereon bearing City Survey No. 148, 147, 147/1 of Village Valnai, Taluka Borivli, Tank Rd., Malad (W), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), situated at Bombay

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of fransfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official azette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and of
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Pieces or parcel of land together with the structures standing thereon, bearing City Survey No. 148, 147, 147/1 of Village Valnai, Taluka Borlvli, TankRoad, Malad (W). Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/44083/86-87 dated 1-12-1986.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-8-1987

(1) Barases J. A. D'Souza.

(2) Mr. Adrean A. Pereira & Ors.

(Transferor) (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th August 1987

Ref. No. AR.III/37EE/44084/86-87 Whereas, I. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- ましい動(2番) and bearing No.

Pieces or parcels of agricultural land bearing Survey No. 15 and Hissa No. 1, Village Valnai, Taluka Borivli, Tank and Hissa No. 1, Village Road, Malad (W), Bombay

road, Maiad (W), Bombay situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed below), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-and exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Pieces or parcels of land bearing CTS No. 155 and bearing Survey No. 15 and Hissa No. 1 of Village Valnai Taluka Borivli Tank Road, Malad (W), Bombay-400 064.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR, 11/37EE/44084/86-87 dated 1-12-1986.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-8-1987

(1) M/s. R. D. Enterprises.

(Transferor)

(2) M/s. Trimurti Housing Dev. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th August 1987

Ref. No. AR.III/37EE/44111/86-87.—

Whereas, I. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Piece or parcel of laind bearing S. No. 247 (P) & Survey No.
248, H. No. 2, CTS Nos. 32, 617, 618 and 29 at Village Mulund, Bombay

situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-3-87

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece or parcel of land bearing S. No. 247 (P), Survey No. 248, Hissa No. 2 C.T.S. Nos. 32, 617, 618 and 29 Yillage Mulund, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/44111/86-87 dated 2-3-87.

A. PŘAŠAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 10-8-1987

- (1) Clement Anton D'souza & Ors.
- (Transferor) Corpn. (2) M/s. Kankakia Land Development (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 5th August 1987

Ref. No. AR.IV/37EE/32747/86-87,—

Whereas, I. LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)' have reason to believe that the immi vable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Piece of land lying at Kandivli bearing City survey No. 1295 in the registration sub-dist of Bombay, City and Bombay suburban

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-12-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeasid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that piece of land lying at Kandivli bearing City survey No. 1295, with the registration sub-Dist of Bombay City and Bombay suburban.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/37EE/32747/86-87 on 1-12-1986.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-8-1987

- (1) M//s. Shah & Dattani Associates.
- (2) M/s. Avon Builders.

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 5th August 1987

Ref. No. AR.IV/37EE/32755/86-87.-

Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have remon to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Piece of land C.T.S. No. 41 S. No. 121, H. No. 2, Village Kandivli Taluka Barivli, Bombay situated at Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-1-1987

persons, namely :-

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen por cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovale property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as givein that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing C.T.S. No. 41, Survey No. 121, Hissa No. 2, at Village Kandivli, Taluka Borivli, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.IV/37EE./32755/86-87 on 1-1-1987.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 5-8-1987

- (1) Girish Nautamalal Jani & Ors.

(Transferor) (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Syndicate Builders.

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 5th August 1987

Ref. No. AR.IV/37EE/32692/86-87.--Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the competent authority Under section 269 B of the Income-tax Act, '961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

as the saturate, have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Piece of land at Village Kandivli, bearing survey No. 27, Hissa No. 6 and 8. C.T.S. No. 1281, 1291 and 1291 (1 to 10) Taluka Borivli situated at Pombey.

situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1986 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in hat Chapter,

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liab aty of the transferor to pay tax under the said Act respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneye or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Piece of land at Village Kandivli, bearing survey No. 27 Hissa No. 6 and 8, CTS. No. 1281 and 1291 & 1291 (1 to 10), Taluka Borivli, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/37EE/32692/86-87 on 1-12-1986.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 5-8-87

Scal:

FORM NO. ITNS-

(1) Mr. Bholanath Nanku Sharma/Singh & Ora, (Transferoi)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Aakar Builders

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 5th August 1987

Ref. No. AR. IV/37EE/32685/86-87,--Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 57, Hissa No. 2 (pt) C.T.S. No. 1155 of Village Dahisar on Chhatrapati Shivaji Road, Dahisar (E), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from thetransfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

S. No. 57, Hissa No. 2 (pt) C.T.S. No. 1155 of Village Dahisar on Chhatrapati Shivaji Road, Dahisar (E) Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR.IV/37EE/32685/86-87 on 1-12-1986,

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-13-226GI/87

Date 5-8-1987. Seal :

FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Sitabai Ramchandra Dalvi

(Transferor)

(2) M/s. S. P. Developers

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 5th August 1987

Ref. No. AR IV/37EE/32706/86-87.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. plot of land bearing Op No. 415 F. FP No. 703, C.T.S. No. 778 TPS III, Revenue village and Taluka Borivli,

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in office of the Competent Authority at

Bombay on 1-12-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration

and that the consideration for such ransfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 .27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice no Official Gazette or a period of 30 days from: the service of notice on the respective persons. whichever period expires laters
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land bearing Op No. 415 FP No. 703, C.T.S. No 778 TPS. III, Revenue village and Taluka Borivli, Bonda

The agreement Authority, agreement has been registered Authority, Bombay under No by the Competent under No. AR-IV/37EE/ 32706/86-87, on 1-12-86

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date 5-8-1987. Seal:

PORM. ITNS-

(1) Sh. Amod Shivlal Shah

(Transferor)

(2) M/s. K. Patel & Sons

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 259D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX · ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 5th August 1987

Ref. No. AR.IV/37EE/32745/86-87,---Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land at village Eksar Borivli, bearing S, No. 13, H. No. 1, C.T.S. No. 110 & 110(1) to 25) being Final plot No. 280 & 283 of Town Planning Scheme No. HI, at Ram Mandi Road Borivli (W) Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in office of the Competent Authority at

Bombay on 1-12-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter. للك#كيات

THE SCHEDULE

Land at Village Eksar, Survey No. 13, Hiss No. 1, C.T S. No. 110 & 110/(1 to 25) being final plot No. 280 and 283 of Town Planning Scheme No. III at Rani Mandii Roade Borivli (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/371E/32745/86-87, on 1-12-86.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 5-8-1987.

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 5th August 1987

Ref. No. AR IV/37EE/32646/86-87.—Whereas. I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the

to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Piece of land bearing S. No. 16, Hissa No. 3A C.T.S. No. 56 O.P. No. 368 F.P. No. 335 of T.P.S. III & S. No. 14, H. No. 4, C.T.S. No. 88, O. P. No. 392 F. P. No. 647 at Village Shimpoli, Borivli (W) Bombay-92.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in office of the Competent Authority at Bombay on 1,12,1986 Bombey on 1-12-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cens of such apparent consideration and that the consideration for such transfer in agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of eversion of the liability of the transferor to pay tax under th respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferre fer the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Gaurabai Alias Godabai Motiram Patil & Ors.

(Transferor)

(2) Shri N. J. Thakkar & another

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the afferent persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichover period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece of land bearing S. No. 16, Hissa No. 3A C.T.S. No. 56 O.P. No. 368 F.P. No. 335 of T.P.S. III & S. No. 14, H. No. 4, C.T.S. No. 88, O. P. No. 392 F. P. No. 647 at Village Shimpoli, Borivli (W) Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent tent Authority, Bombay under No. 32646/86-87 on 1-12-1986. ARIV/37EE/

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date 5-8-1987. Seal:

(1) Mr. Satish Jamnadas Dattani

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961, (43 OF 1961)

(2) M/s. Kanakia Constructions.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 5th August 1987

Ref. No. AR IV/37EE/32749/86-87.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land bearing S. No. 62 and S. No. 63 CTS No. 228 & 229 village Poisar, Kandivli Taluka Borivli Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement, is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1986 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested i nthe said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-iax Act, 1957 (27 of 1957); Land bearing S. No. 62 and S. No. 63 CTS No. 228 & 229 village Poisar, Kandivli, Taluka Borivli, Bombay.

The agreement has been registered by the Compelent tent Authority, Bombay 32749/86-87 on 1-12-1986. Bombay under No. ARIV/37EE/

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date 5-8-1987.

(1) M/s. M. M. Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Vasantibai Lalchand Gajaria.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RNGE-II, CONTRACTOR BUILDING, 3RD FLOOR, BALLARD ESTATE, R. K. MARG, BOMBAY-38

Bombay, the 10th August 1987

No. AR. II/37EE. 40820/86-87.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act"), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 1, & 2 Second floor, Devang Apartment Plot No. 359-A TPS No. III, Bandra(W) Bombay-50

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in office of the Competent Authority at

Bombay on 1-12-1986

for an apparent consideration which is less than the falt market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1 & 2 Second floor, Devang Apartment Plot No. 359-A TPS No. III, Bandra (W) Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/40820/86-87 on 1-12-1986.

> K. C. \$HA1! Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date : 10-8-87, Seal :

PORM ITNS

(1) M/s. Kala Bharati Enterprises,

(2) Mr. Allen G.D'Silva.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RNGE-II, CONTRACTOR BUILDING, 3RD FLOOR, BALLARD ESTATE, R. K. MARG, BOMBAY-38

Bombay, the 10th August 1987

No. AR. II/37EE. 40845/86-87.—Whereas, I, K. C. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 600, 6th floor, Valhalla Apts., Jn. of Roques Rd. & Rebello Rd., Bandra, Bombay-50. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement in registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in office of the Competent Authority at

Bombay on 4-12-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay test under the said Ast, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the conscalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gapettle or a period of 30 days from the active of notice on the respective persons, whichever period expense them;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expranation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 600, 6th floor, Valhalla Apts., Jn. of Roques Rd. & Rebello Rd., Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/40845/86-87 on 4-12-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-

Date : 10-8-87, Seal :

FORM I.T.N.S .--

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RNGE-II, BALLARD ESTATE, R. K. MARG, BOMBAY-38

Bombay, the 10th August 1987

No. AR. II/37EE. 40858/86-87.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 1 Nav Pushpa Vilas Co.op. Hsg. Soc. Ltd., Plot No. 338, Chimbai Lane, Perry Cross Rd., Bandra(W) Bombay-50 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transfered and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in office of the Competent Authority at

Bombay on 4-12-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the eproperty as aforesaid exceeds the apparent econsideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Vimla Sikand Shri Ashik Gobindran Hemnani & Shri Satish Gobindram Hemnani

(Transferor)

(2) Nav Pushpa Vilas Co.op. Hsg. Society. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1 Nav Pushpa Vilas Co-op. Hsg. oc. Ltd., Plot No. 538, Chimbai Lane, Perry Cross Rd., Bandra (W), Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARII/37EE/40358/86-87 on 4-12-1986.

K. C. SHAH
Competent Authorny
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 10-8-87, Seal: FORM NO. I.T.N.S.-

(1) Gulam Murtaza Siddiqui.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) M/9 Mulla Associates Builders & Developers. (Transferce)

(3) Transferor.

(Persons in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BUILDING, 3RD FLOOR, BALLARD ESTATE, R. K. MARG, BOMBAY-38.

Bombay-38, the 10th August 1987

No. AR II/37EE,40865/86-87 —Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing
No. Flat No 102 on the 1st floor of the bldg known 'Saqib', TPS. III, In of Turner Road & 24th Road,

Bombay-400 050.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-12-1986 for an apparent consideration which is 1 at the state of the consideration which is 1 at the state of the consideration which is 1 at the state of the consideration which is 1 at the state of the consideration which is 1 at the state of the consideration which is 1 at the state of the consideration which is 1 at the state of the consideration which is 1 at the state of the consideration which is 1 at the state of the consideration which is 1 at the state of the consideration which is 1 at the state of the consideration which is 1 at the state of the consideration which is 1 at the state of the consideration which is 1 at the considera

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

14---226GI/87

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 102, on the first floor of the bullding known 'SAQIB' on the plot bearing No. 111 CTS No. F/892 of TPS. III Junction of Turner Road & 24th Road, Bandra, Bombay-400 050.

Authority, Bombay under Senal No. AR II/37FE/40865/86-87 on 4-12-1986. The agreement has been registered by the Competent

> K. C. SHAH Competent Autthority Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 10-8-1987

FORM I.T.N.S.—

(1) Mr. William D'Mello.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Rafiudin S. Fazulbhoy & M18. Khairunissa F, Fazulbhoy.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BUILDING, 3RD FLOOR, BALLARD ESTATE, R. K. MARG, BOMBAY-38.

Bombay-38, the 10th August 1987

No. AR.II/37EE/40923/86-87.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-lax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat No. 101, 1st floor, Carlton Court, Turner Road, Bandra, Bombay-400 050 situated at Bombay (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under sec. 269AB of the I.T. Act, 1961, in the office of the

Competent Authority at Bombay on 5-12-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101, 1st floor, Carlton Court, Turner Road, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/40923/86-87 on 5-12-1986.

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 10-8-1987 Seal:

(1) Mrs. Ganga V. Khemani, Mr. Ashok Khemani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Petro Chem Consultants Pvt. Ltd. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BUILDING, 3RD FLOOR BALLARD ESTATE, R. K. MARG, BOMBAY-38.

Bombay-38, the 10th August 1987

No. AR.II,37EE/40925/86-87.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000,- and bearing
No. 401, Pereira Memorial Nursing Home &
(Vinaper Castle) Pereira Road, Bombay-400 050.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-12-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ēpd (ars
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, samely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nonce in the Official Gazette on a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

401, Pereira Memorial Nursing Home & Polyclinic (Vinaper Castle) Pereira Road, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE,40925/86-87 on 5-12-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 10-8-1987 Seal:

(Person in occupation of the property)

FORM ITNS

(1) Mr. Alexander Rasquinha & Mrs. Mary Antonia Rasquinha.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Shabbir N. Patel (Prop. M/s. Oscar Builders).

(3) Transferors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BUILDING, 3RD FLOOR, BALLARD ESTATE, R. K. MARG, BOMBAY-38.

Bombay-38, the 10th August 1987

No. AR.II/37EE/40928/86-87.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding.
Rs. 1.00,000/- and bearing
C.T.S. No. C/1113, N.A. No. 360 "Marian Villa",
Sherly, Bandra, Bombay-50, situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 5-12-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing C.T.S. No. C/1113, N.A. No. 360, alongwith the structure known as 'Marian Villa' standing thereon situate at 40, Sherly Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/40928/86-87 on 5-12-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 10-8-1987

FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr. Rasik L. Gilder.

(Transferor)

(2) Mr. Abdul Khalik.

(Transferce)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the Property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BUILDING, 3RD FLOOR, BALLARD ESTATE, R. K. MARG, BOMBAY-38.

Bombay-38, the 10th August 1987

No. AR.II/37EE/40932/86-87.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hersinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat No. 101, Pali Hill Neptune Co. op. Hsg. Society Ltd., Plot No. B, CTS 1312 & 1373, Pali Hill, Bandra, Bombayq-50, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered un er Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 5-12-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to the parties has not been truly stated in the said the parties has not been truly stated in of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the unid Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tan Act, 1937 (37 of 1937).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shal have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101, 1st floor, Pali Hill Neptune Co. op. Hsg. Society Ltd. Plot No. B, CTS 1312 & 1373, Pali Hill, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/40932/86-87 on 5-12-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 10-8-1987

M/s. Kalpak Enterprises.

. 3 1. (Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BUILDING, 3RD FLOOR BALLARD ESTATE, R. K. MARG, BOMBAY-38.

Bombay-38, the 10th August 1987

No. AR.II/37EE/40936/86-87.--Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 502, 5th floor of 'Kalpak Crest', Carter Road,

Bandra (W), Bombay-400 050

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority Bombay on 5-12-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the Instrument of Transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property y be made in writing to the undersigned :-

(2) Miss Reena Roy alias Mrs. Reena Khan.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 502 on the 5th floor of 'Kalpak Crest' situated at Plot No. 274, Carter Road, Bandra (W), Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/40936/86-87 on 5-12-1986.

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 10-8-1987

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Mrs. Husan B. Pitalwalla.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Shantilal Bajal

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property mny be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING, 3RD FLR. BALLARD ESTATE, R. K. MARG, BOMBAY-38.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay, the 10th August 1987

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

in that Chapter.

Act, shall have the same meaning as given

No. AR. II/37EE/40972/86-87.—Whereas, I,

K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act') have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000/- and bearing
Plot No. 1485/87 C.S.T. 278, Mooncraft Apaitment Co-op.
Housing Society Sherly Village, Bandra, Bombay-50 situated at

Bombay

Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1691 in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-12-1986 for an apparem consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957). THE SCHEDULE

Plot No. 1485/87 C.S.T. 278, Mooncraft Apartment Co-op. Housing Society Ltd., Sherly Village Road, Bandra, Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/40972/86-87 on 11-12-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1 of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 10-8-1987

FORM NO. I.T.N.S.

(1) Mrs. Rajani Magon

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ramlal Khanduja & Asha R. Khanduja (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING, 3RD FLR. BALLARD ESTATE, R. K. MARG, BOMBAY-38.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 10th August 1987

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

No. AR. II/37EE/40975/86-87.—Whereas, I, K. C. SHAH,

> Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

in that Chapter

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. One flat No. 43 on 4th floor in Nibbana Bldg. to Nibbana Co-

op. Housing Society Ltd., Pali Hill Road, Bandra, Bombay-50 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 11-12-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

One flat No. 43 on 4th floor in Nibbana Building belonging to Nibbana Co-operative Housing Society Ltd. at Pali Hill Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/40975/86-87 on 11-12-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any stictions or others seems which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of tre said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property bf the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 10-8-1987

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Mrs. Sandhya E. Zarapkar

(2) Kumar Shewaram Bathija

Sunil Kumar Bathija

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING, 3RD FLR. BALLARD FSTATE, R. K. MARG, BOMBAY-38,

Bombay, the 10th August 1987

No. AR. 11/37EE/40977/86-87.—Whereas, I.

K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 4, 4th floor, Bhavani Apartment, Village Danda situated at Bombay

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 10-12-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideratoin for such apparent as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 4th floor, Bhavani Apartment, in the Revenue Village of Danda, bearing S. No. 288, H. No. 12 (P), CS No. C/1613 (P), S No. 288, H. No. 13, CS No. C/1619 (P), S. No. 288, H. No. 14, CS No. C/1618 (P), S. No. 288 H. No. 15, CS No. C/1618 (P) S. No. 288, H. No. 16 (P), CS No. C/1614 (P), S. No. 288, H. No. 17, CS No. C/1619 S. No. 288, H. No. 18, CS No. C/1617.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/40977/86-87 on 10-12-1986.

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombaq

Dated: 10-8-1987

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--15-226GI/87

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING, 3RD FUR. BALLARD ESTATE, R. K. MARG, BOMBAY-38.

Bombay, the 10th August 1987

No. AR. II, 37LE/40978/86-87.—Whereas, I. K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 28 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 101, 1st floor, in the proposed bldg. 'Blue Bird-Wing' C' Plot bearing C.T.S. No. 1431, 1432, 1433, 1434, 1448, 1449, 1455, 1456 (Pt.) & 1459 at village Danda, Sherly Rajan, Bandra, Bombay-50 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), in the same is registered under

has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act 1961 in the Office

section 269 AB of the income-tax Act 1991 at the of the Competent Authority at Bombay on 11-12-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s. Sagib Constructions

(Transferor) (2) M/s. Ashishwang Property Developers Pvt. Ltd. (Transferce)

(3) Nil

(Persons in occupation of the property)

(4) Transferec

(Person whom the understance knows to be interested in this property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101 on 1st floor in the proposed bldg. 'Blue Bird-Wing C' Plot bearing CTS No. 1431 1432, 1433, 1434, 1448, 1449, 1455, 1456 (Part) & 1459 at Village Danda, Sherly Rajan, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/40978/86-87 on 11-12-1986.

> K. C. SHAII Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11, Bombay

Dated: 10-8-1987

FORM NO. I.T.N.S.——

(1) Venibai Ghanshyamdas

(2) Mrs. Indra H, Gupta

(Transferor) (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,

CONTRACTOR BUILDING, 3RD FLR. BALLARD ESTATE, R. K. MARG, BOMBAY-38.

Bombay, the 10th August 1987

No. AR. II/37EE/40983/86-87.—Whereas, I,

К. С. ЅНАН,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having in fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Plot No. 557. T PS III. Junction of 32nd & 36th Road, Bandra,

Bombay-50 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 11-J2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 557, TPS III, Junction of 32nd & 36th Road, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/40983/86-87 on 11-12-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 10-8-1987

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING, 3RD FLR. BALLARD ESTATE, R. K. MARG, BOMBAY-38.

Bombay, the 10th August 1987

No. AR. II/37EE/40998/86-87.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1002, 10th floor of Le-Papeyon Building, Mount Mary Road, Bandia, Bombay-400 050 situated at Bombay Rombay on 12.12 1986

Bombay on 12-12-1986

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 12-2-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the said instrument. the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Mrs. Usha Atul Shah

(Transferor)

(2) Smt. Vimla Jayvadan Taktawala Smt. Rekha Shirish Shah & Shri Ashutosh M. Patel

(Transferee)

(3) Transferor

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1002 on 10th floor of Le-Papeyon Building, Mount Mary Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/40998/86-87 on 12-12-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 10-8-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shyam Sarup Chaudhary

(Transferor)

8197

(2) Shantilal Bajaj

(Transferce)

(3) Transferor

(Persons in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING, 3RD FLR. BALLARD ESTATE, R. K. MARG, BOMBAY-38.

Bombay, the 10th August 1987

No. AR. II/37EE/41035/86-87.—Whereas, I, K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. I/C The Girnar Apartment Co-operative Housing Society Ltd. 55, Pali Hill Bandra, Bombay-50.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office Competent Authority at

Bombay on 12-12-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fixeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

"TXI LANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. I/C, The Girnar Apartment Co-operative Housing Society Ltd., 55 Pali Hill, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/41035/86-87 on 12-12-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated: 10-8-1987

FORM NO. I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri K. V. Satyamurthy, Smt. K. S. Anuradha.

(Transferoi)

(2) Shri Ashok B. Jain, Shri Yogendra Desai.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-H, CONTRACTOR BUILDING, 3RD FLR. BALLARD ESTATE, R. K. MARG, BOMBAY-38,

Bombay, the 10th August 1987

No. AR. II/37EE/41072/86-87.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. All that piece or parcel of land or ground bearing F.P. No. 564, situate on Ghodbunder Road TPS No. III, Bandara, Bombay Suburban Distt. now included in Greater Bombay situated at Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-12-1986

Bombay on 12-12-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground bearing Final Plot No. 564 situate on Ghodbunder Road in TPS No. III, Bombay Suburban District now included in Greater Bombay area bearing CS No. 1-/339 Registration Sub-Dist. Bombay City & Bombay Suburban together with building thereon bearing Municipal H. Ward No. 5288(3) & St. No. 147 & bounded on or towards the North by F.P. No. 563, on or towards the south by Thirty Second Road, On or towards the East by Ghodbunder Road and on or towards the West by F.P. No. 565 of the said TPS Scheme,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR, II/37EE/41072/86-87 on 12-12-1986.

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforemiad property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persions, namely :-

Dated: 10-8-1987

(1) Mr. Ebrahim Mohammed Hussein & Ors.

(Transferor)

(2) M/s. Λ. G. Enterprises.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 3RD FLOOR, BALLARD ESTATE R. K. MARG, BOMBAY-38

Bombay-38, the 10th August 1987

Ref. No. AR.11/37EE.41073/86-87.—Whereas, 1. K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 207, in Salsette Catholic Coop. Hsg. Society Ltd., CTS No. 851, Municipal Ward No. H/1873 (W) at St.

John's Rd., Bandra situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the I. T. Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 12-12-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 207 in Salsette Catholic Co.op. Hsg. Society Ltd., CTS No. 851, Municipal Ward No. H, 1873 (W), at St. John's Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR,II/37FE.41073/86-87 on 12-12-1986.

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely : -

Date: 10-8-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 3RD FLOOR, BALLARD ESTATE R. K. MARG, BOMBAY-38

Bombay-38, the 10th August 1987

Ref. No. AR.II/37EE.41079/86-87.-Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. R-2, on 18th floor, at Jolly High Rise Co-operative

Housing Society I td., Bandra situated at Bombay has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the I. T. Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 12-12-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Kavita G. Datwani.

(Transferor)

(2) Mr. Baig Mohammed Iqbal Ebrahim.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. R-2 on 18th floor, at Jolly High Rise Co-operative Housing Society Ltd., Bandra, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE.41079/86-87 on 12-12-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-8-1987

(1) Mr. Allen G. D'Sılva.

(Transferor)

(2) Adar Hotel Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II 3RD FLOOR, BALLARD ESTATE R. K. MARG, BOMBAY-38

Bombay-38, the 10th August 1987

Ref. No. AR.II/37EE.41087/86-87.—Whereas, I,

K. C. SHAH, poing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 201 D, 2nd floor Triveni Co-operative Housing Society, Bandra, Bombay-50 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the I. T. Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 12-12-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid sacceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) of the said A ct, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 201, D, 2nd floor, Triveni Co-op., Housing Society Ltd., Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE.41087/86-87 on 12-12-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Asatt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followor persons, namely :--

Duto: 10-8-1987

16-226GI/87

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II 3RD FLOOR, BALLARD ESTATE R. K. MARG, BOMBAY-38

Bombay-38, the 10th August 1987

Ref. No. AR.II/37EE.41091/86-87.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereina ter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

able property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 10, 5th floor, Silver Rock, Bandra Co.op. Hsg. Society Ltd., Plot No. 131, TPS. IV, 59-59A, Turner Road, Bandra, Bombay-50 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the I. T. Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Rombay on 12-12-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer ras agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the requisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. Roy Joseph Amara & Mrs. Betty Amara,

(Transferor)

(2) Mr. Deepchand Lakhiani & Anr.

(Transferee)

(3) Transferees.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of rublication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, 5th floor, Silver Rock, Bandra Co-op. Housing Society Ltd., Plot No. 131, T.P.S. IV, 59-59A, Turner Road, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE.41091/86-87 on 12-12-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-8-1987

- (1) Mrs. Lillian Joan Noguer.
- (Transferor)
- (2) M/s. Trisons Builders.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

> Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II 3RD FLOOR, BALLARD ESTATE R. K. MARG, BOMBAY-38

Bombay-38, the 10th August 1987

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which there period explices later: whichever period expires later;

Ref. No. AR.II/37EE.41094/86-87.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income—tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Lease hold plot No. 164 in the Salsette Catholic Co.op. Society's Kantwadi Scheme, Convent Street, Bandra, Bombay-

400 050 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the I. T. Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 15-12-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by 28 more than fifteen per cent of such apparent considertion and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXLANATION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Lease hold Plot No. 164 in the Salsette Catholic Co-op. Society's Kantwadi Scheme, Convent Street, Bandra, Bombay-400 050.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR.II/37EE.41094/86-87 on 15-12-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-8-1987

1

FORM ITNS-

(1) M/s. Thakur Constructions.

(Transferor)

(2) Mrs. Indra H. Gupta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BUILDING, 3RD FLOOR, BALLARD ESTATE R. K. MARG, BOMBAY-38

Bombay-38, the 10th August 1987

Ref. No. AR.II/37EE.41114/86-87.—Whereas, I,

K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

New Kantwadi, Perry Road, CTS No. C/627, N.A.S. No. 37,

Bandra, Bombay-400 050 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the I. T. Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 15-12-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealent of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

- (a) by any of the abresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

New Kantwadi, Perry Road, C.T.S. No. C/627, N.A.S. No. 37, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE.41114/86-87 on 15-12-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Daté: 10-8-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACOUISITION RANGE-II CONTRACTOR BUILDING, 3RD FLOOR, BALLARD ESTATE R. K. MARG, BOMBAY-38

Bombay-38, the 10th August 1987

Ref. No. AR.II/37EE.41128/86-87.—Whereas, I,

Ref. No. AR.II/37EE.41128/86-87,—Whereas, 1, K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Survey No. 246B, C.T.S. No. C-774 at Village Danda, Bandra (West), Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the I. T. Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Competent Authority at

Bombay on 18-12-1986

Bombay on 18-12-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--ment of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the finbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Yvonne Hilder, Ralph D'Souza, Yvette Morgan Katherine D'Sousa. Hilaire D'Souza.

(Transferee)

(2) M/s. Natasha Constructions Pvt. Ltd.

(Transferce)

(3) Transferor.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or Parcel of land or Ground together with the structures standing thereon situate lying and being at Village Danda, Bandra (East), Taluka Borivli, Dist. Bombay Suburban within the Registration Sub-Dist. & Dist, of Bombay City & Bombay Suburban bearing S. No. 246B, CTS No.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE.41128/86-87 on 18-12-1986.

> K. C. SHAIL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-8-1987

(1) Mr. Rajiv Kapur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Ľ

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BUILDING, 3RD FLOOR, BALLARD ESTATE R. K. MARG, BOMBAY-38

Bombay-38, the 10th August 1987

Ref. No. AR.II/37EE.41150/86-87.—Whereas, I,

K. C. SHAH,

K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. A/54, 'Cozihom', Pali Hill, Bandra, Bombay-400050 cituated at Bembay.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the I. T. Act, 1961, in the Office of the

Competent Authority at Bombay on 19-12-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Mr. Homi Pesi Cooper & Pesi M. Cooper.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of this said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A/54, 'COZIHOM', Pali Hill, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/41128/86-87 on 19-12-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-8-1987

(1) Mr. Sunith Francis Soares & Neville Francis Soares.

(2) Patel Investment Trust.

(Transferer) (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING, 3RD FLOOR, BALLARD ESTATE, R. K. MARG, BOMBAY-38.

> > Bombay, the 10th August 1987

No. AR.II/37EE/41177/86-87.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
All that piece or parcel of land or ground situated at Chapel Road, Bandra and in the Chapel Road Scheme
No. VIII in Greater Bombay South Salsette Taluka Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and agreement is registered under Sec. 269AB of the I.T. Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-12-1986 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arizing from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said unmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground situated at Chapel Road, Bandra and in the Chapel Road Scheme No. VIII in Greater Bombay South Salsette Taluka Bombay Suburban Dist. Regn. Sub-District Baindra Registration Distt. Bombay Suburban bearing plot No. 57 in the Society's Estate Plan No. 1, City S. No. B-330.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/41177/86-87 on 24-12-1986.

K. C. SHAH, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforested property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 10-8-1987

FORM I.T.N.S.-

(1) Smt. Pratima Sharad Mulay.

(Transferor)

(2) Shri Rajiv Kapur.

(Trausferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING, 3RD FLOOR, BALLARD ESTATE, R. K. MARG, BOMBAY-38.

Bombay, the 10th August 1987

No. AR. III/37EE/41180/86-87.—Whereas, I, K. C. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 /(43 of 1961) (hereinafter referred to so the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. C/62, 'Cozihom', Pali Hill, Bandra, Bombay-

400 050 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Sec. 269AB of the I.T. Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-12-1986 situated at Bombay

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration that the consideration of such apparent consideration of that the consideration of such apparent consideration that the consideration of such apparent consideration to such apparent consideration to such apparent consideration. and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrment of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C/62, Cozihom, Pali Hill, Bandra. Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/41180/86-87 on 24-12-1986.

> K. C. SHAH, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 10-8-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING, 3RD FLOOR, BALLARD ESTATE, R. K. MARG, BOMBAY-38.

Bombay, the 10th August 1987

Ref. No. AR.II/37EE/41215/86-87.—Whereas, I, K. C. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 21 (Flat 1, 2nd floor) 199 Perry Road,

Kantawady Scheme, Bandra.

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Sec. 269AB of the I.T. Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-12-1986 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate preceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Mrs. Joan Wales.

(Transferor)

(2) Mr. Ignatius Francis Noel Almeida Mrs. Mercia Antoinette Almeida & Mrs. Margaret Mary Almedia.

(Transferce)

(3) Transferces.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 21 (Flat 1, 2nd floor) at 199 Perry Kantawady Scheme, C.T.S. No. C/606 of Bandra.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/41215/86-87 on 26-12-1986.

K. C. SHAH, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay. Bombay.

Dated: 10-8-1987

FORM I.T.N.S.-

(1) Mr. Prithviraj Khurana

(2) M/s. Tolaram & Co.

(Transfero:)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 10th August 1987

Ref. No. AR.III/37EE/43855/86-87.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority, under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot with 6 structures bearing C.S. Nos. 465/465 (1 to 30) Khot Road, Bhandup, Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in) the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1986 for an apparent consideration which is less than the fair being the Competent Authority under Section 269B of than fifteen per cent of such apparent consideration and said exceeds the apparent consideration therefor by more that the consideration for such transfer as agreed to between that the consideration for such transfer as agreed to between believe that the fair market value of the property as afore-the parties has not been truly stated in the said instrument the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from o service of notice on the whichever period empires hiter
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are ed in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot with 6 structures bearing C.S. Nos. 465/465 (1 to 30) Khot Road, Bhandup, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/43855/86-87 dt. 1-12-1986.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-8-1987